

RNI No. GUJHIN/2010/35230

महानगर मेट्रो

राष्ट्रीय दैनिक समाचार पत्र

कार्यालय :- सी-8 रिची हाउस, स्वामी नारायण मंदिर के सामने मणिनगर अहमदाबाद गुजरात-380008

महानगर मेट्रो
राष्ट्रीय दैनिक हिन्दी समाचार पत्र, प्रेस नोट एवं विज्ञापन के लिए कार्यालय पर सम्पर्क करें
सरबजीत माकन
+91-9638877700
mahanagarmetro7@gmail.com

वर्ष :16 । अंक: 46 । पेज: 12। mahanagarmetro7@gmail.co || अहमदाबाद, 12 अक्टूबर 2026 (सोमवार) || सम्पादक - सरबजीत माकन (9638877700)।। मूल्य :- 1.50 रु.-/

दुर्गा पूजा के लिए गंगाजल लेने गया इंटर का छात्र गंगा में डूबा, मौत



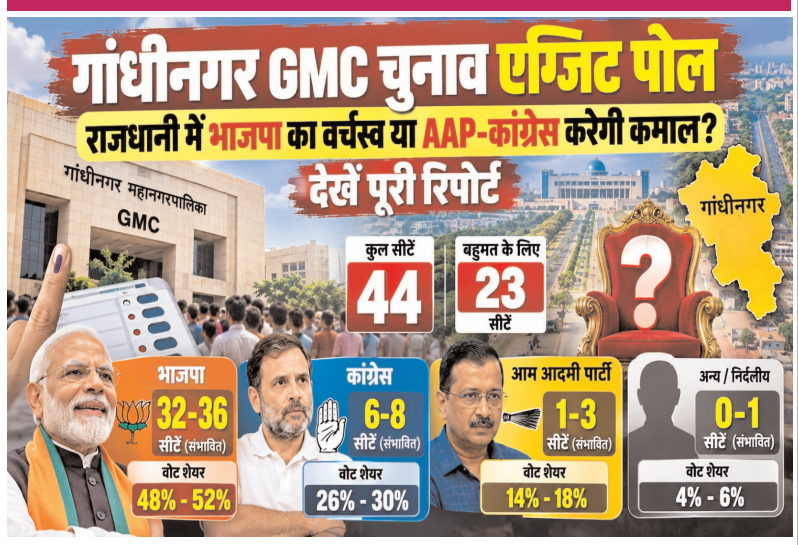
महानगर मेट्रो ब्यूरो

समस्तीपुर। दुर्गा पूजा के लिए गंगाजल लेने गए 18 वर्षीय इंटर के छात्र शुभम कुमार महतो की गंगा नदी में डूबने से मौत हो गई। घटना विद्यापतिनगर थाना क्षेत्र के बाजितपुर कष्टहारा घाट की है। शुभम दरसिंहसराय के कमरांव गांव निवासी मनोज कुमार महतो का बेटा था। उसकी मौत की खबर मिलते ही परिवार में शोक छा गया। जानकारी के अनुसार, शुभम अपने दो चाचाओं के साथ गंगाजल लेने गया था। उसके चाचा संजय कुमार महतो अपनी बहन के घर रुक गए थे, जबकि शुभम अपने छोटे चाचा सरोज कुमार महतो के साथ घाट पर पहुंचा। वहां शुभम गंगा नदी में नहाने के लिए उतरा और चाचा सरोज को प्रसाद लाने भेज दिया। उन्होंने आसपास काफी तलाश की, लेकिन उसका कोई पता नहीं चला।

गांधीनगर में भाजपा की बड़ी जीत का अनुमान

44 सीटों पर त्रिकोणीय मुकाबले के बाद भाजपा को स्पष्ट बहुमत का अनुमान

कांग्रेस को 6 से 8 और आम आदमी पार्टी को 1 से 3 सीटें मिलने की संभावना



महानगर मेट्रो ब्यूरो/पवन माकन

गांधीनगर। गुजरात की राजधानी गांधीनगर नगर निगम चुनाव में मतदान संपन्न होने के बाद अब सभी की नजरें नतीजों पर टिकी हैं। भाजपा, कांग्रेस और आम आदमी पार्टी के बीच हुए मुकाबले में एग्जिट पोल के अनुमान भाजपा को स्पष्ट बहुमत की ओर बढ़ते दिखा रहे हैं। हालांकि, ये आंकड़े सर्वे पर आधारित हैं और वास्तविक तस्वीर मतगणना के बाद ही साफ होगी। गांधीनगर नगर निगम की कुल 44 सीटों के लिए मतदान हुआ। निगम में 11 वार्ड हैं और प्रत्येक वार्ड में चार सीटें हैं। उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, मतदान लगभग 56.5 प्रतिशत रहा। चुनाव में 200 से अधिक उम्मीदवारों की किस्मत इलेक्ट्रॉनिक मतदान मशीनों में बंद हो गई है। एग्जिट पोल के अनुमान के मुताबिक, भाजपा को 32 से 36 सीटें मिल सकती हैं। कांग्रेस के खाते में 6 से 8 सीटें आने की संभावना जताई गई है, जबकि आम आदमी पार्टी को 1 से 3 सीटें मिलने का अनुमान है। अन्य और निर्दलीय उम्मीदवारों को शून्य से एक सीट मिल सकती है। नगर निगम में बहुमत के लिए 23 सीटों की जरूरत है। इस अनुमान के आधार पर भाजपा बहुमत के आंकड़े से काफी आगे दिखाई दे रही है। वोट प्रतिशत के अनुमान में भी भाजपा बढ़त बनाए हुए है। भाजपा को 48 से 52 प्रतिशत, कांग्रेस को 26 से 30 प्रतिशत और आम आदमी पार्टी को 14 से 18 प्रतिशत वोट मिलने का अनुमान है। अन्य उम्मीदवारों का वोट प्रतिशत 4 से 6 प्रतिशत रहने की संभावना जताई गई है। एग्जिट पोल के अनुसार, कांग्रेस को सीटों के मामले में नुकसान उठाना पड़ सकता है। वहीं, आम आदमी पार्टी की सक्रियता कुछ वार्डों में मुकाबले को त्रिकोणीय बनाती दिख रही है। अनुमान है कि आप कांग्रेस के पारंपरिक मतदाताओं के बीच भी अपनी जगह बनाने की कोशिश में रही। हालांकि, इसका वास्तविक असर नतीजों के बाद ही सामने आएगा। भाजपा की संभावित बढ़त के पीछे उसके संगठनात्मक ढांचे, चुनावी प्रचार और विकास कार्यों को प्रमुख कारण माना जा रहा है। दूसरी ओर, कांग्रेस और आम आदमी पार्टी के प्रदर्शन पर भी सबकी नजर रहेगी। फिलहाल एग्जिट पोल भाजपा की मजबूत स्थिति का संकेत दे रहे हैं, लेकिन इन्हें अंतिम परिणाम नहीं माना जा सकता। गांधीनगर में किस दल को कितनी सीटें मिलेंगी और नगर निगम की सत्ता किसके हाथ में आएगी, इसका फैसला मतगणना के बाद होगा।

गांधीनगर में फिर उठे चुनावी खर्च पर सवाल

गांधीनगर नगर निगम की 44 सीटों पर एग्जिट पोल में भाजपा को 32 से 36 सीटें मिलने का अनुमान है। बहुमत के लिए 23 सीटों की जरूरत है। कांग्रेस को 6 से 8 और आम आदमी पार्टी को 1 से 3 सीटें मिलने की संभावना जताई गई है। हालांकि, ये अनुमान हैं, अंतिम नतीजे मतगणना के बाद ही स्पष्ट होंगे।

जयकारों से गूंजे शक्तिपीठ, शारदीय नवरात्र के पहले दिन मंदिरों में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

महानगर मेट्रो ब्यूरो

दिल्ली। शारदीय नवरात्र के पहले दिन रविवार को प्रदेशभर के देवी मंदिरों में सुबह से ही श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। भक्तों ने माता के दर्शन कर पूजा-अर्चना की और सुख-समृद्धि की कामना की। नवरात्र पर्व 11 अक्टूबर से शुरू होकर 19 अक्टूबर तक चलेगा। प्रमुख मंदिरों में मंगला आरती, घट स्थापना और विशेष पूजन के साथ धार्मिक आयोजन शुरू हुए। आगर मालवा जिले के नलखेड़ा स्थित मां बगलामुखी मंदिर में सुबह 4 बजे से दर्शन शुरू हुए। सुबह 11 बजे तक 75 हजार से अधिक श्रद्धालु माता के दर्शन कर चुके थे। उज्जैन के हरसिद्धि और गढ़ कालिका मंदिर में भी विशेष पूजा-अर्चना की गई। नीमच के भादवा माता मंदिर में घट स्थापना से पहले महाआरती हुई। इस मंदिर को 'मालवा की वैष्णो देवी' के नाम से भी जाना जाता है। बड़वानी जिले के सेंधवा स्थित मां बड़ी बिजासन माता मंदिर में इस बार गर्भगृह की दीवारों को करीब 90 किलो चांदी से सजाया गया है। इसकी कीमत लगभग दो करोड़ रुपए बताई गई है। मंदिर में नवरात्र के पहले दिन दर्शन के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे। मैहर के मां शारदा धाम में शारदीय नवरात्र मेले का आगाज हुआ। रविवार तड़के 3 बजे मंदिर के पट खुलते ही परिसर माता के जयकारों से गूंज उठा।



चश्मदीद नहीं, डीएनए और फिंगरप्रिंट बने अहम सबूत; मां-बेटी हत्याकांड में चार आरोपी दोषी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

सूरजपुर। मामले में 51 गवाहों के बयान और फॉरेंसिक रिपोर्ट पेश; कुलदीप साहू के बाल व रेलिंग पर मिले फिंगरप्रिंट जांच में अहम, फांसी की सजा की पुष्टि के लिए हाईकोर्ट भेजे गए दस्तावेज* छत्तीसगढ़ के सूरजपुर में मां-बेटी की हत्या और दुष्कर्म के मामले में अदालत ने वैज्ञानिक और डिजिटल साक्ष्यों के आधार पर आरोपियों की भूमिका पर फैसला सुनाया। मामले में चश्मदीद गवाह नहीं था, लेकिन घटनास्थल से मिले बाल, सीढ़ियों की रेलिंग पर फिंगरप्रिंट, कपड़ों पर खून के धब्बे और डीएनए जांच रिपोर्ट अहम साबित हुए। अभियोजन पक्ष ने सुनवाई के दौरान 51 गवाहों के बयान और फॉरेंसिक रिपोर्ट पेश की। उपलब्ध विवरण के मुताबिक, छह आरोपियों में से चार के खिलाफ आरोप साबित हुए, जबकि सूरज साहू को पर्याप्त साक्ष्य नहीं मिलने पर दोषमुक्त कर दिया गया। चार्जशीट के अनुसार, घटनास्थल की रसोई से इंसानी बाल जब्त किए गए थे। डीएनए जांच में इन नमूनों का आरोपियों से मिलान होने की बात सामने आई। मृतका के कपड़ों और घटनास्थल से मिले जैविक नमूनों की डीएनए प्रोफाइलिंग भी जांच का महत्वपूर्ण हिस्सा रही। पुलिसकर्मी के घर की सीढ़ियों की रेलिंग से मिले फिंगरप्रिंट की जांच में विशेषज्ञों ने उन्हें मुख्य आरोपी कुलदीप साहू से मेल खाने वाला बताया। कॉल डिटेल और अन्य डिजिटल साक्ष्यों को भी जांच में शामिल किया गया। ससस जिलाबदर शारदीय नवरात्र आज से शुरू हो गया। रविवार को आश्विन शुक्ल प्रतिपदा में चित्रा नक्षत्र, वैधृति योग और द्विपुष्कर योग के साथ बव करण, तुला लग्न का संयोग बन रहा है। इस बार नवरात्र 10 दिनों का होगा। दो दिन अष्टमी तिथि होने से 10 दिन तक देवी माता की उपासना होगी। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, नवरात्रि पर्व में तिथि का बढ़ना शुभ माना गया है। पटना के पटन देवी मंदिर में भक्तों की 200 मीटर लंबी लाइन लगी। वहीं नवरात्र के पहले दिन बांका के तिलडीहा दुर्गा मंदिर माता के दर्शन और जलाभिषेक के लिए सुबह से ही श्रद्धालुओं की भारी भीड़ जुटने लगी। बताया जा रहा है कि 1 लाख से अधिक भक्तों ने जलाभिषेक किया। वहीं बक्सर से हादेवा घाट पर गंगा स्नान और कलश भरने वालों की लोगों की भीड़ देखी गईइधर बगहा जिले में रविवार को कलश यात्रा के दौरान बड़ा हादसा हो गया। भैरोगंज थाना क्षेत्र के सासाराम गांव से रामनगर थाना क्षेत्र के खटौरी गांव जा रही कलश यात्रा में शामिल बच्चे हाईटेंशन तार की चपेट में आ गए। हादसे में दो नाबालिग की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि करीब 18 बच्चे घायल हो गए। घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। मृत बच्चों के परिजनों और घायलों के परिवारों में चीख-पुकार मच गई। मृत बच्चों की पहचान सासाराम गांव निवासी यशवंत बीन के 13 वर्षीय बेटे सर्वेश कुमार और प्रभु कुमार के 13 वर्षीय बेटे नीरज कुमार के रूप में हुई है समस्तीपुर में भी एक युवक की गंगा में डूबकर मौत हो गई। वो दुर्गा पूजा के लिए गंगाजल लाने गया था।

अंबानी परिवार के 'देवी शक्ति' उत्सव में जुटे बॉलीवुड सितारे, रणवीर सिंह, कृति सैनन और आमिर खान ने बढ़ाई रौनक

महानगर मेट्रो ब्यूर

मुंबई। नवरात्रि से पहले मुंबई में अंबानी परिवार की ओर से आयोजित 'देवी शक्ति' उत्सव में भारतीय संस्कृति, पारंपरिक कला और बॉलीवुड सितारों का अनूठा संगम देखने को मिला। शनिवार शाम आयोजित इस कार्यक्रम में रणवीर सिंह, कृति सैनन और आमिर खान समेत कई बॉलीवुड हस्तियों ने शिरकत की। यह आयोजन रिलायंस रिटेल के प्रमुख लग्जरी स्टोर स्वदेश इरोस के एक साल पूरे होने के अवसर पर किया गया। कार्यक्रम में भारतीय शिल्प परंपराओं, स्थानीय कारीगरों के हुनर और त्योहार की शुभ भावना का उत्सव मनाया गया। नवरात्रि से पहले आयोजित इस उत्सव का केंद्र भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और सदियों से चली आ रही पारंपरिक कलाएं रहीं। कार्यक्रम के माध्यम से उन कारीगरों के काम को सम्मान देने का प्रयास किया गया, जो अपनी मेहनत, रचनात्मकता और पीढ़ियों से मिले हुनर के जरिए देश की पारंपरिक कलाओं को जीवित रखे हुए हैं। बॉलीवुड सितारों की मौजूदगी ने आयोजन को खास बना दिया, वहीं भारतीय कला और शिल्प को प्रमुखता दिए जाने से इसकी सांस्कृतिक पहचान भी उभरकर सामने आई। स्वदेश इरोस को भारत की सांस्कृतिक विरासत, पारंपरिक हस्तशिल्प और स्थानीय कारीगरों के उत्कृष्ट काम को प्रोत्साहित करने तथा प्रदर्शित करने के उद्देश्य से शुरू किया गया था। रिलायंस रिटेल के इस प्रमुख लग्जरी स्टोर के माध्यम से देश के अलग-अलग क्षेत्रों की पारंपरिक कलाओं और शिल्पकारों की रचनात्मकता को एक मंच पर लाने का प्रयास किया जाता है। एक साल पूरे होने के अवसर पर आयोजित 'देवी शक्ति' उत्सव इसी विचार को आगे बढ़ाने वाला आयोजन रहा।



भाजपा प्रदेशाध्यक्ष ने सीनियर नेताओं और मंत्री-विधायकों को दी सीख

महानगर मेट्रो ब्यूरो

बड़वानी। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल रविवार को पहली बार बड़वानी जिला मुख्यालय पहुंचे। संगठन की बैठक में उन्होंने नेताओं और कार्यकर्ताओं को पद का अहंकार नहीं करने की सीख दी। उन्होंने पार्टी के संघर्ष के पुराने दिनों को याद करते हुए कहा कि आज संगठन जिस मुकाम पर है, उसके पीछे पुराने कार्यकर्ताओं की मेहनत, त्याग और तपस्या है। खंडेलवाल ने कहा कि आज कोई अध्यक्ष, मंत्री या विधायक है, लेकिन पद हमेशा उसके पास नहीं रहेगा। पद मिलने से पहले भी जीवन था और पद के बाद भी रहेगा। इसलिए पद को स्थायी मानकर अहंकार नहीं करना चाहिए। उन्होंने कहा कि वे पद पर रहें या न रहें, हमेशा कार्यकर्ता ही रहेंगे। उन्होंने बताया कि एक समय ऐसा था, जब मंडल स्तर पर दो कार्यकर्ता मिलना भी मुश्किल होता था। आज पार्टी की मेहनत से हर बूथ पर कार्यकर्ताओं की मजबूत टीम खड़ी है। यह सफलता पुराने कार्यकर्ताओं के योगदान का परिणाम है। उनके त्याग और समर्पण को भुलाने पर पार्टी अपनी मूल दिशा से भटक सकती है। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि कार्यकर्ता ही संगठन की असली ताकत हैं। बूथ मजबूत होगा तो चुनाव जीतने का रास्ता आसान बनेगा। उन्होंने कार्यकर्ताओं से संगठन को मजबूत करने और हर चुनाव में जीत का संकल्प लेने की अपील की।



'रामायण' में भगवान राम बने रणबीर कपूर का नया पोस्टर जारी, राजा दशरथ के रूप में दिखे अरुण गोविल

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। भारतीय सिनेमा की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'रामायण' को लेकर दर्शकों की उत्सुकता लगातार बढ़ रही है। फिल्म में भगवान राम की भूमिका निभा रहे रणबीर कपूर का नया पोस्टर जारी किया गया है। इसके साथ ही राजा दशरथ के किरदार में नजर आने वाले अभिनेता अरुण गोविल का पोस्टर भी सामने आया है। नए पोस्टरों के जारी होने के बीच फिल्म की रिलीज तारीख में संभावित बदलाव को लेकर भी चर्चाएं तेज हो गई हैं। फिल्म को पहले दिवाली के अवसर पर 6 नवंबर को रिलीज करने की घोषणा की गई थी, लेकिन नई रिपोर्टों में इसकी रिलीज एक दिन पहले यानी 5 नवंबर को होने की बात कही जा रही है। हालांकि, तारीख में बदलाव की आधिकारिक पुष्टि सामने आना बाकी है। फिल्म को बड़े बजट और भव्य निर्माण के साथ तैयार किया जा रहा है। ऐसे में इसके पोस्टर, कलाकारों के लुक और रिलीज से जुड़ी हर जानकारी पर दर्शकों की नजर बनी हुई है। रणबीर कपूर को



भगवान राम के रूप में देखने के लिए प्रशंसक उत्साहित हैं, वहीं अरुण गोविल के राजा दशरथ वाले पोस्टर ने भी फिल्म को लेकर चर्चा बढ़ा दी है। अरुण गोविल इससे पहले टेलीविजन पर भगवान राम की भूमिका निभाकर दर्शकों के बीच खास पहचान बना चुके हैं। अब उन्हें राजा दशरथ के किरदार में देखने को लेकर भी दिलचस्पी बनी हुई है। 'रामायण' की रिलीज तारीख को लेकर इन दिनों सबसे ज्यादा चर्चा हो रही है। फिल्म को दिवाली के मौके पर 6 नवंबर को रिलीज करने की घोषणा की गई थी। हालांकि, हालिया रिपोर्टों के मुताबिक, निर्माता अब इसे 5 नवंबर को सिनेमाघरों में उतारने की योजना बना सकते हैं। इसके अलावा 4 नवंबर से पेड प्रिव्यू शो शुरू किए जाने की भी खबरें सामने आई हैं। यदि यह योजना अंतिम रूप लेती है, तो दर्शकों को फिल्म दिवाली से पहले ही देखने का मौका मिल सकता है। पेड प्रिव्यू के जरिए चुनिंदा शो में निर्धारित रिलीज से पहले फिल्म दिखाने की व्यवस्था की जाती है। हालांकि, 'रामायण' के मामले में रिलीज की तारीख और प्रिव्यू शो को लेकर अंतिम स्थिति आधिकारिक घोषणा के बाद ही स्पष्ट होगी। फिल्म की रिलीज को लेकर चल रही चर्चाओं ने इसके प्रचार अभियान को भी सुर्खियों में ला दिया है। नए पोस्टर सामने आने के साथ दर्शक फिल्म के किरदारों, प्रस्तुति और कहानी को बड़े पर्दे पर देखने के लिए उत्सुक हैं। फिल्म के प्रचार के दौरान हाल ही में एक कार्यक्रम को लेकर भी विवाद हुआ था। रणबीर कपूर और साई पल्लवी अभिनीत 'रामायण' के प्रमोशन के लिए फिल्म की टीम मुंबई के फिल्म सिटी स्थित प्राइम फोकस स्टूडियो पहुंची थी। जिसे बाद में बदलकर दोपहर 1 बजे कर दिया गया.

यूपी कांग्रेस कार्यालय में जूतम-पैजार, अजय राय और ममता चौधरी के विवाद से मचा हंगामा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में रविवार को पदभार ग्रहण समारोह के दौरान पार्टी कार्यकर्ता आपस में भिड़ गए। पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अजय राय और कांग्रेस नेता ममता चौधरी के बीच कहासुनी के बाद धक्का-मुक्की और जूते-चप्पल चलने लगे। करीब 30 मिनट तक चले हंगामे के बाद अजय राय धरने पर बैठ गए। सांसद प्रमोद तिवारी और कार्यकारी अध्यक्ष इमरान मसूद ने मौके पर पहुंचकर उन्हें मनाया। इस दौरान राय की राहुल गांधी से फोन पर बातचीत भी हुई, जिसके बाद वह धरने से उठकर चले गए। विवाद उस समय शुरू हुआ, जब यूपी कांग्रेस अध्यक्ष आराधना मिश्रा 'मोना' और कार्यकारी अध्यक्ष इमरान मसूद के पदभार ग्रहण समारोह में अजय राय पहुंचे। ममता चौधरी ने उन्हें देखकर कथित तौर पर कहा कि वह उनकी शक्ल नहीं देखना चाहतीं और उन्हें वहां से चले जाना चाहिए।



एचडी फायर प्रोटेक्ट और फ्यूजन सीएक्स के बड़े इश्यू पर रहेगी नजर, एसएमई प्लेटफॉर्म पर भी दो कंपनियां उतारेंगी आईपीओ

महानगर मेट्रो ब्यूरो

दिल्ली। बाजार में आने वाले सप्ताह पांच कंपनियों के आईपीओ प्रस्तावित हैं। दिए गए विवरण के अनुसार, कंपनियां करीब 1,600 करोड़ रुपये जुटाने की तैयारी में हैं। इनमें एचडी फायर प्रोटेक्ट, फ्यूजन सीएक्स, सहजानंद मेडिकल टेक्नोलॉजीज, रविता इंजीनियरिंग सर्विसेज और वैभव व्यापार शामिल हैं। इनमें तीन कंपनियों के इश्यू मेनबोर्ड और दो के एसएमई प्लेटफॉर्म पर हैं।, एचडी फायर प्रोटेक्ट का 712 करोड़ रुपये का आईपीओ 13 से 15 अक्टूबर तक खुलेगा। इसका प्राइस बैंड 258 से 271 रुपये प्रति शेयर है और लॉट साइज 55 शेयरों का है। यह पूरी तरह ऑफर फॉर सेल (ओएफएस) है। वर्ष 1997 में स्थापित कंपनी अग्निशमन उपकरण और सुरक्षा प्रणालियां बनाती है। इसके उत्पाद 90 से अधिक देशों में निर्यात किए जाते हैं। वित्त वर्ष 2026 में कंपनी का राजस्व 489.28 करोड़ रुपये और मुनाफा 116.79 करोड़ रुपये रहा। फ्यूजन सीएक्स का 702 करोड़ रुपये का आईपीओ 14 से 16 अक्टूबर तक खुलेगा। इसका प्राइस बैंड 275 से 289 रुपये प्रति शेयर और लॉट साइज 51 शेयरों का है। इसमें 500 करोड़ रुपये के फ्रेश शेयर और 202 करोड़ रुपये का ओएफएस शामिल है। कंपनी ग्राहक सहायता, बिजनेस प्रोसेस और डिजिटल सेवाएं देती है। जून 2026 तक इसके 13 देशों में 40 डिलीवरी सेंटर थे। सहजानंद मेडिकल टेक्नोलॉजीज का आईपीओ 15 से 19 अक्टूबर तक खुलने का कार्यक्रम है। इसमें 2.76 करोड़ शेयरों की बिक्री ओएफएस के जरिए होगी। कंपनी ने अभी प्राइस बैंड घोषित नहीं किया है। वर्ष 2001 में स्थापित कंपनी कोरोनरी स्टेंट, बैलून और अन्य चिकित्सा उपकरण बनाती है।



भारत में सस्ता हो सकता है स्टारलिंक इंटरनेट, मस्क बोले- कॉम्पिटिशन का फायदा यूजर्स को मिलेगा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। इलॉन मस्क की सैटेलाइट इंटरनेट सेवा स्टारलिंक की भारत में लॉन्चिंग और कीमतों को लेकर चर्चा तेज हो गई है। मस्क ने संकेत दिया है कि भारतीय बाजार में प्रतिस्पर्धा बढ़ने से ग्राहकों को फायदा मिल सकता है। भारत में मोबाइल इंटरनेट की कम कीमतों के बीच स्टारलिंक के लिए अपनी सेवाओं को किफायती बनाना बड़ी चुनौती होगी। कंपनी की लॉन्चिंग में देरी को लेकर मस्क पहले भी सोशल मीडिया पर अपनी नाराजगी जाहिर कर चुके हैं और रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी पर निशाना साध चुके हैं मस्क का तर्क है कि स्टारलिंक दूरदराज के उन इलाकों में इंटरनेट पहुंचा सकती है, जहां मोबाइल नेटवर्क और पारंपरिक ब्रॉडबैंड की सुविधा सीमित है। इससे वंचित क्षेत्रों के बच्चों को ऑनलाइन शिक्षा और छोटे कारोबारियों को वैश्विक बाजार तक पहुंचने में मदद मिल सकती है। हालांकि, भारत में इसकी वास्तविक कीमत और सेवा शुरू होने की तारीख को लेकर अभी स्पष्टता जरूरी है। स्टारलिंक की भारत में लॉन्चिंग में हो रही देरी के बीच मस्क सोशल मीडिया पर मुकेश अंबानी की आलोचना करते रहे हैं। हाल ही में उन्होंने एक पोस्ट में अंबानी को 'प्राइम मिनिस्टर अंबानी' कहकर तंज कसा था। इस टिप्पणी के जरिए उन्होंने भारतीय दूरसंचार बाजार में प्रतिस्पर्धा और प्रभाव को लेकर अपनी बात रखी। मस्क के अनुसार, स्टारलिंक के आने से बाजार में प्रतिस्पर्धा बढ़ेगी और इसका फायदा ग्राहकों को मिल सकता है। हालांकि, भारत में पहले से सस्ते मोबाइल डेटा प्लान उपलब्ध हैं। ऐसे में स्टारलिंक को ग्राहकों के बीच जगह बनाने के लिए अपनी कीमत और सेवा की उपयोगिता पर ध्यान देना होगा। भारत में कई उपभोक्ताओं को लगभग 300 से 400 रुपये महीने में मोबाइल डेटा मिलता है। दूसरी ओर, दिए गए विवरण में दूसरे देशों में स्टारलिंक की मासिक कीमत करीब 2,200 रुपये बताई गई है। इस अंतर के कारण सवाल उठ रहा है कि भारत में कितने ग्राहक सैटेलाइट इंटरनेट के लिए अधिक कीमत चुकाना पसंद करेंगे। खासकर उन क्षेत्रों में, जहां मोबाइल नेटवर्क पहले से ठीक काम कर रहा है। ससस जियो को मिलेगी चुनौती या दूरदराज के इलाकों में बनेगा नया विकल्प?



चीफ इलेक्शन कमिश्नर ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर यमुना नदी के निगमबोध घाट पर ज़बरदस्त प्रदर्शन!

महानगर मेट्रो ब्यूरो

दिल्ली। देश की राजधानी दिल्ली में चीफ इलेक्शन कमिश्नर ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग और वोटर लिस्ट में बदलाव के विवाद को लेकर चल रहे आंदोलन अब बिल्कुल अनोखे और विवादित मोड़ लेने लगे हैं। दिल्ली के इतिहास में पहली बार, प्रोटेस्ट के तहत यमुना नदी के पवित्र और मशहूर निगमबोध घाट पर एक अनोखा और अनोखा प्रोटेस्ट किया गया, जिससे राजनीतिक गलियारों में काफ़ी गरमाहट आ गई है आमतौर पर दिल्ली में जंतर-मंतर या दूसरी सरकारी जगहों पर होने वाले प्रोटेस्ट के खिलाफ पुलिस सिस्टम की तरफ से भारी सिक्योरिटी का इंतज़ाम किया जाता है और लोगों को हिरासत में लेने का सिलसिला चलता है। इन कड़े सिक्योरिटी इंतज़ामों और पाबंदियों से बचकर प्रोटेस्ट करने वालों ने अनोखा तरीका अपनाया। युवा और प्रोटेस्ट करने वाले यमुना नदी के किनारे निगमबोध घाट पर जमा हुए और सरकार और इलेक्शन कमीशन की पॉलिसी के खिलाफ नारे लगाए। प्रदर्शनकारियों का मानना ??था कि अगर संवैधानिक संस्थाओं की निष्पक्षता को खतरा होता है, तो लोकतंत्र के 'अंतिम संस्कार' जैसी स्थिति बन जाती है, और इसीलिए इस प्रतीकात्मक जगह को चुना गया। पूरे देश और खासकर दिल्ली में, पिछले कुछ दिनों से अलग-अलग सामाजिक संगठनों, युवा नेताओं और विपक्षी पार्टियों ने चीफ कमिश्नर ज्ञानेश कुमार के खिलाफ मोर्चा खोल रखा है। आरोप लगाया जा रहा है कि चुनाव प्रक्रिया और वोटर लिस्ट की पारदर्शिता पर गंभीर सवाल उठाए जा रहे हैं, निगमबोध घाट पर इस अनोखे विरोध ने प्रशासन की चिंताएं और बढ़ा दी हैं।



महाराष्ट्र की तरह गुजरात के सूखा प्रभावित इलाकों को भी सूखा प्रभावित घोषित करें! किसानों के हित में राघवजी पटेल मैदान में उतरे

महानगर मेट्रो ब्यूरो

महाराष्ट्र। गुजरात में इस साल मॉनसून सीजन में उम्मीद से बहुत कम और असमान बारिश हुई है, जिससे खासकर सौराष्ट्र और कच्छ के किसानों के लिए बहुत बड़ी मुसीबत खड़ी हो गई है। खेतों में पानी की कमी से फसलें सूख रही हैं और दुनिया आर्थिक बर्बादी की कगार पर है। इस गंभीर हालात के बीच जामनगर ग्रामीण के रूऔर पूर्व कृषि मंत्री राघवजी पटेल किसानों और पशुपालकों की मदद के लिए आगे आए हैं और सरकार के सामने एक मजबूत बात रखी है। महाराष्ट्र सरकार की तरह ही गुजरात के सूखा प्रभावित तालुकों को तुरंत 'सूखा प्रभावित' घोषित करने और एक खास राहत पैकेज देने की जोरदार मांग की है। सरकारी आंकड़े ही मॉनसून की नाकामी दिखा रहे हैं। आंकड़ों के मुताबिक, देवभूमि द्वारका में सिर्फ़ 16.45 परसेंट, पोरबंदर में 30 परसेंट, जामनगर में 43 परसेंट और कच्छ ज़िले में लगभग 57.60 परसेंट बारिश हुई है। बारिश की कमी से सिंचाई और पीने के पानी की गंभीर समस्या पैदा हो गई है। महंगे बीज, खाद और मेहनत से बोई गई फसलें हमारी आंखों के सामने जल रही हैं, जिससे किसानों को करोड़ों रुपये का आर्थिक नुकसान हुआ है। रूराघवजी पटेल ने ज़िले के किसानों और पशुपालकों की परेशानी को ध्यान में रखते हुए सरकार का ध्यान खींचा है। उन्होंने मुख्यमंत्री और संबंधित विभागों के सामने एक प्रेजेंटेशन दिया है और मांग की है किरूफसल खराब होने से कर्जदार हो चुके किसानों के लिए एक खास आर्थिक राहत पैकेज की घोषणा की जाए। खेती के लिए ज़रूरी बिजली सप्लाई और सिंचाई का पानी प्राथमिकता के आधार पर दिया जाए।

जिग्नेश मेवाणी के परिवार के खिलाफ़ भद्दे कमेंट्स से भूचाल, गोपाल इटालिया ने BJP नेताओं को धो डाला

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गांधीनगर। गुजरात की पॉलिटिक्स में इन दिनों घटिया कमेंट्स और पर्सनल इल्ज़ामों ने सारी हदें पार कर दी हैं। सोशल मीडिया पर कांग्रेस के गुस्सैल MLA जिग्नेश मेवाणी के परिवार और खासकर उनकी बहन और मां के खिलाफ़ किए गए बहुत ही घटिया, गंदे और अश्लील कमेंट्स ने पॉलिटिकल गलियारों में बड़ी आग लगा दी है। इस शर्मनाक हरकत के खिलाफ़ पूरे राज्य की पॉलिटिक्स में गुस्से का माहौल है, जब आम आदमी पार्टी के नेता गोपाल इटालिया मैदान में उतरे और BJP नेताओं और उनकी पॉलिटिक्स पर ऐसे हमले किए कि रूलिंग पार्टी के होश उड़ गए हैं! मिली जानकारी के मुताबिक, BJP से जुड़े नेता धवल दवे ने रूजिग्नेश मेवाणी के परिवार, मां और बहन के बारे में बहुत ही अभद्र और गंदी भाषा का इस्तेमाल करते हुए सोशल मीडिया पर एक पोस्ट वायरल किया था। इस बिगड़ी हुई मानसिकता से नाराज जिग्नेश मेवाणी ने कमलम और सत्ता में बैठे लोगों पर गंभीर आरोप लगाए और कहा कि विरोधियों को बदनाम करने के लिए सोशल मीडिया पर ऐसे गंदे मैसेज वायरल करना BJP की सोची-समझी साजिश है। इस मामले में तुरंत FIR दर्ज करने और आरोपियों को गिरफ्तार करने की मांग करते हुए जिग्नेश मेवाणी और कांग्रेस के पुराने नेता अमित चावड़ा समेत नेताओं ने गांधीनगर के सेक्टर-21 पुलिस स्टेशन के बाहर रात भर विरोध प्रदर्शन किया और पुलिस प्रशासन को परेशान किया। इस गंभीर विवाद के बीच AAP' नेता गोपाल इटालिया सामने आए और BJP की मानसिकता पर हमला बोला। गोपाल इटालिया ने BJP नेताओं पर तीखा हमला करते हुए कहा, 'जब कोई नेता मैदान में विचारधारा या राजनीतिक लड़ाई में मुकाबला नहीं कर पाता, तो उसकी बिगड़ी हुई सोच अपने परिवार की महिलाओं और बहनों पर हमला करने पर मजबूर हो जाती है।

अहमदाबाद शहर के साउथ ज़ोन में मौजूद बेहरामपुरा वार्ड के संतोषनगर चामुंडा माता चौक की चाली में अनोखा डेवलपमेंट देखिए

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। पिछले काफी समय से बेहरामपुरा वार्ड के संतोषनगर चामुंडा माता चौक की चाली इलाके में सरकार और AMC दोनों की तरफ से पीने का पानी नहीं दिया जा रहा है। संतोषनगर के लोकल लोगों का सरकार और AMC से एक सवाल है। संतोषनगर में समय के हिसाब से दोनों टाइम पीने का पानी नहीं दिया जा रहा है। हमारे इलाके संतोषनगर के बगल में रूष्ट की पानी की टंकी है और उसके बगल में रिवरफ्रंट नदी है। फिर भी, हमारे इलाके संतोषनगर में दोनों टाइम पीने के पानी के लिए दिक्कतें आ रही हैं। हम भारत के नागरिक हैं। हमारे इलाके संतोषनगर के सभी लोकल लोगों ने AMC से सवाल किया है कि अगर हमें दो दिन में समय पर पीने का पानी नहीं मिला, तो हम संतोषनगर के सभी लोकल लोगों की तरफ से AMC ऑफिस पर विरोध और प्रदर्शन करेंगे। सरकार और AMC से भारत के हर नागरिक तक बेसिक सुविधाओं का मुद्दा उठाना हमारा फंडामेंटल राइट है।



खस्ताहाल सड़कों और माइनिंग माफिया की मनमानी के खिलाफ कर्जन कांग्रेस का अनोखा हथियार

अब जनता सिग्नेचर कैंपेन चलाकर उठाएगी अपनी आवाज, जबरन वसूली के आरोपों से प्रशासन में खलबली !

कर्जन में खस्ताहाल सड़कों और ओवरलोडिंग के खिलाफ कांग्रेस का हस्ताक्षर अभियान

सड़कों पर गड्ढे, धूल और ओवरलोड वाहन; कर्जन में कांग्रेस ने शुरू किया जन-अभियान



महानगर मेट्रो ब्यूरो/पवन माकन

वडोदरा। जिले के कर्जन तालुका में सड़कों की बेहद खस्ताहाल हालत और माइनिंग माफिया की खुली मनमानी के खिलाफ जनता का गुस्सा अब चरम पर पहुंच गया है। अब कर्जन कांग्रेस ने इलाके की सड़कों पर बड़े-बड़े गड्ढे और धूल से तंग आ चुकी जनता के लिए संघर्ष का एक नया और अनोखा हथियार उठाया है। प्रशासन की गहरी नींद को जगाने के लिए कांग्रेस ने एक बड़ा सिग्नेचर कैंपेन (हस्ताक्षर अभियान) शुरू किया है, जिसमें हजारों स्थानीय नागरिक शामिल होकर प्रशासन के प्रति अपना विरोध दर्ज करा रहे हैं।

अनियंत्रित रेत खनन और सड़कों और रास्तों पर गंदगी फैला रहे ओवरलोड वाहन

स्थानीय निवासियों के अनुसार, तालुका में नदियों और नालों से भू-माफियाओं और रेत खनन करने वालों द्वारा अनियंत्रित और अवैध तरीके से रेत का खनन किया जा रहा है। इस रेत से दिन-रात चलने वाले ओवरलोडेड डंपर और ट्रकों की वजह से लाखों-करोड़ों रुपये की लागत से बनी सड़कें कुछ ही समय में बहकर भयानक गड्ढे में बदल जाती हैं। इन टूटी-फूटी सड़कों की वजह से अक्सर छोटे-बड़े हादसे होते रहते हैं, जिनमें कई बेगुनाह गाड़ी चलाने वालों की जान चली गई है या उन्हें गंभीर चोटें आई हैं।

ओवरलोड वाहनों पर रोक लगाने की मांग

कर्जन कांग्रेस ने खस्ताहाल सड़कों और रेत से भरे ओवरलोड डंपरों की आवाजाही के खिलाफ हस्ताक्षर अभियान शुरू किया है। कांग्रेस ने सड़कों की मरम्मत, अवैध खनन की जांच और जिम्मेदारों पर कार्रवाई की मांग करते हुए चेतावनी दी है कि समाधान नहीं होने पर आंदोलन किया जाएगा

पुलिस और ट्रैफिक सिस्टम पर सवालः 'हफ्ता राज' की वजह से आंखें मूंदे?

जिले के बड़े पुलिस अधिकारी, जिला ट्रैफिक पुलिस और माइंस एंड मिनरल्स डिपार्टमेंट इस पूरे काले कारनामे के खिलाफ कोई ठोस कार्रवाई नहीं कर रहा है। सूत्रों से मिली चौंकाने वाली जानकारी के मुताबिक, माइनिंग माफिया और ओवरलोडेड ड्राइवरों की कथित 'हफ्ता राज' और सेटिंग की वजह से जिम्मेदार अधिकारी चुप्पी साधे बैठे हैं। अगर पुलिस या ट्रैफिक ब्रिगेड चाहती तो एक भी ओवरलोडेड गाड़ी सड़क पर नहीं चल सकती थी, लेकिन गंभीर आरोप लग रहे हैं कि आर्थिक फायदे के लिए नागरिकों की जान दांव पर लगाई जा रही है।

आम जनता साइन करके विरोध करेगीः अब आर-पार की लड़ाई है!

सत्ताधारी पार्टी और प्रशासन की लापरवाही के खिलाफ कर्जन कांग्रेस अब जनता की अदालत में पहुंच गई है। हर गांव और मुख्य चौराहे पर सिग्नेचर कैंपेन चलाकर लोगों के सिग्नेचर इकट्ठा किए जा रहे हैं, जिन्हें प्रशासन और राज्य सरकार के सामने हाई लेवल पर पेश किया जाएगा। प्रदर्शन कर रहे नेताओं ने साफ चेतावनी दी है कि अगर ओवरलोडेड गाड़ियों पर तुरंत रोक नहीं लगाई गई और टूटी-फूटी सड़कों को फिर से नहीं बनाया गया तो आने वाले दिनों में चक्का जाम और उग्र आंदोलन किया जाएगा।

विदेश भेजने के नाम पर ठगी करने वाला ठग आखिरकार पकड़ा गयाः वटवा GIDC पुलिस ने राजगढ़ थाने के जुर्म में फरार चल रहे अलकेश उर्फ आयुष पटेल को पकड़ा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। वटवा GIDC पुलिस ने पंचमहल जिले के राजगढ़ थाने में दर्ज करोड़ों/लाखों की ठगी के एक गंभीर जुर्म में लंबे समय से फरार चल रहे शातिर आरोपी को पकड़कर कानून का वास्ता दिया है। मिली जानकारी के मुताबिक, आरोपी अलकेश उर्फ आयुष पटेल ने युवाओं को विदेश में अच्छी सैलरी वाली नौकरी और वीजा दिलाने का झांसा दिया था। भोले-भाले युवाओं से वीजा और प्रोसेसिंग फीस के नाम पर लाखों रुपये ऐंठने के बाद आरोपी अचानक गायब हो गया। जब युवाओं को एहसास हुआ कि उनके साथ धोखा हुआ है, तो पंचमहल के राजगढ़ पुलिस स्टेशन में आरोपी के खिलाफ धोखाधड़ी और भरोसा तोड़ने की गंभीर धाराओं में केस दर्ज किया गया क्राइम करने के बाद, आरोपी अलकेश उर्फ आयुष पटेल पुलिस की पकड़ से बचने के लिए लगातार अपनी लोकेशन बदल रहा था। इसी बीच, अहमदाबाद के वटवा GIDC पुलिस स्टेशन की टीम को खास प्राइवेट जानकारी मिली कि राजगढ़ पुलिस स्टेशन का फरार आरोपी इलाके में छिपा हुआ है। जानकारी के आधार पर, पुलिस ने तुरंत रेड की और अलकेश उर्फ आयुष पटेल को गिरफ्तार कर लिया। वटवा GIDC पुलिस ने आरोपी को हिरासत में ले लिया है और आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए उसे पंचमहल की राजगढ़ पुलिस को सौंपने की योजना बना रही है। पुलिस जांच में चौंकाने वाले खुलासे होने की संभावना है कि इस धोखेबाज ने और कितने युवाओं को निशाना बनाया है और उसने कितने पैसे ठगे हैं।



'यह पत्रकारिता के लिए भी इमरजेंसी है': दिल्ली में विरोध प्रदर्शन और हिरासत के खिलाफ कॉकरोच जनता पार्टी की धमाकेदार प्रेस कॉन्फ्रेंस

महानगर मेट्रो ब्यूरो

दिल्ली। कल दिल्ली में अलग-अलग मुद्दों पर हुए विरोध प्रदर्शनों, चीफ इलेक्शन कमिश्नर के इस्तीफे की मांग और उसके बाद पुलिस द्वारा हिरासत में लिए गए लोगों की तीखी राजनीति के बीच, 'कॉकरोच जनता पार्टी' ने आज एक अहम प्रेस कॉन्फ्रेंस की। पार्टी नेताओं ने BJP सरकार पर सीधा और तीखा हमला किया है, और आरोप लगाया है कि वह विपक्ष की आवाज दबाने के लिए देश में इमरजेंसी जैसे हालात बना रही है।

पत्रकारों के साथ बदसलूकी और हिंदुत्व ग्रुप्स द्वारा मारपीट के गंभीर आरोप

पार्टी के को-कन्वीनर आशुतोष रांका और प्रवक्ता सौरव दास ने प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए कल की घटनाओं की लिस्ट पेश की। प्रवक्ता सौरव दास ने सत्ताधारी पार्टी पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि विरोध को कुचलने के लिए हिंदुत्व ग्रुप्स को



मौके पर बुलाया गया और प्रदर्शनकारियों पर हमला किया और मारपीट की। इसके अलावा, उन्होंने घटना को कवर कर रहे मीडिया और स्वतंत्र पत्रकारों के साथ अभद्र और हिंसक बदसलूकी का भी कड़ा विरोध किया। 'सरकार ने आज़ाद पत्रकारिता पर जंग छेड़ दी है' प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान गुस्से के बीच सौरव दास ने साफ शब्दों में कहा, 'जब आज़ाद पत्रकारों ने देश के युवाओं के आंदोलन को सच्ची और बिना भेदभाव के कवरेज देने की कोशिश की, तो सरकार ने उन पर भी जंग छेड़ दी है। यह सिर्फ प्रदर्शनकारियों पर जुल्म नहीं है, बल्कि देश में पत्रकारिता के लिए भी समय आ गया है। 'कॉकरोच जनता पार्टी के नेताओं ने धमकी दी कि पुलिस या प्रशासन की दादागिरी और हिरासत से युवाओं और नागरिकों की आवाज़ नहीं दबेगी। चुनाव आयोग की आज़ादी और नागरिक अधिकारों के मुद्दे पर लड़ाई जारी रहेगी और आने वाले दिनों में इस विरोध को और तेज़ किया जाएगा।

करोड़ों के भविष्य से खिलवाड़ करने वाला एक बड़ा नकल कांड GT के चार इंजीनियरिंग कॉलेजों में CCTV में कैद हो गया!

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गुजरात में शिक्षा का धंधा और 'पैसे फेंको, डिग्री हथियाओ' की पॉलिसी अब सारी हदें पार कर चुकी है। पहले भी कागज़ पर नकली डिग्री बेचने के स्कैम कई बार सामने आए थे, जिसमें डिग्री असली होने पर भी कहीं दिखाई नहीं जाती थी क्योंकि वेरिफिकेशन प्रोसेस में गड़बड़ थी। लेकिन अब इन स्कैमर्स ने इसका भी बड़ा 'तोड़' ढूंढ लिया है! अब कागज़ भी असली, लिखे हुए जवाब भी सही और डिग्री भी पूरी तरह ओरिजिनल, बस शर्त यह है कि स्टूडेंट्स को एग्जाम हॉल में बिना किसी रोक-टोक के नकल करने की पूरी आज़ादी दी जाए! गुजरात टेक्नोलॉजिकल यूनिवर्सिटी की परीक्षाओं में सामने आए इस काले कारनामे को देखकर पूरा शिक्षा जगत हिल गया है। CCTV ने पकड़ी सच्चाईः आंसर शीट में एक जैसी लिखावट बनी खुलासे की वजह पूरे स्कैंडल की डिटेल्स के मुताबिक, त्रज्ञ की तरफ से हुई परीक्षाएं खत्म होने के बाद जब आंसर शीट्स की जांच हो रही थी, तो एक्सपर्ट्स ने एक गंभीर मामला देखा। अलग-अलग स्टूडेंट्स की आंसर शीट्स में जवाब काफी मिलते-जुलते पाए गए और एक ही सिटिंग में लिखे गए थे। शक होते ही यूनिवर्सिटी एडमिनिस्ट्रेशन ने सख्त कदम उठाए और परीक्षा सेंटर्स के CCTV फुटेज की डिटेल्ड जांच शुरू कर दी। जब ये फुटेज स्क्रीन पर आए, तो एडमिनिस्ट्रेशन के भी होश उड़ गए! कैमरे में साफ दिख रहा था कि परीक्षा रूम में खुलेआम चोरी चल रही थी। स्टूडेंट्स खुलेआम एक-दूसरे को नोट्स या लिटरेचर दे रहे थे, तो कुछ जवाब लिखने के लिए मोबाइल फोन का खुलेआम इस्तेमाल कर रहे थे। शिक्षा के मंदिर में, जिसे ज्ञान का घर माना जाता है, एग्जामिनर्स की मिलीभगत या लापरवाही से यह नंगा नाच हो रहा था।

वीडियो बनाया और बाद में लड़की की बड़ी बहन को भगा दिया! गांधीग्राम पुलिस ने आरोपी को मुंबई से गिरफ्तार किया है

महानगर मेट्रो ब्यूरो

राजकोट। भोमेश्वर इलाके से इंसानियत और रिश्तों को शर्मसार करने वाली बेहद खौफनाक और चौंकाने वाली घटना सामने आई है। महेश सिंह नाम का एक व्यक्ति, जो नेपाली मूल का है और भोमेश्वर क्षेत्र में रहता है, के खिलाफ यह मामला सामने आया है कि उसने अपनी पत्नी मंजू की सहमति और उपस्थिति में 14 वर्षीय लड़की के साथ बलात्कार किया। इतना ही नहीं इस दिल दहला देने वाली घटना के बाद नराधम ने आरोपी सगीरा की बड़ी शादीशुदा बहन को भी भगा दिया. गांधीग्राम पुलिस ने पूरे मामले में तीखी कार्रवाई करते हुए कानून का शिकंजा कसते हुए मुख्य आरोपी को मुंबई से गिरफ्तार कर लिया है.

एडपालन और उनकी पत्नी ने कार में बनाया वीडियोः सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद फूटा बर्तन

खबरों के मुताबिक, आरोपी महेश सिंह 14 साल की नाबालिग को कार में ले गया था. कार



के अंदर जब महेश सिंह सगीरा से छेड़खानी कर रहा था तो उसकी पत्नी मंजू भी वहां मौजूद थी. हैवानियत की हद तो तब पार हो गई जब पत्नी मंजू ने पति को रोकने की बजाय इस शर्मनाक हरकत का वीडियो अपने मोबाइल फोन से बना लिया. बाद में जैसे ही यह वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ तो पूरी खौफनाक घटना का खुलासा हो गया और लड़की पर हुए अत्याचार की सच्चाई सामने आ गई.

नाबालिग से दरिंदगी के बाद अपनी ही बड़ी बहन का अपहरण!

वारदात और मारपीट करने के बाद भी इस आरोपी का अपराध नहीं भरा। इलाके में उस वक्त बड़ी सनसनी मच गई जब उसकी नजर सगीरा की बड़ी शादीशुदा बहन पर पड़ी और उसने उसे अपने जाल में फंसा लिया. एक ही परिवार की दो बेटियों की जिंदगी से खिलवाड़ करने वाले इस दंपत्ति की करतूत के खिलाफ लोगों में काफी आक्रोश था.

गांधीग्राम पुलिस में POCSO के तहत अपराधः आरोपी को मुंबई से पकड़ा गया

घटना की गंभीरता को देखते हुए गांधीग्राम थाने में पति महेश सिंह और पत्नी मंजू के खिलाफ पॉक्सो एक्ट और अन्य गंभीर धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया. वारदात को अंजाम देने के बाद मुख्य आरोपी महेश सिंह फरार हो गया. हालाँकि, गांधीग्राम पुलिस टीम ने तकनीकी निगरानी और विशिष्ट निजी जानकारी के आधार पर आरोपी को मुंबई में स्थित कर लिया। सूचना मिलते ही पुलिस ने तुरंत मुंबई में छापेमारी कर नराधम महेश सिंह को गिरफ्तार कर लिया और राजकोट लाने की कोशिश कर रही है.

अमेरिका और रूस के बीच मेगा डील का धमाकाः डोनाल्ड ट्रंप ने रूस से बड़ी मात्रा में डीज़ल खरीदने का ऐलान किया

महानगर मेट्रो ब्यूरो

दिल्ली। ग्लोबल पॉलिटिक्स के मंच से एक बहुत ही चौंकाने वाली और सनसनीखेज खबर सामने आई है। अमेरिकी प्रेसिडेंट डोनाल्ड ट्रंप और रूसी प्रेसिडेंट व्लादिमीर पुतिन के बीच टेलीफोन पर हुई बातचीत के बाद हुई सीक्रेट या अहम डील ने पूरी दुनिया में हलचल मचा दी है। अब तक कट्टर दुश्मन माने जाने वाले अमेरिका और रूस के बीच इस अचानक हुए समझौते के तहत, रूस अब अमेरिका और ग्लोबल मार्केट को लाखों टन डीज़ल सप्लाई करेगा। एक तरफ ट्रंप के इस मास्टरस्ट्रोक से अमेरिका में चुनाव के दौरान फ्यूल की कीमतों में कमी की उम्मीद जगी है, वहीं दूसरी तरफ यूक्रेन भड़क गया है और उसने पूरी डील पर कड़ा विरोध जताया है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'ट्रुथ सोशल' पर एक धमाकेदार पोस्ट शेयर करते हुए अमेरिकी प्रेसिडेंट डोनाल्ड ट्रंप ने खुलासा किया है कि व्लादिमीर पुतिन के साथ सफल बातचीत के बाद रूस ने एक बड़ा फैसला लिया है। रूस अब तुरंत स और ग्लोबल मार्केट को 3 लाख मीट्रिक टन से ज्यादा डीज़ल सप्लाई करने के लिए पूरी तरह तैयार हो गया है। बात यहीं खत्म नहीं होती, ट्रंप ने आगे बताया है कि मॉस्को आने वाले समय में इस सप्लाई को बढ़ाएगा। प्लान के मुताबिक, रूस नवंबर में और 5 लाख मीट्रिक टन डीज़ल सप्लाई करेगा और फिर अलग-अलग स्टेज में 1 मिलियन (10 लाख) मीट्रिक टन डीज़ल सप्लाई करेगा। पॉलिटिकल जानकारों के मुताबिक, डोनाल्ड ट्रंप एडमिनिस्ट्रेशन के इस कदम के पीछे असली वजह 3 नवंबर को होने वाले अहम मिडटर्म चुनाव हैं।

संपूर्ण क्रांति से सर्वांगीण विकास तक देश को ले जाने के लिए लोकनायक जयप्रकाश नारायण के विचारों पर चलना आवश्यक

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। लोकनायक जयप्रकाश अंतर्राष्ट्रीय अध्ययन विकास केन्द्र द्वारा लोकनायक जयप्रकाश नारायण जी की 124वीं जयंती के अवसर पर नई दिल्ली स्थित जे.पी. स्मृति पार्क में एक भव्य एवं गरिमामय समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित जगदुरु स्वामी चक्रपाणि जी महाराज ने लोकनायक जयप्रकाश नारायण जी को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए स्पष्ट किया कि देश को संपूर्ण क्रांति से सर्वांगीण विकास की दिशा में आगे ले जाने के लिए उनके विचारों, आदर्शों और सिद्धांतों को आत्मसात करना अनिवार्य है। स्वामी चक्रपाणि जी महाराज ने अपने ओजस्वी संबोधन में कहा कि लोकनायक जयप्रकाश नारायण जी केवल एक महान स्वतंत्रता सेनानी और जननेता ही नहीं थे, बल्कि वे सामाजिक, राजनीतिक, शैक्षिक और नैतिक परिवर्तन के प्रबल पक्षधर थे। उनकी संपूर्ण क्रांति का उद्देश्य महज सत्ता परिवर्तन नहीं, बल्कि व्यवस्था में सकारात्मक बदलाव लाकर समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास का लाभ पहुँचाना था। उन्होंने सत्तासीन वर्ग को सचेत करते हुए कहा कि सत्ता जनता की देन है और इसका मूल उद्देश्य जनहित होना चाहिए। यदि सत्ता में बैठे लोग जनता की समस्याओं की अनदेखी करते हैं, तो उन्हें लोकनायक के संघर्षों से सीख लेनी चाहिए, क्योंकि लोकतंत्र में जनता ही सर्वोपरि है। कार्यक्रम के दौरान घोषणा की गई कि अगले वर्ष लोकनायक जयप्रकाश नारायण जी की 125वीं जयंती तक संस्था का अपना स्थायी कार्यालय साहित्यिक पुस्तकालय स्थापित करने का लक्ष्य रखा जाएगा। स्वामी चक्रपाणि जी ने कहा कि संस्था को एक ऐसे वैचारिक केंद्र के रूप में विकसित किया जाए जहाँ जे.पी. के जीवन, संघर्ष और विचारों से संबंधित साहित्य उपलब्ध हो, जिसे देश-दुनिया के कोने-कोने तक पहुँचाया जा सके। उन्होंने कहा कि युवाओं को केवल व्यक्तिगत सफलता तक सीमित न रहकर राष्ट्र और लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति अपनी जिम्मेदारी समझनी होगी।



अहमदाबाद के ओधव में चौंकाने वाली घटनाः छेड़छाड़ का विरोध करने वाले युवक की सरेआम बेरहमी से हत्या

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। शहर के ओधव इलाके से एक बहुत ही चौंकाने वाली और खूनी घटना सामने आई है। नाबालिग से छेड़छाड़ के लिए डांटने वाले 28 साल के युवक अजीत ठाकोर की बेरहमी से हत्या कर दी गई है। इस बेरहमी से किए गए हमले से पूरे ओधव इलाके में भारी हंगामा मच गया है और स्थानीय लोगों में भयंकर गुस्सा फैल गया है। मिली जानकारी के मुताबिक, अजीत ठाकोर ओधव गांव में पानी की टंकी के पास जोगनी माता मंदिर के मंडप में लाइटिंग और डेकोरेशन का काम कर रहा था। इसी बीच, छेड़छाड़ की पिछली घटना को ध्यान में रखते हुए तीन लोग वहां पहुंचे। आरोपियों ने अजीत के पहले के विरोध और डांट का बदला लेने के इरादे से अचानक अजीत पर हमला कर दिया। खून-खराबा करने के इरादे से आए हमलावरों ने अजीत पर लाठी-डंडों और धारदार हथियारों से अंधाधुंध हमला किया।ठ्ठ मंदिर परिसर में हुई इस हिंसक घटना में अजीत ठाकोर को गंभीर और जानलेवा चोटें आईं। हमले के बाद हमलावर भाग गए। अजीत को गंभीर हालत में इलाज के लिए ले जाया गया, लेकिन इलाज से पहले ही उसकी मौत हो गई। जवान बेटे की हत्या से परिवार में मातम छा गया है। एक नाबालिग से छेड़छाड़ के खिलाफ आवाज उठाने वाले और अपना सामाजिक कर्तव्य निभाने वाले युवक की हत्या के बाद स्थानीय लोगों में भारी गुस्सा है। लोगों में चर्चा है कि अगर पुलिस ने पहले सख्त कार्रवाई की होती, तो शायद यह कीमती जान बच सकती थी। अब अहमदाबाद पुलिस के लिए मुख्य चुनौती तीनों फरार आरोपियों को जल्द से जल्द पकड़ना और पूरी जांच करके यह पता लगाना है कि इस हत्या में और कोई लोग शामिल तो नहीं हैं। पुलिस द्वारा आरोपी को गिरफ्तार करने के बाद ही इस मामले के सारे राज सामने आएंगे।

अहमदाबाद में चीफ इलेक्शन कमिश्नर के इस्तीफे की मांग को लेकर हंगामा, सीनियर राइटर प्रकाश एन. शाह ने गर्व से कहा

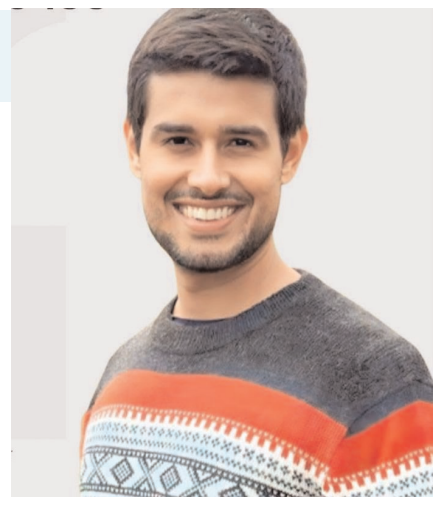
महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। गुजरात की धरती पर डेमोक्रेसी और नागरिक अधिकारों के मुद्दे पर एक बार फिर पॉलिटिक्स गरमा गई है। अहमदाबाद में चीफ इलेक्शन कमिश्नर के खिलाफ चल रहे हिंसक प्रोटेस्ट ने उस समय बड़ा मोड़ ले लिया जब पुलिस ने आकर उन्हें हिरासत में ले लिया। इस आंदोलन के बीच, राज्य के जाने-माने सीनियर राइटर, विचारक और सोशल एक्टिविस्ट प्रकाश एन. शाह के दिए गए बयान ने पूरे राज्य में बड़ा हंगामा खड़ा कर दिया है अहमदाबाद में हुए इस प्रोटेस्ट में डेमोक्रेटिक वैल्यू और संवैधानिक अधिकारों की रक्षा के लिए कई नेता और नागरिक सड़कों पर उतर आए। इस शांतिपूर्ण प्रोटेस्ट को दबाने के लिए पुलिस ने भारी फोर्स तैनात की और प्रोटेस्ट करने वालों को हिरासत में ले लिया। हिरासत में लिए गए लोगों में सीनियर गुजराती राइटर प्रकाश एन. शाह भी शामिल थे, जो कम उम्र में भी डेमोक्रेसी की रक्षा के लिए खाकी वर्दी के खिलाफ डटे रहे और सवाल उठाए। 'जब मैं इमरजेंसी के दौरान जेल गया था, तो मुझे कोई अंदाज़ा नहीं था...': प्रकाश एन. शाह का आरोप अपनी हिरासत और विरोध के दौरान मीडिया से बात करते हुए, प्रकाश एन. शाह ने मौजूदा हालात पर बहुत ही बोल्ड और तीखे अंदाज़ में हमला बोला। बीते दिनों के काले दिनों को याद करते हुए उन्होंने अपना दर्द बयां करते हुए कहा, 'जब मैं इमरजेंसी के दौरान जेल गया था, तो मुझे कोई अंदाज़ा नहीं था कि आज़ाद भारत में डेमोक्रेटिक वैल्यूज़ की यह हालत होगी और नागरिकों को अपने हक़ के लिए इस तरह लड़ना पड़ेगा।' उनका यह बयान मौजूदा पॉलिटिकल और एडमिनिस्ट्रेटिव सिस्टम पर सीधा व्यंग्य था, जो आज सोशल मीडिया से लेकर बुद्धिजीवियों तक में चर्चा का बड़ा टॉपिक बन गया है। चुनाव प्रोसेस और कमीशन की आज़ादी को लेकर पूरे देश और गुजरात में विपक्षी पार्टियों और सामाजिक संगठनों ने एक आक्रामक मोर्चा खोल दिया है। विरोध करने वाले नेताओं का आरोप है कि इलेक्शन कमीशन जैसी आज़ाद संवैधानिक संस्थाओं की निष्पक्षता पर सवाल उठाए जा रहे हैं। विरोध सिर्फ़ एक शहर तक सीमित नहीं है बल्कि अब यह एक बड़ा रूप ले रहा है।



मशहूर यूट्यूबर ध्रुव राठी को सुबह-सुबह घर में घुसकर 'किडनैप' करने का सनसनीखेज आरोप!

डेमोक्रेसी या डिक्टेटरशिप?



महानगर मेट्रो ब्यूरो

दिल्ली। देश की राजधानी दिल्ली में चीफ इलेक्शन कमिश्नर के विरोध और उससे पहले 'कोकरोच जनता पार्टी' की तरफ से किए गए विरोध प्रदर्शन को लेकर देशभर में हंगामा मचा हुआ है। इस बीच, देश के जाने-माने डिजिटल इन्फ्लुएंसर और यूट्यूबर ध्रुव राठी ने पुलिस कार्रवाई पर बहुत गंभीर और चौंकाने वाले आरोप लगाए हैं। गुरुग्राम में अपने घर से हिरासत में लिए जाने के बाद रिहा हुए ध्रुव राठी ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो शेयर किया है और दावा किया है कि यह कोई आम कानूनी हिरासत या गिरफ्तारी नहीं थी, बल्कि एक खुली 'किडनैपिंग' थी।

सुबह 7 बजे अचानक घर में घुस आए 20 से ज़्यादा लोगः ध्रुव राठी की कहानी

घटना के बारे में डिटेल में बताते हुए ध्रुव राठी ने कहा कि सुबह करीब 7 बजे पुलिस और सादे कपड़ों में करीब 20 लोग अचानक उनके घर में घुस आए। आरोपियों ने उनकी बुजुर्ग मां को धक्का दिया और सीधे उनके बेडरूम में घुस गए। बिना कोई लीगल नोटिस या अरेस्ट का कारण बताए, वे उसे ऐसे घसीटकर ले गए जैसे वह कोई बदनाम क्रिमिनल हो या कोई कुख्यात क्रिमिनल हो। हालात इतने भयानक थे कि उसे सादी चप्पल भी नहीं पहनने दी गई और ज़बरदस्ती घर से निकालकर किसी अनजान जगह पर ले जाया गया। इस दौरान, उसे अपने वकील से कॉन्टैक्ट भी नहीं करने दिया गया। पूरी घटना को याद करते हुए उसने कहा कि उसके शरीर पर भी इस खींचतान और ज़बरदस्ती और चोटों के निशान थे।

'यह अरेस्ट नहीं था, यह सीधा किडनैपिंग थी'

अपने खिलाफ हुई कार्रवाई को बहुत ज़्यादा गैर-संवैधानिक बताते हुए ध्रुव राठी ने सोशल मीडिया पर साफ शब्दों में लिखा, 'मुझे अरेस्ट या हिरासत में नहीं लिया गया, मुझे किडनैप किया गया था।' उसने दावा किया कि डेमोक्रेसी के नाम पर देश में अघोषित इमरजेंसी जैसे हालात बनाए जा रहे हैं। अगर देश के नागरिकों के साथ ऐसा हो सकता है, तो आम लोगों की सुरक्षा को लेकर भी एक बड़ा सवाल उठता है। देर रात/सुबह जल्दी रिहा होने के बाद उसने साफ कर दिया है कि उसने पुलिस को कोई लिखित गारंटी या अंडरटेकिंग नहीं दी है। दिल्ली में विरोध प्रदर्शन और पुलिस का महासरपंच जैसा रवैया गौरतलब है कि दिल्ली में जंतर-मंतर पर होने वाले विरोध प्रदर्शन और धरने के ऐलान के बाद एडमिनिस्ट्रेशन ने हाई अलर्ट घोषित कर दिया था। सुरक्षा व्यवस्था के तहत, विरोध कर रहे कई नेताओं, एक्टिविस्ट और यूट्यूबर्स को हिरासत में लिया गया। सरकार और पुलिस सिस्टम के इस सख्त रवैये के खिलाफ अब बुद्धिजीवियों और युवाओं में काफी गुस्सा है। एक तरफ सिस्टम कानून-व्यवस्था बनाए रखने की दलील दे रहा है, वहीं दूसरी तरफ विपक्ष की आवाज दबाने के लिए पावर के गलत इस्तेमाल के आरोप लग रहे हैं।

हॉस्पिटल में काम करने वाली महिला का बहन के बॉयफ्रेंड से रिश्ता भारी पड़ा, प्राइवेट वीडियो वायरल करने की धमकी देकर ब्लैकमेल करने वाले प्रेमी का पर्दाफाश

महान गर मेट्रो ब्यूरो

वडोदरा। शहर से प्यार, धोखा और ब्लैकमेलिंग का एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। हॉस्पिटल में काम करने वाली और पांच साल के मासूम बच्चे की मां महिला के लिए अपनी बहन के बॉयफ्रेंड से रिश्ता जानलेवा और शर्मनाक वजह बन गया। जब महिला इस टॉक्सिक रिश्ते से बाहर निकलना चाहती थी, तो बेईमान प्रेमी ने उसकी मजबूरी का फायदा उठाया और प्राइवेट फोटो और वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल करने की धमकी देकर उसे ब्लैकमेल करना शुरू कर दिया। आखिर में पीड़ित महिला ने हिम्मत दिखाई और अभयम 181 और पुलिस की मदद ली, और ब्लैकमेलर प्रेमी काबू से बाहर हो गया और उसे सारा डेटा डिलीट करने पर मजबूर होना पड़ा। बहन के बॉयफ्रेंड से अफेयर और फिर शुरू हुआ ब्लैकमेलिंग का खेल मिली जानकारी के मुताबिक, वडोदरा के एक हॉस्पिटल में काम करने वाली शादीशुदा महिला और पांच साल के बच्चे की मां एक ऐसे आदमी के कॉन्टैक्ट में आईं, जिसे उसकी बहन का बॉयफ्रेंड बताया जा रहा है। समय के साथ यह कॉन्टैक्ट लव अफेयर में बदल गया। लेकिन जब महिला को अपनी गलती का एहसास हुआ और उसने अपने परिवार और बच्चों के भविष्य को ध्यान में रखते हुए इस गलत रिश्ते को हमेशा के लिए तोड़ने का फैसला किया, तो असली खेल शुरू हुआ। जो महिला रिश्ता बनाने के लिए तैयार नहीं थी, उसने उसके पिछले करीबी पलों की फोटो और वीडियो वायरल करने की खुली धमकी देकर उसे मेंटली टॉर्चर करना शुरू कर दिया। एक तरफ पांच साल के बच्चे की मां और हॉस्पिटल में काम करने वाली महिला समाज में अपनी इज्जत बनाए रखने को लेकर उलझन में थी, तो दूसरी तरफ अपने प्रेमी की रोज-रोज की मेंटल टॉर्चर और ब्लैकमेलिंग से वह मेंटली टूट चुकी थी.

साइंस फैकल्टी के एक प्रोफेसर के खिलाफ पहले भी शिकायतों के बाद भी कोई एक्शन नहीं,

महानगर मेट्रो ब्यूरो

वडोदरा। दुनिया भर में मशहूर एम.एस. यूनिवर्सिटी की साइंस फैकल्टी में बड़ा हंगामा हुआ है। ज्ञान की नगरी मानी जाने वाली यूनिवर्सिटी में इसी फैकल्टी के एक प्रोफेसर के विवादित और गलत बर्ताव को लेकर स्टूडेंट कम्युनिटी में भारी गुस्सा है। प्रोफेसर के खिलाफ पहले भी कई गंभीर शिकायतें होने के बाद भी एडमिनिस्ट्रेशन ने आज तक कोई ठोस एक्शन नहीं लिया, जिससे यह विवाद और बढ़ गया है। अब इस मामले में =मैदान में उतर आई है और कैंपस में बिगुल फूंक दिया है। स्टूडेंट्स की सिक्योरिटी और एकेडमिक माहौल बनाए रखने के मुद्दे पर के वर्कर बड़ी संख्या में इकट्ठा होकर साइंस फैकल्टी के डीन के ऑफिस पहुंचे। कार्यकर्ताओं ने फैकल्टी परिसर में यूनिवर्सिटी एडमिनिस्ट्रेशन और संबंधित प्रोफेसर के खिलाफ नारे लगाए और जमकर विरोध प्रदर्शन किया। ने साइंस फैकल्टी के डीन को एक मेमोरेंडम दिया और कड़े शब्दों में मांग की पहले की गई सभी शिकायतों की निष्पक्ष जांच की जाए और तुरंत कानूनी और डिसिप्लिनरी एक्शन लिया जाए। क्योंकि प्रोफेसर का गलत व्यवहार अभी भी जारी है, इसलिए स्टूडेंट्स बहुत असुरक्षित महसूस कर रहे हैं, इसलिए उन्हें तुरंत एकेडमिक काम से हटाया जाए। अगर जल्द से जल्द सख्त एक्शन नहीं लिया गया, तो आंदोलन और तेज किया जाएगा। दूसरी ओर, पूरे मामले पर भारी गुस्से और विरोध के बीच साइंस फैकल्टी के डीन प्रो. वी. ए. करमरकर ने सफाई दी। उन्होंने कहा कि पिछले चार महीनों में संबंधित प्रोफेसर के खिलाफ मिली सभी शिकायतों को गंभीरता से लिया जा रहा है

सूरत में दागदार बर्तावः हर्ष पंक्य सुसाइड केस में दो महिला डॉक्टरों और आरोपियों की गिरफ्तारी से हंगाम

महानगर मेट्रो ब्यूरो

सूरत। का सिविल हॉस्पिटल एक बार फिर गंभीर विवाद और शर्मनाक घटना को लेकर सुर्खियों में आ गया है। मेडिकल जगत को हिला देने वाले हर्ष पंक्य सुसाइड केस में अब कानूनी पेंच सख्त होते जा रहे हैं। कथित रैगिंग और मेंटल टॉर्चर से तंग आकर एक युवा डॉक्टर को अपनी जान देनी पड़ी, जो पूरे एजुकेशन जगत और हेल्थ सिस्टम पर एक काला धब्बा है। अब पुलिस ने इस सेंसिटिव केस में बड़ा कदम उठाते हुए दो महिला डॉक्टरों को गिरफ्तार किया है, जिससे पूरे राज्य में भारी हंगामा मच गया है। टॉर्चर जिसने मजबूर किया आखिरी कदम उठाने पर रैगिंग के दानव ने एक और शिकार बना लिया मिली जानकारी के मुताबिक, सूरत के सिविल हॉस्पिटल में प्रैक्टिस या पढ़ाई से जुड़े हर्ष पंक्य ने कथित रैगिंग और लगातार मेंटल टॉर्चर से तंग आकर सुसाइड का आखिरी और बेहद दर्दनाक कदम उठा लिया। एक होनहार नौजवान को सुसाइड करने पर मजबूर करने वाला यह केस शुरू से ही दबी-दबी चर्चाओं का विषय रहा, लेकिन अब जैसे-जैसे जांच तेज हुई है, चौंकाने वाले खुलासे हुए हैं। एजुकेशनल इंस्टीट्यूशन और हॉस्पिटल में चल रहे करप्शन के सामने इस घटना ने एक बड़ा सवाल खड़ा कर दिया हैः क्या आने वाले डॉक्टर अब अपने जूनियर्स के दुश्मन बन जाएंगे? खटोदरा पुलिस की बड़ी कार्रवाईः दो महिला डॉक्टरों समेत चार के खिलाफ क्राइम रजिस्टर्ड खटोदरा पुलिस ने इस गंभीर केस में जांच बढ़ाते हुए सख्त कार्रवाई की है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, पुलिस ने महिला डॉक्टर हिना भूत और दीक्षिता घेवरिया को गिरफ्तार किया है। यह केस यहीं नहीं रुकता, बल्कि इन दो महिला डॉक्टरों के अलावा अनुज माहेश्वरी और निराली वासव समेत कुल चार लोगों के खिलाफ सुसाइड के लिए उकसाने के आरोप में IPC की धारा 306 के तहत गंभीर क्राइम रजिस्टर्ड किया गया है। खाकी की इस घटना से मेडिकल के बाद में हलचल मच गई है। पुलिस जांच की ऑफिशियल डिटेल्स और सभी आरोपियों के मौजूदा लीगल स्टेटस को कन्फर्म करना ज़रूरी है .

पंजाब को हिला देने वाले 'मैड संधू मर्डर केस' के मुख्य आरोपी गुजरात से पकड़े गएः गुजरात ATS और वलसाड SOG का मेगा ऑपरेशन

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद/वलसाड। पंजाब में सनसनी मचा देने वाले चौंकाने वाले 'मैड संधू मर्डर केस' के मुख्य आरोपी आखिरकार गुजरात पुलिस के शिकंजे में आ ही गए हैं। गुजरात और वलसाड के एक खतरनाक और बहादुरी भरे ऑपरेशन में, मर्डर करने के बाद भागे तीन कुख्यात लोगों को वापी से पकड़ लिया गया है। इस सफल ऑपरेशन ने एक बार फिर गुजरात पुलिस की सतर्कता को साबित कर दिया है। मिली जानकारी के मुताबिक, 3 अक्टूबर को पंजाब के अमृतसर में लोहारका रोड पर एक कार वॉशिंग सेंटर के पास गोलीबारी की एक भयानक घटना हुई। अनजान हमलावरों ने अंधाधुंध गोलियां चलाकर मैड संधू नाम के एक युवक की बेरहमी से हत्या कर दी। इस सनसनीखेज हत्या के बाद पंजाब पुलिस हरकत में आई और आरोपियों की पूरे देश में तलाश शुरू कर दी गइ गुजरात ATS को प्राइवेट और पक्की जानकारी मिली कि पंजाब में खूनी खेल खेलने के बाद फरार हुए कुख्यात अपराधी गुजरात की तरफ भाग गए हैं। जानकारी के आधार पर ATS टीम ने कार्रवाई शुरू कर दी। वलसाड SOG की सटीक मदद और लोकल पुलिस के सहयोग से वापी इलाके में जाल बिछाया गया।ज्ञस्टीम ने फिल्मी स्टाइल में रेड की और मैड संधू मर्डर केस के तीन मुख्य वॉन्टेड आरोपियों–हरसिमरनजीत सिंह उर्फ ??सीमू सिग्गा, फतेह सिंह और अरमान सिंह–को गिरफ्तार कर लिया। आरोपियों को पंजाब पुलिस को सौंपने के लिए तुरंत कार्रवाई गुजरात द्वारा तीनों आरोपियों की गिरफ्तारी के बाद कानूनी प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। इंटरस्टेट क्राइम नेटवर्क और कोऑर्डिनेशन के तहत पकड़े गए इन तीनों कुख्यात आरोपियों को ट्रांजैक्शन वारंट या कानूनी प्रक्रिया के तहत पंजाब पुलिस को सौंपने के लिए अभी गहन कार्रवाई चल रही है। गुजरात और वलसाड पुलिस की इस कड़ी कार्रवाई से असामाजिक तत्वों में भारी हलचल मच गई है।

धंधुका में खाकीः इंसाफ मांगने गए एक शिकायतकर्ता के गांव में जुलूस निकालने वाले PI B.T. गोहिल के खिलाफ लोगों का गुस्सा फूट पड़ा है

महानगर मेट्रो ब्यूरो

धंधुका। पुलिस राज और खाकी वर्दी के खिलाफ लोगों का गुस्सा फूट पड़ा है। जो रक्षक बनकर लोगों की रक्षा करने वाला हो, वही जब खाकी का भक्षक बन जाए, तो कानून-व्यवस्था पर गंभीर सवाल उठते हैं। धंधुका थाने के PI B.T. गोहिल पर गंभीर और चौंकाने वाले आरोप लगे हैं, जिसके बाद पूरे तालुका में भारी विरोध और विरोध का तूफान खड़ा हो गया है। इंसाफ की उम्मीद में थाने की सीढ़ियां चढ़ने वाले शिकायतकर्ता के साथ जैसा बर्ताव किया गया, वह इंसानियत और कानून दोनों के लिए शर्म की बात है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, शिकायतकर्ता अपने साथ हुए अन्याय के लिए इंसाफ मांगने धंधुका थाने पहुंचा था। लेकिन वहां इंसाफ मिलने के बजाय, उन्हें PI बी.टी. गोहिल के कथित तालिबानी और तानाशाही रवैये का शिकार होना पड़ा। आरोप है कि पुलिस ने शिकायतकर्ता की बात सुनने के बजाय, सरेआम उसकी बेइज्जती की और पूरे गांव में 'शादी का जुलूस' निकाला। कानून लागू करने वाली पुलिस ने मानवाधिकारों का झंडा बुलंद कर पूरे इलाके में भारी हंगामा मचा दिया है।

जनता का गुस्सा चरम पर: PI बी.टी. गोहिल को सस्पेंड करने की जोरदार मांग

जैसे ही यह शर्मनाक घटना सामने आई, स्थानीय लोगों, सामाजिक संगठनों और गांववालों में भारी गुस्सा फैल गया है। हर तरफ से मांग है कि PI बी.टी. गोहिल के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई की जाए, जिन्होंने आम नागरिकों की इज्जत का अपमान किया है और अपनी पावर का गलत इस्तेमाल किया है। गांववालों और पीड़ित पक्ष की साफ मांग है कि: इस पूरी घटना की निष्पक्ष और न्यूट्रल तरीके से जांच की जाए। कानून का गलत इस्तेमाल करने वाले पुलिस अधिकारियों के खिलाफ केस दर्ज होना चाहिए और कानूनी कार्रवाई होनी चाहिए। अब जब इंसाफ मांगने वालों के साथ नाइंसाफी हो रही है, तो गुजरात पुलिस की इमेज पर एक बड़ा सवाल खड़ा हो गया है। अगर 'लोगों की दोस्त' मानी जाने वाली पुलिस इस तरह शिकायत करने वाले को ही बाहर निकाल देगी, तो आम आदमी इंसाफ मांगने कहां जाएगा? इस विवादित घटना के बाद अब पूरे राज्य का ध्यान अहमदाबाद रूरल और गुजरात पुलिस के बड़े अधिकारियों पर टिक गया है। देखना यह है कि बड़े पुलिस अधिकारी इस मामले में PI गोहिल का बचाव करते हैं या सख्त कार्रवाई करके आम जनता का कानून पर भरोसा वापस लाकर एक मिसाल कायम करते हैं!



अहमदाबाद में SP रिंग रोड पर खुलेआम बिकती दिखीं तलवारें, वायरल वीडियो से मचा हड़कंप

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। शहर के व्यस्त एसपी रिंग रोड पर खुलेआम तलवारें बेचने का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद कानून-व्यवस्था और सार्वजनिक सुरक्षा को लेकर सवाल उठने लगे हैं। वायरल वीडियो में एक युवक सड़क किनारे तलवारें लेकर खड़ा दिखाई दे रहा है। वहीं, एक रिक्शा चालक अपना रिक्शा रोककर तलवार की धार और गुणवत्ता जांचता नजर आ रहा है। सड़क पर इस तरह धारदार हथियारों की बिक्री का दृश्य सामने आने के बाद पुलिस की निगरानी और गश्त को लेकर सवाल उठ रहे हैं। वीडियो में दिखाई दे रहा है कि तलवारें बेचने वाला युवक बिना किसी रोक-टोक के सड़क पर मौजूद है। इसी दौरान एक रिक्शा चालक तलवार को देखकर उसकी धार और स्थिति परखता दिखाई देता है। घटनाक्रम ऐसा नजर आता है, मानो सामान्य सामान की खरीद-फरोख्त हो रही हो। व्यस्त सड़क पर इस तरह हथियारों का प्रदर्शन और कथित बिक्री लोगों की सुरक्षा के लिहाज से चिंता का विषय बन गया है। अहमदाबाद पुलिस की ओर से असामाजिक तत्वों और अपराधियों के खिलाफ कार्रवाई तथा अवैध हथियारों की जब्ती को लेकर समय-समय पर अभियान चलाए जाते हैं। ऐसे में एसपी रिंग रोड पर तलवारों की खुलेआम बिक्री का वीडियो सामने आने से पुलिस की गश्त और निगरानी व्यवस्था पर सवाल उठ रहे हैं। यदि व्यस्त सड़क पर इस तरह धारदार हथियारों की बिक्री हो रही थी, तो संबंधित पुलिसकर्मियों और गश्ती दलों की नजर इस पर क्यों नहीं पड़ी, यह सवाल चर्चा में है। स्थानीय स्तर पर इस घटना को लेकर यह भी सवाल उठ रहा है कि सार्वजनिक स्थानों पर हथियारों की बिक्री को रोकने के लिए निगरानी व्यवस्था कितनी प्रभावी है। हालांकि, वायरल वीडियो के आधार पर हथियार बेचने वाले युवक की पहचान, बिक्री की वैधता और घटना से जुड़े अन्य तथ्यों की स्वतंत्र पुष्टि होना अभी जरूरी है। र्वजनिक स्थानों पर धारदार हथियारों की कथित बिक्री से किसी अप्रिय घटना की आशंका को लेकर चिंता बढ़ सकती है।



अहमदाबाद के बेहरामपुरा में प्रशासन की आंख मूंदकर की पॉलिसीः पानी की टंकी और नदी के पास होने के बावजूद

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। एक तरफ स्मार्ट सिटी अहमदाबाद के डेवलपमेंट के बड़े-बड़े दावे किए जा रहे हैं, वहीं दूसरी तरफ साउथ ज़ोन के बेहरामपुरा वार्ड के संतोषनगर इलाके से एक बहुत ही चौंकाने वाली सच्चाई सामने आई है जो प्रशासन की पोल खोलती है। संतोषनगर चामुंडा माता चौक की चाली में रहने वाले हजारों स्थानीय लोग लंबे समय से सही और समय पर पीने के पानी के लिए जूझ रहे हैं। इस मामले में लोकल लोगों में एडमिनिस्ट्रेशन के खिलाफ काफी गुस्सा है। लोग पूछ रहे हैं कि यह कैसा अनोखा डेवलपमेंट है? AMC का पानी का टैंक संतोषनगर इलाके के ठीक बगल में है और रिवरफ्रंट की नदी पास में ही बहती है। फिर भी, इसी इलाके के लोगों को पीने के पानी के लिए जूझना पड़ता है। पानी जैसी सबसे बेसिक ज़रूरत के लिए भी लोगों को हर दिन जूझना पड़ता है, जो सिस्टम और हुक्मरानों की नाकामी को दिखाता है। 'हम भी इसी भारत देश के नागरिक हैं, तो हमारे इस इलाके के साथ इतना अन्याय क्यों हो रहा है?' यह सवाल संतोषनगर के जागरूक लोगों ने उठाया है। भारत के संविधान ने हर नागरिक को बेसिक सुविधाएं पाने का मौलिक अधिकार दिया है, और अपने अधिकारों के लिए आवाज़ उठाना नागरिकों का अधिकार है। अब महिलाएं और युवा एडमिनिस्ट्रेशन की नींद तोड़ने के लिए मैदान में उतर आए हैं। संतोषनगर चामुंडा माता चौक के सभी लोकल लोगों ने एक आवाज़ म AMC एडमिनिस्ट्रेशन को साफ़ चेतावनी दी है कि अगर अगले दो दिनों के अंदर सही और समय पर पीने का पानी नहीं दिया गया, तो ज़ोरदार आंदोलन किया जाएगा। लोकल लोगों ने धमकी दी है .

जोधपुर के होटल में जयपुर के ज्वेलर के करोड़ों के गहने गायब, सफाईकर्मी और सुपरवाइजर पर शक

महानगर मेट्रो ब्यूरो

जोधपुर। शहर के एक होटल में आयोजित ज्वेलरी एग्जीबिशन में हिस्सा लेने आए जयपुर के एक ज्वेलरी व्यवसायी के हीरे और सोने के आभूषण गायब होने का मामला सामने आया है।



व्यवसायी के अनुसार, वे अपने आभूषण होटल के कमरे की दराज में रखकर भूलवश बिना लिए ही जयपुर रवाना हो गए थे। बाद में गहनों के गायब होने की जानकारी मिलने पर होटल के कर्मचारियों पर संदेह जताते हुए पुलिस में रिपोर्ट दर्ज कराई गई। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस को दी गई रिपोर्ट के अनुसार, जयपुर के श्याम नगर निवासी प्रमोद कुमार मोसूण (63) जेकेजे एंड सन्स ज्वेलर्स के निदेशक हैं। उनकी फर्म राजस्थान के विभिन्न शहरों में ज्वेलरी एग्जीबिशन आयोजित करती है। इसी सिलसिले में वे 18 से 20 सितंबर 2026 तक जोधपुर के रेडिसन होटल में आयोजित ज्वेलरी एग्जीबिशन में शामिल होने आए थे। वे 17 सितंबर को अपनी पत्नी और स्टाफ के साथ जोधपुर पहुंचे थे और होटल के कमरा नंबर 215 में ठहरे थे। प्रमोद कुमार ने रिपोर्ट में बताया कि उनके पास हीरे की एक अंगूठी, सोने की चेन, हीरे का पेंडेंट और सोने से जड़ी रुद्राक्ष की माला थी। वे रोजाना रात को सोने से पहले इन आभूषणों को कमरे की दराज में रख देते थे और सुबह उठकर पहन लेते थे। यवसायी के अनुसार, 20 सितंबर की रात को भी उन्होंने अपने सभी आभूषण कमरे की दराज में रख दिए थे। अगले दिन 21 सितंबर की सुबह होटल से चेक-आउट करने के दौरान कुछ ग्राहक उनसे मिलने पहुंच गए। ग्राहकों से बातचीत और चेक-आउट की प्रक्रिया के बीच वे आभूषण पहनना भूल गए और बिना गहने लिए ही जयपुर रवाना हो गए। जयपुर पहुंचने के बाद उन्हें आभूषण कमरे में छूटने का ध्यान आया। इस र उन्होंने जोधपुर में मौजूद अपने कर्मचारी विनीत त्रिवेदी को फोन कर होटल पहुंचने और सीसीटीवी फुटेज की जांच करने के लिए कहा। रिपोर्ट के अनुसार, विनीत त्रिवेदी होटल पहुंचे और सीसीटीवी रिकॉर्डिंग की जांच की। इसमें कमरा खाली करने के तुरंत बाद कमरा नंबर 215 में सफाई कर्मचारी मनीष यादव, फॉगिंग स्टाफ के नीरज कुमार और सुपरवाइजर पंकज कुमार के प्रवेश करने की जानकारी सामने आई।

जयपुर एयरपोर्ट से अकासा एयर की उड़ानें शुरू, मुंबई और बेंगलुरु के लिए मिला नया विकल्प

महानगर मेट्रो ब्यूरो

जयपुर। जयपुर इंटरनेशनल एयरपोर्ट से अकासा एयर ने दो उड़ानों के साथ अपने हवाई संचालन की शुरुआत कर दी है। इसके तहत जयपुर को मुंबई और बेंगलुरु से जोड़ा गया है। इन सेवाओं के शुरू होने से दोनों प्रमुख शहरों के बीच यात्रा करने वाले यात्रियों को हवाई सफर का एक और विकल्प मिलेगा। साथ ही जयपुर एयरपोर्ट से संचालित होने वाली एयरलाइंस की संख्या और यात्रियों के लिए उपलब्ध सेवाओं में भी बढ़ोतरी हुई है मुंबई और जयपुर के बीच अकासा एयर की उड़ान क्यू पी-1153 सुबह 9 बजकर 10 मिनट पर मुंबई एयरपोर्ट से रवाना होगी और सुबह 11 बजकर 10 मिनट पर जयपुर पहुंचेगी। वापसी में उड़ान क्यू पी-1154 जयपुर से दोपहर 12 बजे रवाना होकर दोपहर 1 बजकर 55 मिनट पर मुंबई पहुंचेगी। इस सेवा से दोनों शहरों के बीच आने-जाने वाले यात्रियों को हवाई यात्रा का अतिरिक्त विकल्प उपलब्ध होगा। अकासा एयर ने जयपुर और बेंगलुरु के बीच भी उड़ान संचालन शुरू किया है। इस मार्ग पर उड़ान क्यू पी-1529 सुबह 8 बजकर 20 मिनट पर बेंगलुरु से रवाना होकर सुबह 10 बजकर 50 मिनट पर जयपुर पहुंचेगी। वहीं, वापसी की उड़ान क्यू पी-1530 जयपुर से सुबह 11 बजकर 30 मिनट पर रवाना होगी और दोपहर 2 बजे बेंगलुरु पहुंचेगी। दोनों मार्गों पर उड़ानें शुरू होने से जयपुर की मुंबई और बेंगलुरु जैसे प्रमुख व्यावसायिक केंद्रों से हवाई कनेक्टिविटी मजबूत होगी। इससे व्यापार, रोजगार और अन्य कार्यों के सिलसिले में यात्रा करने वाले लोगों को सुविधा मिल सकती है। अकासा एयर की सेवाओं से यात्रियों के पास इन मार्गों पर हवाई यात्रा के लिए एक और विकल्प उपलब्ध हो गया है।



मेहरानगढ़ दुर्ग में मां चामुंडा के दर्शन को उमड़ा श्रद्धा का सैलाब, जयकारों से गूंजा जोधपुर



महानगर मेट्रो ब्यूरो

जोधपुर। शारदीय नवरात्रि के पहले दिन रविवार को जोधपुर के ऐतिहासिक मेहरानगढ़ दुर्ग स्थित मां चामुंडा माता मंदिर में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। आश्विन मास की प्रतिपदा पर घटस्थापना के साथ ही अलसुबह से माता के दर्शन के लिए भक्तों का पहुंचना शुरू हो गया। मंदिर में दर्शन के लिए लंबी कतारें लगी रहीं। जोधपुर सहित देश के विभिन्न हिस्सों और विदेशों से आए श्रद्धालु घंटों कतार में खड़े होकर मां चामुंडा के दर्शन करते नजर आए। श्रद्धालुओं के जयकारों से पूरा मेहरानगढ़ दुर्ग भक्तिमय हो उठा। मां चामुंडा जोधपुर के राजपरिवार की कुलदेवी और आराध्य भी हैं। यही वजह है कि नवरात्रि के दौरान मंदिर में दर्शन के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचते हैं। पहले दिन परिवारों के साथ आए भक्तों में विशेष उत्साह देखने को मिला। सुबह से ही मंदिर परिसर में धार्मिक माहौल बना रहा और माता के जयकारे गूंजते रहे। नवरात्रि के पहले दिन उमड़ी भीड़ को देखते हुए प्रशासन और पुलिस विभाग मुस्तैद रहा। मेहरानगढ़ दुर्ग के मुख्य प्रवेश द्वार जयपोल से लेकर मंदिर के गर्भगृह तक सुरक्षा बल तैनात किए गए। भीड़ को नियंत्रित करने और किसी भी अप्रिय घटना से बचाव के लिए विशेष व्यवस्थाएं की गईं। मंदिर परिसर और आसपास के क्षेत्रों में सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से लगातार निगरानी रखी जा रही है। नवरात्रि के दौरान दर्शनार्थियों के लिए कुछ नियम निर्धारित किए गए हैं। मेहरानगढ़ म्यूजियम प्रशासन के अनुसार, श्रद्धालु अपने साथ पॉलिथीन या प्लास्टिक के कैरी बैग लेकर नहीं आएं। इसके अलावा शराब पीकर आने या शराब साथ लाने वाले लोगों को प्रवेश नहीं दिया जाएगा। प्रशासन ने श्रद्धालुओं से नियमों का पालन करते हुए दर्शन व्यवस्था में सहयोग करने की अपील की है। मंदिर में प्रसाद चढ़ाने के लिए महिलाओं और पुरुषों की अलग-अलग व्यवस्था की गई है। महिलाओं के लिए पट्टे पर नारियल फोड़ने की व्यवस्था रहेगी, जबकि पुरुषों के लिए यह व्यवस्था बसंत सागर के पास की गई है। प्रबंधन ने दर्शनार्थियों से पानी वाले नारियल के स्थान पर गोटे वाला प्रसाद लाने का आग्रह किया है, ताकि व्यवस्था सुचारु बनी रहे और किसी को असुविधा न हो। मंदिर प्रबंधन और प्रशासन के निर्देशानुसार, मां चामुंडा के दर्शन के बाद मंदिर परिसर में परिक्रमा करना वर्जित रहेगा। श्रद्धालुओं से निर्धारित मार्ग और व्यवस्थाओं का पालन करने की अपील की गई है।

उदयपुर-पालनपुर फोरलेन पर मालेरा चौकी के पास पुलिस और डीएसटी की कार्रवाई, चित्तौड़ से जालोर ले जा रहे थे मादक पदार्थ

महानगर मेट्रो ब्यूरो

सिरोही। जिले में मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत पिंडवाड़ा पुलिस और जिला विशेष टीम (डीएसटी) ने बड़ी कार्रवाई करते हुए एक कार से 46 किलो डोडा पोस्त बरामद किया है। पुलिस ने मादक पदार्थ की तस्करी के संदेह में कार सवार दो युवकों को गिरफ्तार किया है। दोनों आरोपी बालोतरा और बाड़मेर जिले के रहने वाले हैं। पुलिस ने डोडा पोस्त के साथ कार को भी जब्त कर लिया है। प्रारंभिक पूछताछ में सामने आया है कि आरोपी मादक पदार्थ चित्तौड़ से लेकर जालोर की ओर जा रहे थे। पुलिस अब इस मामले में मादक पदार्थ के स्रोत और इसकी आपूर्ति से जुड़े लोगों की जानकारी जुटाने में लगी है।

मालेरा चौकी के पास नाकाबंदी कर पकड़ी कार

पुलिस के अनुसार, सिरोही एसपी डॉ. अजेय सिंह राठौड़ के निर्देश पर जिले में मादक पदार्थों की तस्करी और अवैध बिक्री पर रोक लगाने के लिए अभियान चलाया जा रहा है। इसी अभियान के तहत पिंडवाड़ा थाने के उप निरीक्षक लादू सिंह और डीएसटी टीम प्रभारी अमराराम के नेतृत्व में पुलिस टीम ने मालेरा पुलिस चौकी के पास नाकाबंदी की। नाकाबंदी के दौरान उदयपुर की तरफ से आ रही एक कार को रुकवाया गया। पुलिस टीम ने कार की तलाशी ली तो उसमें डोडा पोस्त मिला। जांच के दौरान कार से कुल 46 किलो डोडा पोस्त बरामद किया गया। इसके बाद पुलिस ने कार में सवार दोनों युवकों को हिरासत में लेकर पूछताछ की। कार्रवाई के दौरान मादक पदार्थ और उसे ले जाने में इस्तेमाल की जा रही कार को जब्त कर लिया गया। बालोतरा और बाड़मेर के रहने वाले हैं आरोपी पुलिस ने गिरफ्तार आरोपियों की पहचान श्रवण कुमार (30), निवासी गुड़ामालानी, बालोतरा और दिनेश कुमार (23), निवासी मोतियों का तला, बाड़मेर के रूप में की है। शुरुआती पूछताछ में दोनों ने डोडा पोस्त चित्तौड़ से जालोर ले जाने की जानकारी दी है। पुलिस इस बात की जांच कर रही है कि आरोपी मादक पदार्थ कहां से लेकर आए थे और जालोर में इसकी आपूर्ति किसे की जानी थी। मामले में एनडीपीएस एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज कर आगे की जांच की जा रही है। पुलिस आरोपियों से पूछताछ के आधार पर तस्करी से जुड़े अन्य लोगों और संभावित नेटवर्क के बारे में जानकारी जुटाने का प्रयास कर रही है। जांच का मुख्य उद्देश्य मादक पदार्थ की खरीद, परिवहन और सप्लाई से जुड़े संपर्कों का पता लगाना है।



एसपी ने आमजन से सहयोग की अपील की

एसपी डॉ. अजेय सिंह राठौड़ ने आमजन से अपील की है कि जिले में मादक पदार्थों की तस्करी, बिक्री या इस तरह की अन्य अवैध गतिविधियों की जानकारी मिलने पर तुरंत पुलिस को सूचित करें। उन्होंने मादक पदार्थों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान में आमजन के सहयोग को महत्वपूर्ण बताया। पुलिस का कहना है कि तस्करी और अवैध बिक्री पर रोक लगाने के लिए अभियान के तहत कार्रवाई जारी है।

पाली में शनिधाम के पास अचानक बिगड़ा ट्रक का संतुलन, आगे चल रहे वाहन के ब्रेक लगाने से हुआ हादसा; ट्रक को सीधा करने के लिए बुलाईं तीन क्रेन

महानगर मेट्रो ब्यूरो

पाली। शहर के राजमार्ग पर रविवार सुबह रसायन से भरा एक ट्रक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पलट गया। ट्रक मुंबई से जयपुर की ओर जा रहा था। शनिधाम के पास हुए इस हादसे में ट्रक चालक बाल-बाल बच गया। गनीमत रही कि चालक को गंभीर चोट नहीं आई। दुर्घटना की सूचना मिलने के बाद सदर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का जायजा लेकर ट्रक को सीधा करवाने की व्यवस्था की। दुर्घटनाग्रस्त ट्रक को उठाने के लिए तीन क्रेन बुलानी पड़ीं। जानकारी के अनुसार, ट्रक में रसायन से भरे ड्रम रखे हुए थे। ट्रक चालक शबीर (30) निवासी खोखरा गांव, जिला जालोर, वाहन लेकर मुंबई से जयपुर जा रहा था। रविवार सुबह ट्रक राजमार्ग से गुजर रहा था। इसी दौरान शनिधाम के पास आगे चल रहे एक वाहन ने अचानक ब्रेक लगा दिए। सामने चल रहे वाहन के अचानक रुकने से ट्रक चालक के सामने स्थिति को संभालने की चुनौती आ गई। चालक ने टक्कर से बचने के लिए ट्रक का स्टीयरिंग मोड़ दिया, लेकिन इस प्रयास के दौरान वाहन का संतुलन बिगड़ गया। इसके बाद ट्रक सड़क किनारे पलट गया।

अचानक ब्रेक लगने से बिगड़ा संतुलन



चालक शबीर के अनुसार, वह ट्रक लेकर मुंबई से जयपुर जा रहा था। राजमार्ग पर शनिधाम के पास आगे चल रहे वाहन ने अचानक ब्रेक लगा दिए थे। सामने मौजूद वाहन से टक्कर होने की आशंका के चलते उसने ट्रक को बचाने के लिए स्टीयरिंग दूसरी ओर मोड़ा। इसी दौरान ट्रक पर नियंत्रण नहीं रह सका और वाहन पलट गया। हादसे के बाद चालक को गंभीर चोट नहीं आने से राहत रही।

सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस

ट्रक पलटने की सूचना मिलने पर सदर थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने घटनास्थल का जायजा लिया और दुर्घटना के संबंध में जानकारी जुटाई। मौके पर पलटे हुए ट्रक को दोबारा सीधा करना जरूरी था। इसके लिए पुलिस ने तीन क्रेन मंगवाईं, ताकि उनकी सहायता से ट्रक को उठाकर सीधा किया जा सके। ट्रक में रसायन से भरे ड्रम होने के कारण वाहन को हटाने की कार्रवाई में सावधानी बरतना भी जरूरी था।

सदर थाना के एएसआई मोहनलाल गुर्जर ने घटना की जानकारी देते हुए बताया कि ट्रक मुंबई से जयपुर जा रहा था। शनिधाम के पास आगे चल रहे वाहन के अचानक ब्रेक लगाने के बाद चालक ने टक्कर से बचने के लिए स्टीयरिंग मोड़ा, जिससे ट्रक का संतुलन बिगड़ गया और वह सड़क किनारे पलट गया। हादसे में चालक को गंभीर चोट नहीं आई। राजमार्ग पर हुई इस दुर्घटना के बाद पुलिस ने मौके पर पहुंचकर आवश्यक कार्रवाई की। ट्रक को सीधा करने के लिए तीन क्रेन बुलाकर व्यवस्था की गई। हादसे में चालक के सुरक्षित बच जाने से राहत रही।

अचानक ब्रेक से बिगड़ा संतुलन

मुंबई से जयपुर जा रहा रसायन से भरा ट्रक रविवार सुबह पाली में शनिधाम के पास पलट गया। चालक शबीर (30) के अनुसार, आगे चल रहे वाहन के अचानक ब्रेक लगाने पर उसने टक्कर से बचने के लिए स्टीयरिंग मोड़ा, जिससे ट्रक अनियंत्रित हो गया। हादसे में चालक को गंभीर चोट नहीं आई। सदर थाना पुलिस ने मौके पर पहुंचकर ट्रक को सीधा करवाने के लिए तीन क्रेन बुलवाई।

माउंट आबू में राष्ट्रपति रोवर पुरस्कार के लिए परीक्षा शुरू, 13 अक्टूबर तक होगा दक्षताओं का आकलन

महानगर मेट्रो ब्यूरो

माउंट आबू। राजस्थान राज्य भारत स्काउट एवं गाइड के आबू पर्वत स्थित राज्य प्रशिक्षण एवं एडवेंचर सेंटर पर राष्ट्रपति पुरस्कार रोवर प्रमाण-पत्र परीक्षा आयोजित की जा रही है। इस परीक्षा में रोवर्स की प्राथमिक सहायता, पायनियरिंग, मैपिंग, कैंपिंग और स्काउटिंग से जुड़ी दक्षताओं का आकलन किया जा रहा है। परीक्षा के अंतर्गत प्रतिभागी लिखित और मौखिक परीक्षाओं में शामिल हो रहे हैं। यह प्रक्रिया 13 अक्टूबर 2026 तक चलेगी।द्व राष्ट्रीय मुख्यालय, नई दिल्ली की देखरेख में आयोजित इस परीक्षा के संचालन और मूल्यांकन के लिए राष्ट्रीय स्तर की टीम तैनात की गई है। टीम में मुख्य परीक्षक अरुण कुमार, परीक्षक दिलीप पटेल और धनुष सिंह तथा पर्यवेक्षक अमृत आर. चौधरी शामिल हैं। टीम परीक्षा की प्रक्रिया पर नजर रखने के साथ रोवर्स के व्यावहारिक ज्ञान और विभिन्न गतिविधियों में उनकी दक्षता का मूल्यांकन कर रही है। परीक्षा के आयोजन और संचालन में राज्य स्तरीय टीम के सदस्य भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। इनमें गिरिराज गर्ग, जितेंद्र पारीक, भाविक सुथार, रमेश गर्ग और मनोज कुमार शर्मा शामिल हैं। राष्ट्रीय और राज्य स्तरीय टीमों के संयुक्त सहयोग से परीक्षा की विभिन्न गतिविधियां संचालित की जा रही हैं। इसका उद्देश्य रोवर्स के प्रशिक्षण, व्यावहारिक कौशल और स्काउटिंग संबंधी ज्ञान का आकलन करना है।



पाली में अग्रसेन जयंती पर निकली भव्य शोभायात्रा, जयकारों से गूंजा शहर

महानगर मेट्रो ब्यूरो

पाली। अग्रसेन जयंती महोत्सव के तहत रविवार को अग्रवाल समाज की ओर से भगवान अग्रसेन की भव्य शोभायात्रा निकाली गई। गाजे-बाजे के साथ निकली शोभायात्रा में बड़ी संख्या में समाजबंधुओं ने भाग लिया। पुरुष भगवान अग्रसेन के जयकारे लगाते हुए चले, वहीं महिलाएं मंगल गीत गाती नजर आईं। उत्साह से भरे युवा पूरे रास्ते भगवान अग्रसेन के रथ को हाथों से खींचते रहे। शहर में जगह-जगह फूल बरसाकर शोभायात्रा का स्वागत किया गया।, शोभायात्रा सुबह करीब 10 बजे शहर के फतेहपुरिया पोल से रवाना हुई। इसमें बच्चों का बैंड, भगवान अग्रसेन का रथ और बाहुबली हनुमान व राधा-कृष्ण की आकर्षक झांकियां शामिल रहीं। युवक-युवतियां सिर पर साफा बांधकर बैंडवादन करते हुए शोभायात्रा का हिस्सा बने। धार्मिक जयकारों और भक्ति गीतों से रास्तेभर माहौल भक्तिमय बना रहा। विभिन्न संगठनों और समाजों की ओर से भी शोभायात्रा का स्वागत किया गया। शोभायात्रा फतेहपुरिया पोल से रवाना होकर बादशाह झंडा, सर्राफा बाजार, रूई कटला और धानमंडी सहित शहर के प्रमुख मार्गों से गुजरी। रास्ते में जगह-जगह लोगों ने पुष्पवर्षा कर स्वागत किया। इसके बाद शोभायात्रा अग्रसेन भवन पहुंची, जहां इसका समापन हुआ। आयोजन के दौरान सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के लिए मार्ग में पुलिस जाप्ता तैनात रहा। शोभायात्रा के समापन के बाद अग्रसेन भवन में महाप्रसादी का आयोजन किया गया। इसमें अग्रवाल समाज के बड़ी संख्या में लोगों ने भाग लिया। पूरे आयोजन में समाज की एकजुटता, धार्मिक आस्था और उत्साह देखने को मिला।



जालोर में 45 किलो डोडा पोस्त के साथ दो तस्कर गिरफ्तार, फ्रॉन्क्स कार जब्त

महानगर मेट्रो ब्यूरो

जालोर। पंचायती राज चुनाव-2026 के मद्देनजर अवैध मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत बागोड़ा पुलिस ने कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 45.062 किलोग्राम अवैध डोडा पोस्त बरामद किया है। तस्करी में प्रयुक्त फ्रॉन्क्स कार को भी जब्त किया गया है। दोनों आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर आगे की जांच की जा रही है। पुलिस के अनुसार, 10 अक्टूबर को गश्त और नाकाबंदी के दौरान पुलिस टीम ने एक संदिग्ध कार को रोकने का प्रयास किया। पुलिस को देखकर चालक ने कार को सियावट-सायला रोड की तरफ मोड़कर भागने की कोशिश की। इसी दौरान कार अनियंत्रित हो गई और सड़क किनारे लगी तारबंदी को तोड़ते हुए खेत में जाकर रुक गई। इसके बाद पुलिस टीम ने कार की तलाशी ली। तलाशी के दौरान कार की पिछली सीट पर रखे काले रंग के तीन बोरों से 45.062 किलोग्राम डोडा पोस्त बरामद हुआ। पुलिस ने मौके से दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर मादक पदार्थ और तस्करी में इस्तेमाल की जा रही कार जब्त कर ली। पकड़े गए आरोपियों की पहचान चित्तौड़गढ़ जिले के कपासन क्षेत्र के धमाना निवासी अयूब मोहम्मद (21) पुत्र शाबीर मोहम्मद और अब्दुल रहीम (28) पुत्र मांगु खां के रूप में हुई है। पुलिस ने दोनों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज किया है। अब मामले में मादक पदार्थ की तस्करी से जुड़े अन्य पहलुओं की जांच की जा रही है। थानाधिकारी बलदेवराम के नेतृत्व में हुई इस कार्रवाई में एएसआई पुनमाराम, हेड कांस्टेबल जगदीश तथा कांस्टेबल प्रकाश भादू, मसरा राम, श्रवण कुमार, गुमना राम और रामकिशोर शामिल रहे। पुलिस की ओर से अवैध मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ कार्रवाई जारी है।



नाकाबंदी तोड़कर भागी कार खेत में घुसी, 45 किलो डोडा पोस्त बरामद

जालोर के बागोड़ा में पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार कर तस्करी में प्रयुक्त फ्रॉन्क्स कार जब्त की। सियावट-सायला रोड पर पुलिस को देखकर चालक ने भागने की कोशिश की, लेकिन कार अनियंत्रित होकर तारबंदी तोड़ते हुए खेत में घुस गई। तलाशी में पिछली सीट पर रखे तीन बोरों से 45.062 किलोग्राम डोडा पोस्त मिला। दोनों आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है।

राजस्थान में पंचायत चुनाव के लिए भाजपा का संकल्प पत्र जारी, हर पंचायत में खेल मैदान और सीनियर सेकेंडरी स्कूल बनाने का वादा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

जयपुर। राजस्थान में पंचायत चुनाव को लेकर भारतीय जनता पार्टी ने अपना संकल्प पत्र जारी कर दिया है। रविवार को प्रदेश भाजपा कार्यालय के नए सभागार में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने पार्टी का संकल्प पत्र जारी करते हुए ग्रामीण विकास से जुड़ी कई घोषणाएं कीं। भाजपा ने आगामी वर्षों में 25 लाख स्वामित्व कार्ड और पट्टे देने, हर पंचायत में सीनियर सेकेंडरी स्कूल तथा खेल मैदान विकसित करने का वादा किया है। इसके साथ ही ग्रामीण क्षेत्रों में पार्क, ओपन जिम और सड़कों के निर्माण पर भी जोर दिया गया है।रू संकल्प पत्र के अनुसार, एक हजार से अधिक आबादी वाले गांवों में पार्क और ओपन जिम बनाए जाएंगे। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत तीन हजार किलोमीटर से अधिक ग्रामीण सड़कों का निर्माण कराने की घोषणा भी की गई है। पार्टी ने गांवों में शिक्षा, स्वास्थ्य, बिजली, पानी और सड़क जैसी बुनियादी सुविधाओं को मजबूत करने का लक्ष्य रखा है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रत्येक पंचायत स्तर पर खेल मैदान विकसित किए जाएंगे, जहां गांवों के युवाओं को विभिन्न खेलों की सुविधाएं मिल सकेंगी। उन्होंने कहा कि भाजपा का उद्देश्य गांवों में शहरों जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराना है, ताकि लोगों को जरूरी कामों के लिए शहरों की ओर नहीं जाना पड़े। मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में गांवों से पलायन बढ़ा है और इससे ग्रामीण क्षेत्रों की आबादी प्रभावित हुई है। शहरों का विस्तार भी 40 से 50 किलोमीटर तक बढ़ गया है। ऐसे में शहरों में एक स्थान से दूसरे स्थान तक पहुंचने के लिए लोगों को लंबी दूरी तय करनी पड़ती है। यदि गांवों में ही बेहतर सुविधाएं उपलब्ध होंगी, तो लोगों को 100 से 150 किलोमीटर की यात्रा कर शहरों में आने की जरूरत नहीं पड़ेगी। ग्रामीण अपनी स्थानीय परिस्थितियों और वातावरण में रहकर बेहतर जीवन जी सकेंगे। मुख्यमंत्री ने शिक्षा और चिकित्सा को सबसे प्रमुख सुविधाएं बताते हुए कहा कि सरकार ने स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता को लेकर भी योजना बनाई है। इसके तहत यह निर्धारित करने पर काम किया गया है कि किस दूरी पर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र और कहां बड़े अस्पताल की सुविधा होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि निकाय चुनावों में प्रदेश की जनता ने भाजपा को समर्थन दिया है। अब पंचायत चुनाव में भी पार्टी ग्राम विकास योजना के माध्यम से गांवों में बिजली, पानी और सड़क सहित अन्य बुनियादी सुविधाओं के विकास के मुद्दों को लेकर जनता के बीच जाएगी। मंच पर स्वागत के दौरान फिसले सोशल मीडिया संयोजक संकल्प पत्र जारी होने से पहले कार्यक्रम के मंच पर एक घटना भी हुई। संगठन महामंत्री अजेय कुमार का स्वागत करने के लिए मंच पर पहुंचे भाजपा के सोशल मीडिया संयोजक हीरेन कौशिक अचानक फिसलकर गिर गए। घटना से मंच पर मौजूद लोग चौंक गए। उनके गिरते ही प्रदेश प्रभारी संजय भाटिया और अन्य कार्यकर्ताओं ने उन्हें संभाला।



माउंट आबू में धूमधाम से मनाई महाराजा अग्रसेन जयंती, शोभायात्रा में उमड़ा अग्रवाल समाज

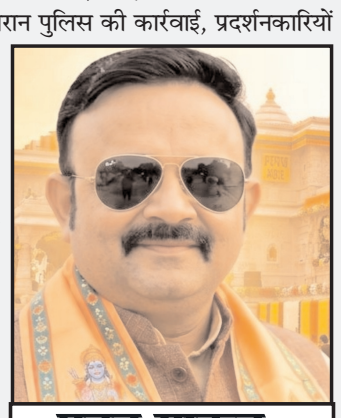


महानगर मेट्रो ब्यूरो

माउंट आबू। शहर में महाराजा अग्रसेन जयंती धूमधाम और उत्साह के साथ मनाई गई। इस अवसर पर अग्रवाल समाज की ओर से शहर के मुख्य मार्गों से भव्य शोभायात्रा निकाली गई। शोभायात्रा में समाज के लोगों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। पारंपरिक उत्साह और उल्लास के बीच निकली इस यात्रा ने शहर के माहौल को उत्सवमय बना दिया।द्व शोभायात्रा की शुरुआत अग्रवाल पंचायत भवन स्थित बिहारीजी मंदिर से हुई। इसमें महाराजा अग्रसेन के प्रति श्रद्धा प्रकट करते हुए समाज के विभिन्न गोत्रों के प्रतिनिधि घोड़ों पर सवार होकर शामिल हुए। महिला, पुरुष और बच्चे नाचते-गाते हुए शोभायात्रा के साथ आगे बढ़े। पूरे आयोजन के दौरान उत्साह और सामाजिक एकजुटता का माहौल देखने को मिला। महाराजा अग्रसेन जयंती के इस आयोजन ने स्थानीय लोगों के साथ पर्यटकों का भी ध्यान आकर्षित किया। शहर के मुख्य मार्गों से गुजरती शोभायात्रा पर्यटकों के लिए आकर्षण का केंद्र रही।

सम्पादकीय

जंतर-मंतर पर CJP के आंदोलन को लेकर विवाद, पुलिस कार्रवाई और पत्रकारों से कथित दुर्व्यवहार पर उठे गंभीर सवाल



पवन माकन
ग्रुप एडिटर, महानगर मेट्रो

नई दिल्ली। देश की राजधानी दिल्ली का जंतर-मंतर एक बार फिर विरोध-प्रदर्शन, नागरिक अधिकारों और प्रशासन की कार्यशैली को लेकर चर्चा के केंद्र में है। CJP के बैनर तले आयोजित आंदोलन के दौरान पुलिस की कार्रवाई, प्रदर्शनकारियों के साथ कथित खींचतान और पत्रकारों को कवरेज के दौरान पेश आई परेशानियों को लेकर गंभीर सवाल उठाए जा रहे हैं। आंदोलन के समर्थकों का आरोप है कि अपने अधिकारों और न्याय की मांग को लेकर एकत्र हुए लोगों के साथ जिस तरह का व्यवहार किया गया, उससे शांतिपूर्ण विरोध-प्रदर्शन के अधिकार और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को लेकर बहस तेज हो गई है। वहीं, इस पूरे घटनाक्रम को लेकर सरकार और पुलिस की भूमिका पर भी सवाल उठाए जा रहे हैं। जंतर-मंतर देश में विरोध दर्ज कराने के प्रमुख स्थलों में शामिल रहा है। यहां अलग-अलग समय पर सामाजिक, राजनीतिक और जनहित से जुड़े मुद्दों को लेकर प्रदर्शन होते रहे हैं। ऐसे में यहां होने वाली किसी भी पुलिस कार्रवाई का महत्व केवल कानून-व्यवस्था तक सीमित नहीं रहता, बल्कि उसका संबंध नागरिकों के लोकतांत्रिक अधिकारों और प्रशासन के प्रति जनता के भरोसे से भी जुड़ जाता है। CJP के आंदोलन के दौरान सामने आए आरोपों ने इसी बहस को एक बार फिर सामने ला दिया है। 'महानगर मेट्रो' समाचार पत्र के संपादक पवन माकन ने इस घटनाक्रम पर कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए सरकार और पुलिस की कार्यशैली की आलोचना की है। उनका कहना है कि लोकतंत्र में नागरिकों की आवाज सुनना और उनकी शिकायतों पर संवाद करना शासन की जिम्मेदारी है। यदि अपनी मांगों को लेकर लोग प्रदर्शन कर रहे हैं, तो प्रशासन को परिस्थितियों के अनुरूप बातचीत और संवैधानिक प्रक्रियाओं के माध्यम से समाधान तलाशने की कोशिश करनी चाहिए। माकन ने प्रदर्शनकारियों के विरुद्ध कथित बलप्रयोग और पत्रकारों को हिरासत में लिए जाने के आरोपों पर आपत्ति जताते हुए कहा कि जनता की आवाज को दबाकर किसी समस्या का स्थायी समाधान नहीं निकाला जा सकता। उनके अनुसार, पत्रकारों का दायित्व घटनास्थल पर मौजूद परिस्थितियों को सामने लाना और जनता तक सही जानकारी पहुंचाना है। ऐसे में पत्रकारों को अपना काम करने से रोकने या उनके साथ अनुचित व्यवहार किए जाने के आरोप गंभीरता से देखे जाने चाहिए। उन्होंने सरकार और पुलिस की भूमिका पर सवाल उठाते हुए कहा कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में असहमति को केवल विरोध के रूप में नहीं, बल्कि जनता की समस्याओं और अपेक्षाओं को समझने के अवसर के रूप में भी देखा जाना चाहिए। हालांकि, इस पूरे मामले में पुलिस का आधिकारिक पक्ष और कार्रवाई से संबंधित तथ्य सामने आने के बाद ही घटनाक्रम की पूरी तस्वीर स्पष्ट हो सकेगी। आंदोलन से जुड़े लोगों का आरोप है कि जंतर-मंतर पर प्रदर्शन के दौरान बड़ी संख्या में पुलिसकर्मियों की तैनाती की गई और लोगों को नियंत्रित करने के लिए सख्ती बरती गई। आरोपों के मुताबिक, कुछ प्रदर्शनकारियों के साथ खींचतान हुई और उन्हें वाहनों में बैठाकर वहां से ले जाया गया। प्रदर्शनकारियों के समर्थकों ने इस तरीके पर सवाल उठाते हुए कहा कि अपनी मांगों को सामने रखने के लिए एकत्र हुए नागरिकों के साथ सम्मानजनक व्यवहार किया जाना चाहिए। इस घटनाक्रम ने एक बुनियादी सवाल खड़ा किया है कि विरोध-प्रदर्शन के दौरान प्रशासन और प्रदर्शनकारियों के बीच संतुलन किस तरह कायम किया जाए। कानून-व्यवस्था बनाए रखना पुलिस की जिम्मेदारी है, लेकिन इसी के साथ यह भी जरूरी है कि कार्रवाई करते समय नागरिकों की गरिमा और उनके कानूनी अधिकारों का ध्यान रखा जाए। किसी भी प्रदर्शन के दौरान यदि तनाव की स्थिति बनती है, तो उसे नियंत्रित करने के लिए पारदर्शी प्रक्रिया, स्पष्ट निर्देश और संवाद की भूमिका महत्वपूर्ण हो जाती है। प्रदर्शनकारियों की ओर से यह भी सवाल उठाया जा रहा है कि यदि उनकी मांगों को लेकर कोई आपत्ति या प्रतिबंध था, तो उसके कारणों को स्पष्ट रूप से बताकर संवाद का रास्ता क्यों नहीं अपनाया गया। आंदोलन के समर्थकों का कहना है कि जनता की शिकायतों को सुनना और उनके समाधान की दिशा में कदम उठाना किसी भी लोकतांत्रिक शासन व्यवस्था की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। इस पूरे घटनाक्रम का सबसे संवेदनशील पहलू पत्रकारों के साथ कथित दुर्व्यवहार और कवरेज में आई बाधाओं से जुड़ा है। आंदोलन से संबंधित आरोपों के अनुसार, घटनास्थल पर रिपोर्टिंग करने पहुंचे कुछ पत्रकारों, कैमरामैनों और स्वतंत्र मीडियाकर्मियों को परेशानी का सामना करना पड़ा। दावा किया गया है कि प्रेस पहचान-पत्र दिखाने के बावजूद कुछ मीडियाकर्मियों के साथ धक्का-मुक्की हुई, उनके कैमरों और मोबाइल फोन को लेकर खींचतान की गई तथा कुछ लोगों को हिरासत में लेकर बसों में बैठाया गया। यदि पत्रकारों को केवल अपना काम करने के कारण रोका गया या उनके साथ अनुचित व्यवहार हुआ, तो यह गंभीर चिंता का विषय है। हालांकि, किसी भी घटना की वास्तविक स्थिति निर्धारित करने के लिए संबंधित पत्रकारों के बयान, उपलब्ध दृश्य सामग्री और पुलिस का पक्ष सामने आना जरूरी है।

जब घर की खिड़कियाँ खुली हों, लेकिन मन के दरवाज़े बंद हो जाएँ



रूपेश सोलंकी

आज के समय में लोगों के घर बड़े होते जा रहे हैं, सुविधाएँ बढ़ रही हैं और जीवन स्तर ऊँचा उठ रहा है, लेकिन कहीं न कहीं लोगों के मन के बीच की दूरियाँ भी बढ़ती जा रही हैं। घर की खिड़कियों से ताज़ी हवा तो आती है, लेकिन क्या रिश्तों में भी भावनाओं की ताज़गी बनी हुई है? इस पर विचार करने का समय आ गया है। एक समय था, जब शाम होते ही घर के आँगन में परिवार के सभी सदस्य एकत्रित होते थे। दिनभर की बातें होती थीं, बड़ों के अनुभव सुनने को मिलते थे और बच्चों को संस्कारों की विरासत सहज रूप से प्राप्त होती थी। आज एक ही घर में रहने वाले सदस्य भी अपनी-अपनी दुनिया में व्यस्त हैं। कोई मोबाइल में खोया हुआ है, कोई काम के तनाव में है, तो कोई अपनी भावनाएँ व्यक्त करने के लिए एक उचित व्यक्ति की तलाश कर रहा है। सच्चा सुख महँगे फर्नीचर, आकर्षक पर्दों या आधुनिक सुविधाओं में नहीं है; वह तो परिवार के सदस्यों के बीच प्रेम, विश्वास और आत्मीयता में बसता है। घर में हर वस्तु के लिए जगह हो, लेकिन एक-दूसरे की बातें सुनने के लिए समय न हो, तो उसे सुख की नहीं, बल्कि सुविधाओं की समृद्धि कहा जाएगा। रिश्तों को जीवंत बनाए रखने के लिए महँगे उपहारों की आवश्यकता नहीं होती। कभी प्रेम से पूछा गया एक सवाल, थके हुए चेहरे पर बिखरी स्नेहभरी मुस्कान या कठिन समय में दिया गया साथ भी किसी अनमोल उपहार से अधिक मूल्यवान बन जाता है।

हम बच्चों को सफल होना सिखाते हैं, लेकिन रिश्तों को निभाना कितना सिखाते हैं? हम उन्हें तकनीक का उपयोग करना सिखाते हैं, लेकिन दूसरों की भावनाओं को समझने की कला सिखाना भी उतना ही आवश्यक है। याद रखिए, घर ईंटों और सीमेंट से बनता है, लेकिन परिवार प्रेम से बनता है। दीवारें घर को सुरक्षित रखती हैं, जबकि संवेदनाएँ रिश्तों को सुरक्षित रखती हैं। आइए, घर की खिड़कियाँ खुली रखने के साथ-साथ अपने मन के दरवाज़े भी खोलें। क्योंकि सच्चा घर वह नहीं है, जहाँ हम केवल रहते हैं; सच्चा घर वह है, जहाँ कोई हमें समझता है, हमारी बात सुनता है और हमें पूरे हृदय से स्वीकार करता है।

श्रीमद्भगवद्गीता के प्रथम अध्याय 'अर्जुनविषादयोग' का विस्तृत विश्लेषण

श्रीमद्भगवद्गीता सनातन धर्म के सबसे पवित्र और दार्शनिक ग्रंथों में से एक है। महाभारत के 'भीष्म पर्व' का हिस्सा यह महान ग्रंथ केवल धार्मिक उपदेश नहीं, बल्कि मानव जीवन की हर कठिन परिस्थिति से निपटने का जीवन-दर्शन है। गीता का प्रथम अध्याय, जिसे 'अर्जुनविषादयोग' कहा जाता है, कुल 47 श्लोकों का एक अत्यंत महत्त्वपूर्ण भाग है।

यद्यपि इस पहले अध्याय में भगवान श्री कृष्ण का कोई प्रत्यक्ष दार्शनिक उपदेश (ज्ञान-वाणी) प्रारंभ नहीं होता, फिर भी यह अध्याय पूरी गीता का सबसे मजबूत आधार स्तंभ है। आइए विस्तार से समझते हैं कि प्रथम अध्याय का मूल विषय, वातावरण और इसका आध्यात्मिक संदेश क्या है।

1. अध्याय का नाम और अर्थः 'अर्जुनविषादयोग' प्रथम अध्याय का नाम 'अर्जुनविषादयोग' है। यहाँ 'विषाद' शब्द का अर्थ है–गहरा दुख, मोह, भ्रम या अवसाद साधारण भाषा में 'विषाद' एक नकारात्मक मानसिक स्थिति मानी जाती है, लेकिन गीता में इसे 'योग' कहा गया है। इसका कारण यह है कि जब मनुष्य का मन संसार के भ्रमों से टूटता है और अपनी लाचारी का अनुभव करता है, तभी वह सत्य (ईश्वर) की खोज में आगे बढ़ता है। अर्जुन का यह विषाद ही उसे भगवान श्री कृष्ण के चरणों में ले जाता है, जहाँ से ब्रह्मज्ञान का जन्म होता है।

2. कथानक और पृष्ठभूमि धृतराष्ट्र का प्रश्नः अध्याय की शुरुआत कुरुक्षेत्र के युद्धभूमि से होती है। जन्म से अंधे राजा धृतराष्ट्र अपने सारथी संजय से पूछते हैंः

'धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः।
मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत सञ्जय॥'

(हे संजय! धर्मभूमि कुरुक्षेत्र में एकत्र हुए मेरे और पाण्डु के पुत्रों ने क्या किया)

सेनाओं का निरीक्षणः संजय धृतराष्ट्र को युद्धभूमि का वर्णन सुनाते हैं। कौरव सेनापति दुर्योधन अपनी और पांडवों की सेना का जायजा लेता है और अपने गुरु द्रोणाचार्य के पास जाकर दोनों पक्षों के प्रमुख योद्धाओं का वर्णन करता है।

?शंखनादः युद्ध की घोषणा स्वरूप कौरव पक्ष से पितामह भीष्म अपना भयंकर शंख बजाते हैं। इसके उत्तर में भगवान श्री कृष्ण 'पांचजन्य' और अर्जुन 'देवदत्त' नामक दिव्य शंख बजाते हैं। पूरा आकाश और पृथ्वी शंखध्वनि से गूंज उठती है।

रथ को दोनों सेनाओं के बीच ले जानाः युद्ध शुरू होने ही वाला होता है कि अर्जुन भगवान श्री कृष्ण (जो उनके सारथी बने हैं) से कहते हैं– 'हे अच्युत! मेरे रथ को दोनों सेनाओं के मध्य में खड़ा कीजिए, ताकि मैं देख सकूं कि मुझे किन-किन लोगों से युद्ध करना है।'

3. अर्जुन का मोह और मानसिक द्वंद्व जब श्री कृष्ण अर्जुन के रथ को कौरव और पांडव सेनाओं के बिल्कुल बीच में ले जाकर पितामह भीष्म और गुरु द्रोण के सामने खड़ा करते हैं, तब अर्जुन की दृष्टि दोनों ओर फैली अपनी ही पारिवारिक मंडली पर पड़ती है।

अपनों को देखनाः अर्जुन देखते हैं कि सामने उनके पितामह (बाबा), गुरुजन, चाचा, भाई, पुत्र, मित्र और सगे-संबंधी खड़े हैं।द्व ?करुणा और मोह का उदयः उन्हें अचानक यह अहसास होता है कि राज्य और सुख भोगने के लिए उन्हें अपने ही परिजनों का वध करना पड़ेगा। इस विचार से अर्जुन का मन अत्यंत व्याकुल और करुणा से भर जाता है। शारीरिक व मानसिक लक्षणः अर्जुन के शरीर में कंपन होने लगता है, रोंगटे खड़े हो जाते हैं, हाथ से धनुष (गांडीव) छूटकर गिरने लगता है और उनका मुख सूख जाता है।

4. अर्जुन द्वारा दिए गए कुतर्क (विषाद के कारण) अपनी इस मानसिक दुर्बलता को सही ठहराने के लिए अर्जुन श्री कृष्ण के सामने कई तर्क रखते हैंः कुलनाश का पापः परिजनों को मारने से कोई कल्याण नहीं होगा। राज्य या तीनों लोकों का सुख भी अपने भाइयों और गुरुओं के रक्त से सने हाथों से नहीं भोगा जा सकता। अधर्म का प्रसारः जब कुल का नाश होता है, तो सनातन कुल-धर्म नष्ट हो जाता है। व्यभिचार और अधर्म बढ़ता है, जिससे पितरों का पतन होता है और समाज में अराजकता फैलती है। पाप का भयः अपनों को मारने से बड़ा कोई पाप नहीं है। अर्जुन यहाँ तक कहते हैं कि यदि कौरव मुझे शस्त्रहीन अवस्था में मार भी दें, तो वह भी मेरे लिए कल्याणकारी होगा।

अध्याय का समापनः अध्याय के अंत (47वें श्लोक) में अर्जुन शोक से अत्यंत व्याकुल होकर अपना धनुष-बाण त्याग देते हैं और रथ के पिछले हिस्से में बैठ जाते हैं।

5. प्रथम अध्याय से हमें क्या उपदेश/सीख मिलती है? यद्यपि भगवान श्री कृष्ण दूसरे अध्याय से उपदेश देना शुरू करते हैं, लेकिन प्रथम अध्याय मनुष्य के व्यावहारिक जीवन के लिए अत्यंत महत्त्वपूर्ण सबक देता हैः

1. जीवन का युद्ध क्षेत्र (धर्मक्षेत्र-कुरुक्षेत्र): कुरुक्षेत्र केवल एक भौगोलिक स्थान नहीं है, बल्कि यह हमारा हृदय और मन है। हमारे भीतर रोजाना धर्म (अच्छाई) और अधर्म (बुराई) का युद्ध चलता रहता है।

2. 'मैं' और 'मेरे' का मोह ही दुख का मूल है अर्जुन एक महान योद्धा थे, लेकिन जैसे ही उन्होंने 'मेरे अपने' की भावना से स्थिति को देखा, उनका विवेक नष्ट हो गया। जब तक हम किसी परिस्थिति को तटस्थ होकर नहीं देखते, तब तक मोह हमें सही निर्णय नहीं लेने देता।

3. कर्तव्य बनाम भावनाएं : जब जीवन में कर्तव्य और भावनाओं के बीच टकराव होता है, तो मनुष्य प्रायः भ्रमित हो जाता है। अर्जुन का विषाद यही दिखाता है कि जब भावनाएं कर्तव्य पर हावी हो जाती हैं, तो साहसी से साहसी व्यक्ति भी कमजोर पड़ जाता है।

4. गुरु/ईश्वर की शरण का महत्त्वः प्रथम अध्याय यह स्थापित करता है कि जब मनुष्य अपनी बुद्धि और क्षमता से जीवन के संकटों को सुलझाने में असफल हो जाता है, तब उसे एक सच्चे मार्गदर्शक या ईश्वर की शरण में जाना पड़ता है। अर्जुन का यह विषाद ही उन्हें आगे चलकर शिष्य के रूप में कृष्ण की शरण में ले जाता है।

क्राइम फ़ाइल

सनसनीखेज क्राइम स्टोरीः 'द घोस्ट क्लू'–जब एक डिजिटल पहेली और अंधे कत्ल के आगे पस्त हो गई पुलिस

राजधानी दिल्ली के पॉश इलाके वसंत कुंज के एक बंद फ्लैट में मिली कारोबारी की लाश और मौके से गायब सारे सबूत। न कोई फिंगरप्रिंट, न जबरन एंट्री के निशान, और न ही कोई चश्मदीद! दिल्ली पुलिस के इतिहास में ऐसे कई मामले आए हैं जिन्होंने जांच एजेंसियों की नींद उड़ा दी, लेकिन यह एक ऐसा केस था जिसे सुलझाने में दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच और साउथ-वेस्ट डिस्ट्रिक्ट की विशेष इन्वेस्टिगेशन टीम की रातों की नींद हराम हो गई थी।

आज 'महानगर मेट्रो' की इस विशेष क्राइम सीरीज में पढ़िए उस उलझे हुए मर्डर केस की पूरी कहानी, जिसने पुलिस इन्वेस्टिगेशन सिस्टम की कड़ी परीक्षा ली।

रहस्यमयी हत्याकांडः बंद कमरे में मिला बिजनेसमैन का शव

घटना की शुरुआत वसंत कुंज इलाके की एक बहुमंजिला इमारत से हुई। कपड़े के बड़े व्यापारी राजेश मल्होत्रा पिछले दो दिनों से अपने फोन का जवाब नहीं दे रहे थे। जब परिजनों ने घर पहुंचकर मास्टर चाबी से दरवाजा खोला, तो अंदर का नजारा देखकर उनके पैरों तले जमीन खिसक गई।

राजेश अपने बेडरूम में खून से लथपथ पड़े थे। गले पर किसी धारदार हथियार का गहरा घाव था। शुरुआती जांच में मामला सीधा मर्डर का लग रहा था, लेकिन जैसे ही फॉरेंसिक टीम और लोकल पुलिस ने जांच शुरू की, केस एक अभेद्य पहेली में बदल गया।

कोई जबरन एंट्री नहींः घर का मुख्य दरवाजा अंदर से लॉक था।

गायब थे सुरागः फॉरेंसिक एक्सपर्ट्स को पूरे कमरे से कातिल का एक भी फिंगरप्रिंट या डीएनए सैंपल नहीं मिला।

सीसीटीवी का रहस्यः सोसाइटी के मुख्य गेट और लिफ्ट के सीसीटीवी फुटेज में पिछले 48 घंटों के भीतर कोई भी संदिग्ध व्यक्ति आता या जाता हुआ दिखाई नहीं दिया।

जांच में आई बड़ी रुकावटेंः आखिर पुलिस क्यों हुई पस्त?

इस केस को सुलझाने के लिए स्पेशल कमिश्नर ऑफ पुलिस (क्राइम) के मार्गदर्शन और डीसीपी (साउथ-वेस्ट) की देखरेख में एक ज्वाइंट इन्वेस्टिगेशन टीम का गठन किया गया, जिसकी कमान इंस्पेक्टर राम सिंह मीना और उनकी क्राइम ब्रांच की टीम को सौंपी गई। लेकिन हर बीतते दिन के साथ पुलिस की उलझन बढ़ती ही जा रही थीः

1. संदिग्धों की लंबी सूची और ठोस सबूत का अभावः राजेश का बड़ा व्यापार था, इसलिए रंजिश के एंगल से उनके पार्टनर, कर्मचारियों और रिश्तेदारों से पूछताछ की गई। करीब 50 से अधिक लोगों के नार्को और पॉलीग्राफ टेस्ट की नौबत आ गई, लेकिन कोई सुराग हाथ नहीं लगा।

2. स्मार्ट कातिलः कातिल ने अपराध को इतने शातिराना तरीके से अंजाम दिया था कि उसने राजेश का मोबाइल फोन तक गायब कर दिया था, ताकि कॉल डिटेल रिकॉर्ड्स और लास्ट लोकेशन का तुरंत पता न चल सके।

3. डिजिटल फुटप्रिंट मिटानाः पुलिस जब राजेश के लैपटॉप और क्लाउड डेटा तक पहुंची, तो पता चला कि मर्डर के ठीक बाद सारे डिजिटल रिकॉर्ड्स रिमोटली डिलीट कर दिए गए थे।

मामले की गंभीरता को देखते हुए केस की जाँच एसीपी ऑपरेशंस (क्राइम ब्रांच) विवेक कुमार को सौंपी गई। शुरुआती कुछ हफ्तों तक कोई पुख्ता सुराग न मिलने के कारण पुलिस के लिए यह केस एक 'परफेक्ट क्राइम' जैसा बन चुका था। मीडिया का दबाव और उच्च अधिकारियों की फटकार ने जांच टीम की मानसिक स्थिति बिगाड़ दी थी।

वो एक 'डिजिटल सुराग' जिसने खोल दी पूरी साजिश

जब पारंपारिक पुलिसिंग (खबरी, सीसीटीवी, फिंगरप्रिंट) पूरी तरह फेल हो गई, तब इंस्पेक्टर राम सिंह मीना की टीम ने नेशनल साइबर फॉरेंसिक लैब की मदद ली और एक अलग एंगल से जांच शुरू की।

पुलिस ने सोसाइटी के वाई-फाई राउटर और पास के मोबाइल टावर का 'डम्प डेटा' एनालाइज करना शुरू किया। लाखों डेटा पैकेट्स की स्क्रूटनी के बाद एक अजीब बात सामने आई–जिस रात हत्या हुई, उस रात 2:15 बजे राजेश के घर के वाई-फाई से एक अज्ञात स्मार्टवॉच कनेक्ट हुई थी और ठीक 2:40 बजे डिस्कनेक्ट हो गई थी।

इस छोटे से डिजिटल सुराग ('स्मार्टवॉच ब्लूटूथ आईडी') का पीछा करते हुए एसीपी विवेक कुमार के नेतृत्व में पुलिस टीम ने राजधानी के सभी प्रमुख इलेक्ट्रॉनिक्स सर्विस सेंटरों और ऑनलाइन टेक-सपोर्ट डेटाबेस को खंगाला। आखिरकार 3 महीने की कड़ी मशक्कत के बाद वह स्मार्टवॉच एक सिरफिरे हैकर और राजेश के ही पूर्व आईटी मैनेजर अमित सहगल के पास पाई गई!

सनसनीखेज खुलासाः कैसे रचा गया था पूरा षड्यंत्र? पकड़े जाने पर आरोपी अमित सहगल ने जो खुलासा किया, उसने दिल्ली पुलिस के भी होश उड़ा दिए प्लानिंगः आरोपी को कंपनी से निकाला गया था, जिसका बदला लेने के लिए उसने 6 महीने तक हत्या की योजना बनाई।

एंट्री और एग्जिटः उसने सोसाइटी के डक्ट एरिया और बालकनी के रास्ते बिना किसी सीसीटीवी की नजर में आए घर में प्रवेश किया था।क्लीन-अपः ग्लव्स और प्लास्टिक सूट पहनकर हत्या करने के बाद उसने रसायनों से पूरे कमरे के निशान साफ कर दिए थे ताकि कोई डीएनए या फिंगरप्रिंट न बचे।

'महानगर मेट्रो' का नजरिया

डीसीपी और एसीपी विवेक कुमार के नेतृत्व में वसंत कुंज थाने और क्राइम ब्रांच की संयुक्त टीमों द्वारा की गई यह कड़ी मेहनत यह साबित करती है कि कातिल चाहे कितना भी शातिर क्यों न हो और अपराध कितना भी 'परफेक्ट' क्यों न लगे, खाकी के जज्बे और तकनीकी सूझबूझ के आगे अपराधी अंततः कानून के शिकंजे में फंस ही जाते हैं।

पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में हार्ट अटैक का दावा, मुख्य कोरोनरी आर्टरी में खून का थक्का बनने की बात

गोवा मेडिकल कॉलेज के डॉक्टर के हवाले से मौत का कारण बताया गया; पुलिस जांच में दोस्त को देर रात संदेश भेजने और घर पर बेहोशी की हालत में मिलने का जिक्र

नाना पाटेकर के निधन से जुड़ी एक खबर में दावा किया गया है कि पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में मौत का कारण गंभीर हार्ट अटैक बताया गया है। उपलब्ध मसौदे के अनुसार, गोवा मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल के एक वरिष्ठ डॉक्टर ने रविवार को समाचार एजेंसी पीटीआई को जानकारी दी कि दिल की मुख्य नस में खून का थक्का जमने के कारण यह स्थिति बनी। हालांकि, इस खबर और संबंधित पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट की स्वतंत्र पुष्टि आवश्यक है। मसौदे में बताया गया है कि रिपोर्ट में एथेरोस्क्लेरोटिक कोरोनरी आर्टरी डिजीज के कारण लेफ्ट मेन कोरोनरी आर्टरी में खून का थक्का बनने और गंभीर हार्ट अटैक आने का उल्लेख है। यह धमनी हृदय के बड़े हिस्से तक रक्त पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। इसमें रक्त प्रवाह बाधित होने पर हृदय को गंभीर नुकसान पहुंच सकता है। उपलब्ध विवरण में मौत को प्राकृतिक कारणों से हुआ बताया गया है। ग़ग़ग़ निधन से कुछ घंटे पहले दोस्त को भेजा था संदेश पु स जांच से जुड़ी जानकारी के अनुसार, नाना पाटेकर ने कथित तौर पर 8 अक्टूबर की सुबह करीब 2:30 बजे अपने करीबी दोस्त अमेय नाईक को वॉट्सऐप संदेश भेजा था। संदेश में उन्होंने अपनी तबीयत ठीक नहीं होने की बात कही थी। इसके बाद उन्होंने दोस्त को फोन भी किया। मसौदे के मुताबिक, अमेय नाईक ने सुबह करीब 3:30 बजे संदेश देखा और तुरंत डोना पावला स्थित घर पहुंचे। वहां उन्होंने नाना पाटेकर को सोफे पर बेहोश पाया। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए उन्होंने सुरक्षा गार्ड की मदद से अस्पताल की आपातकालीन सेवाओं से संपर्क किया। इसके बाद उन्हें मणिपाल अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया।

गोवा मेडिकल कॉलेज में हुआ पोस्टमॉर्टम

दिए गए विवरण के अनुसार, मौत के कारणों का पता लगाने के लिए 8 अक्टूबर को बांबोली स्थित गोवा मेडिकल कॉलेज में पोस्टमॉर्टम किया गया था। इसके बाद पणजी पुलिस ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 की धारा 194 के तहत आकस्मिक मृत्यु का मामला दर्ज किया। इस प्रक्रिया के तहत पुलिस मृत्यु की परिस्थितियों की जांच करती है और आवश्यक जानकारी जुटाती है।

मसौदे में यह भी उल्लेख है कि पार्थिव शरीर गोवा से पुणे लाया गया और डोंजे गांव में राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया गया। इन विवरणों की भी आधिकारिक पुष्टि के बाद ही इन्हें तथ्य के रूप में प्रकाशित किया जाना चाहिए।

करीब पांच दशक के करियर में निभाए यादगार किरदार

नाना पाटेकर भारतीय सिनेमा में अपने प्रभावशाली अभिनय, संवाद अदायगी और बेबाक व्यक्तित्व के लिए पहचाने जाते हैं। उनके अभिनय करियर में कई ऐसे किरदार रहे, जिन्होंने दर्शकों पर गहरी छाप छोड़ी। गंभीर भूमिकाओं से लेकर नकारात्मक किरदारों तक, उनकी अभिनय शैली ने उन्हें हिंदी सिनेमा में अलग पहचान दिलाई।फिल्मों में उनके काम को लेकर कई किस्से भी चर्चित रहे हैं। दिए गए मसौदे में उल्लेख है कि एक बार निर्देशक रवि चोपड़ा ने उन्हें एक फिल्म में दुष्कर्म के आरोपी का किरदार निभाने का प्रस्ताव दिया था, जिस पर कथित तौर पर उनकी तीखी प्रतिक्रिया हुई। बाद में अभिनेत्री स्मिता पाटिल के हस्तक्षेप से मामला शांत होने और उन्हें फिल्म में अहम खलनायक की भूमिका मिलने की बात कही गई है। हालांकि, इस प्रसंग की पुष्टि भी किसी विश्वसनीय स्रोत से की जानी चाहिए।

इसी तरह फिल्म 'परिंदा' की शूटिंग के दौरान निर्देशक विधु विनोद चोपड़ा के साथ उनके विवाद का जिक्र भी उनके करियर से जुड़े चर्चित किस्सों में किया जाता है।

प्रकाशन से पहले जरूरी पुष्टिः नाना पाटेकर के निधन, पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट, पुलिस कार्रवाई और अंतिम संस्कार से संबंधित दावों की आधिकारिक या विश्वसनीय समाचार स्रोतों से पुष्टि किए बिना इस खबर को प्रकाशित न करें।

(सोमवार)12 अक्टूबर 2026

मेष – कार्यक्षेत्र में नई जिम्मेदारी मिल सकती है। आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ेंगे तो रुके हुए कामों में सफलता मिलने के योग हैं।

वृषभ – आर्थिक मामलों में सोच-समझकर निर्णय लें। परिवार का सहयोग मिलेगा और पुराने काम को पूरा करने में सफलता मिल सकती है।

मिथुन – दिन नई संभावनाएं लेकर आ सकता है। बातचीत के जरिए किसी उलझन का समाधान निकलेगा और कार्यक्षेत्र में लाभ के अवसर मिल सकते हैं।

कर्क – योजनाबद्ध तरीके से काम करने पर अच्छे परिणाम मिल सकते हैं। खर्चों पर नियंत्रण रखें और किसी भी निर्णय से पहले सभी पहलुओं पर विचार करें।

सिंह – भावनाओं में बहकर कोई बड़ा फैसला लेने से बचें। धैर्य और समझदारी से काम करेंगे तो पारिवारिक मामलों में बेहतर परिणाम मिल सकते हैं।

कन्या – रिश्तों में मधुरता बढ़ेगी और पुराने मतभेद दूर करने का अवसर मिल सकता है। कामकाज में सकारात्मक प्रगति से मन प्रसन्न रहेगा

तुला – आज परिवार में सुखद माहौल रहेगा और किसी पुरानी चिंता से राहत मिल सकती है। कामकाज में सफलता के लिए अपनी योजनाओं पर ध्यान दें

वृश्चिक – आज मेहनत का सकारात्मक परिणाम मिलने की उम्मीद है। आर्थिक योजना पर ध्यान दें और सेहत को नजरअंदाज किए बिना अपने काम पूरे करें

धनु – नए अवसर आपकी प्रतीक्षा कर रहे हैं, महत्वपूर्ण काम में सफलता मिलेगी और किसी पुराने संपर्क से आपको विशेष लाभ मिल सकता है

मकर – आज रिश्तों में मधुरता बढ़ाने का अवसर मिलेगा। कारोबार में नई संभावनाएं बन सकती हैं, जबकि महत्वपूर्ण फैसलों में संतुलित सोच लाभ देगी

कुंभ – आज अधूरे काम पूरे करने की दिशा में प्रगति हो सकती है। धन के लेन-देन में सावधानी रखें और किसी भी बात पर तुरंत प्रतिक्रिया देने से बचें

मीन – दिन सकारात्मक रहेगा, काम में सफलता के साथ आर्थिक लाभ होगा और परिवार के किसी सदस्य से मिली अच्छी खबर मन प्रसन्न कर देगी

मार्केट के बरामदे में मिला साधु का शव, ईंट और कुल्हाड़ी से वार कर हत्या

महानगर मेट्रो ब्यूरो

हरदोई। उत्तर प्रदेश के हरदोई जिले के बेनीगंज कोतवाली क्षेत्र में रविवार सुबह एक साधु की हत्या का मामला सामने आने से इलाके में सनसनी फैल गई। कोथावां-अतरौली मार्ग स्थित शेर बहादुरपुर चौराहे पर राघवेन्द्र सिंह की मार्केट के बरामदे में साधु का शव पड़ा मिला। सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया। शुरुआती जांच में सामने आया कि साधु की ईंट और कुल्हाड़ी से वार कर हत्या की गई थी। पुलिस ने मामले में मृतक के साथी साधु मुन्नी उर्फ मुंशीलाल को गिरफ्तार किया है। मृतक की पहचान बाबूलाल उर्फ बबूल (35) पुत्र सियाराम, निवासी जियनखेड़ा मजरा कासपुर, थाना बेनीगंज के रूप में हुई है। पुलिस को रविवार सुबह करीब 6 बजे मार्केट के बरामदे में शव पड़े होने की सूचना मिली थी। इसके बाद पुलिस टीम मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। घटनास्थल से वारदात में इस्तेमाल की गई कुल्हाड़ी भी बरामद की गई है। जानकारी के अनुसार, बाबूलाल पिछले करीब 4 साल से साधु बनकर लखनऊ के एक मंदिर में रह रहा था। वहीं, पाही उगपुर निवासी मुन्नी उर्फ मुंशीलाल करीब डेढ़ साल से उसके साथ रह रहा था। दोनों के बीच क्या विवाद हुआ और हत्या की नौबत क्यों आई, इस बारे में फिलहाल स्पष्ट जानकारी सामने नहीं आई है।



पुलिस आरोपी से पूछताछ कर घटना के पीछे की वजह पता लगाने में जुटी है। घटना की जानकारी मिलने पर क्षेत्राधिकारी लक्ष्मीकांत गौतम पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का निरीक्षण किया। फॉरेंसिक टीम ने भी मौके से साक्ष्य जुटाए। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर आवश्यक कानूनी कार्रवाई शुरू की। घटनास्थल की जांच और शुरुआती पूछताछ के आधार पर पुलिस ने मृतक के साथी मुन्नी उर्फ मुंशीलाल को गिरफ्तार कर लिया। अपर पुलिस अधीक्षक सुबोध गौतम ने बताया कि साधु की ईंट और कुल्हाड़ी से वार कर हत्या की गई है। जांच में मृतक के साथी मुन्नी उर्फ मुंशीलाल की संलिप्तता सामने आई है। आरोपी को गिरफ्तार कर पूछताछ की जा रही है और घटनास्थल से कुल्हाड़ी बरामद की गई है। पुलिस के अनुसार, मामले में आगे की वैधानिक कार्रवाई जारी है। फिलहाल हत्या के पीछे का वास्तविक कारण स्पष्ट नहीं हुआ है। पुलिस दोनों के बीच संभावित विवाद सहित सभी पहलुओं की जांच कर रही है।

एफएसएसएआई ने दिया 'ईट राइट प्लेस ऑफ वर्शिप' प्रमाणपत्र

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अयोध्या। श्री राम जन्मभूमि मंदिर को खाद्य सुरक्षा और स्वच्छता के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण मान्यता मिली है। भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) ने श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र को 'ईट राइट प्लेस ऑफ वर्शिप' प्रमाणपत्र प्रदान किया है। यह प्रमाणपत्र मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं को परोसे जाने वाले भोजन की सुरक्षा, साफ-सफाई और गुणवत्ता से जुड़े निर्धारित मानकों के पालन के लिए दिया गया है। यह प्रमाणपत्र 2 साल तक मान्य रहेगा। जानकारी के अनुसार, अयोध्या में आयोजित एक विशेष समारोह के दौरान एफएसएसएआई के मुख्य कार्यकारी अधिकारी रजित पुन्हानी ने यह प्रमाणपत्र सौंपा। इस मान्यता का उद्देश्य धार्मिक स्थल पर भोजन तैयार करने, उसे सुरक्षित रखने और श्रद्धालुओं तक स्वच्छ तरीके से पहुंचाने की व्यवस्थाओं को प्रोत्साहित करना है। मंदिर में देश के अलग-अलग हिस्सों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचते हैं। ऐसे में भोजन की स्वच्छता और सुरक्षा से जुड़े मानकों का पालन महत्वपूर्ण माना जाता है। 'ईट राइट प्लेस ऑफ वर्शिप' पहल एफएसएसएआई के उस प्रयास का हिस्सा है, जिसके तहत देशभर के धार्मिक स्थलों पर सुरक्षित, स्वच्छ और पौष्टिक भोजन की व्यवस्था को बढ़ावा दिया जाता है। धार्मिक स्थलों पर सामुदायिक रसोई, प्रसाद वितरण और अन्य व्यवस्थाओं के माध्यम से बड़ी संख्या में लोगों को भोजन उपलब्ध कराया जाता है। ऐसे में भोजन तैयार करने से लेकर उसके भंडारण और वितरण तक स्वच्छता बनाए रखना जरूरी होता है। इस प्रमाणपत्र के तहत धार्मिक स्थल पर भोजन से जुड़ी व्यवस्थाओं में साफ-सफाई, सुरक्षित भंडारण, भोजन संभालने के उचित तरीके और निर्धारित खाद्य सुरक्षा मानकों के पालन पर जोर दिया जाता है। इसका उद्देश्य श्रद्धालुओं को सुरक्षित भोजन उपलब्ध कराने के साथ-साथ धार्मिक परिसरों में स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ाना भी है। राम मंदिर के उद्घाटन के बाद से अयोध्या में श्रद्धालुओं की आवाजाही में बढ़ोतरी देखी गई है। देश के विभिन्न राज्यों के अलावा विदेशों से भी श्रद्धालु रामलला के दर्शन के लिए पहुंचते हैं।



यूपी में पूजा के नाम पर बिकने वाले 'घी' पर रोक, उत्पादन करने वालों का लाइसेंस होगा निलंबित

महानगर मेट्रो ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में पूजा, हवन और दीपक जलाने के नाम पर बेचे जाने वाले अखाद्य वसा उत्पादों को लेकर खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन ने सख्त कदम उठाया है। विभाग ने 'पूजा घी' के नाम से किसी भी उत्पाद के निर्माण, भंडारण और बिक्री पर तत्काल प्रभाव से रोक लगाने के निर्देश जारी किए हैं। आदेश का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। नियमों की अनदेखी करने पर संबंधित उत्पादों का स्टॉक जब्त करने के साथ निर्माण इकाई का लाइसेंस भी निलंबित किया जा सकता है। खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन की आयुक्त डॉ. रोशन जैकब के अनुसार, कुछ विनिर्माण इकाइयों की ओर से वनस्पति, रिफाइंड तेल, एसेंस, पैराफिन, मिनरल ऑयल और अन्य रासायनिक पदार्थों के साथ वसा का इस्तेमाल कर पूजा, हवन और दीपक जलाने के लिए उत्पाद तैयार किए जा रहे हैं। इन उत्पादों को बाजार में इस तरह पैक करके और प्रस्तुत करके बेचा जाता है कि उनका रंग, गंध, स्वरूप और पैकेजिंग खाद्य घी जैसी दिखाई दे सकती है। विभाग का मानना है कि इस तरह की समानता के कारण उपभोक्ता भ्रमित होकर इन अखाद्य उत्पादों का इस्तेमाल खाने-पीने में भी कर सकते हैं। इससे खाद्य सुरक्षा को लेकर जोखिम पैदा होने की आशंका रहती है। साथ ही खाद्य और अखाद्य उत्पादों के बीच भ्रम, गलत लेबलिंग और गैर-खाद्य वस्तुओं के खाद्य आपूर्ति श्रृंखला में पहुंचने की संभावना भी बनी रहती है। इसी को ध्यान में रखते हुए 'पूजा घी' के नाम से ऐसे उत्पादों के निर्माण और बिक्री पर रोक लगाने का निर्णय लिया गया है। खाद्य सुरक्षा कानून और संबंधित नियमों के तहत खाने वाले घी के लिए निर्धारित मानक हैं। ऐसे में पूजा या हवन के लिए तैयार किए जाने वाले अखाद्य वसा उत्पादों के पैकेट पर 'घी' शब्द का इस्तेमाल नहीं किया जा सकेगा। इन उत्पादों को 'पूजा के लिए घी' के नाम से प्रचारित करने पर भी रोक रहेगी। विभाग का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि उपभोक्ता खाद्य घी और पूजा में इस्तेमाल होने वाले अखाद्य उत्पादों के बीच स्पष्ट अंतर समझ सकें। आदेश के अनुसार, पूजा के लिए तैयार किए जाने वाले अखाद्य वसा उत्पादों की खुदरा पैकेजिंग पर निर्धारित पहचान चिह्न लगाना भी जरूरी होगा। इसके तहत पैकेट पर एक वर्ग के भीतर काले रंग का क्रॉस निर्धारित आकार में अंकित करना होगा। इससे उपभोक्ताओं को उत्पाद की प्रकृति पहचानने में मदद मिलेगी और उसे खाद्य पदार्थ समझने की आशंका कम होगी।



10 साल से सरकारी नौकरी कर रहे डॉक्टर की एमबीबीएस डिग्री निकली फर्जी, 32 बच्चों की मौत के मामले के बीच बड़ा खुलासा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

बालाघाट। मध्य प्रदेश के बालाघाट जिले के बिरसा क्षेत्र से स्वास्थ्य विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े करने वाला मामला सामने आया है। यहां सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में करीब 10 साल तक सेवाएं देने वाले डॉक्टर डॉ. सुनील सिंह की एमबीबीएस डिग्री जांच में फर्जी पाई गई है। स्वास्थ्य विभाग की जांच के बाद उनके खिलाफ बिरसा थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई गई है। यह खुलासा ऐसे समय में हुआ है, जब बिरसा क्षेत्र में 32 बच्चों की मौत से जुड़ा मामला पहले ही चर्चा में है। इस घटनाक्रम के बाद स्वास्थ्य विभाग में हलचल मची हुई है और सरकारी अस्पतालों में डॉक्टरों की शैक्षणिक योग्यता के सत्यापन को लेकर सवाल उठ रहे हैं। जानकारी के अनुसार, डॉ. सुनील सिंह पिछले करीब एक दशक से बालाघाट जिले के बिरसा क्षेत्र में सरकारी



स्वास्थ्य सेवाएं दे रहे थे। उन्होंने अपनी एमबीबीएस की डिग्री रीवा स्थित अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय से प्राप्त होना बताया था। स्वास्थ्य विभाग की ओर से कराई गई जांच में उनकी डिग्री को लेकर अनियमितता सामने आई। इसके बाद विभाग ने मामले में कानूनी कार्रवाई करने के निर्देश जारी किए। आरोप है कि जिस शैक्षणिक योग्यता के आधार पर डॉक्टर सरकारी सेवा में कार्यरत थे, उससे संबंधित दस्तावेज जांच में सही नहीं पाए गए। स्वास्थ्य विभाग की ओर से 9 अक्टूबर को डॉ. सुनील सिंह के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराने के निर्देश जारी किए गए थे। इसके बाद मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. शत्रुघन सिंह दाहिया की पुष्टि के बाद बिरसा के खंड चिकित्सा अधिकारी ने संबंधित थाने में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस अधीक्षक आदित्य मिश्रा ने भी मामले की पुष्टि की है। पुलिस अब दर्ज मामले के आधार पर आगे की कार्रवाई कर रही है। हालांकि, इस प्रकरण में जांच से जुड़े सभी तथ्यों और दस्तावेजों की विस्तृत जानकारी सामने आना बाकी है। डॉक्टर की डिग्री से जुड़ा यह मामला इसलिए भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है, क्योंकि सरकारी स्वास्थ्य सेवाओं में डॉक्टरों की शैक्षणिक योग्यता और पेशेवर पात्रता सीधे मरीजों के उपचार से जुड़ी होती है। अस्पताल में आने वाले मरीज और उनके परिजन डॉक्टर की योग्यता पर भरोसा करके उपचार कराते हैं। ऐसे में यदि किसी डॉक्टर के दस्तावेजों में गड़बड़ी सामने आती है, तो संबंधित विभाग की नियुक्ति प्रक्रिया, दस्तावेजों के सत्यापन और लंबे समय तक निगरानी की व्यवस्था पर सवाल उठना स्वाभाविक है। इस मामले में भी यह जानना महत्वपूर्ण होगा कि नियुक्ति के समय प्रस्तुत दस्तावेजों का सत्यापन किस तरह किया गया था और कथित अनियमितता इतने वर्षों तक सामने क्यों नहीं आई। यह खुलासा बिरसा क्षेत्र में 32 बच्चों की मौत से जुड़े मामले के बीच हुआ है। उपलब्ध जानकारी के अनुसार, क्षेत्र में बीमारी के कारण बच्चों की मौत का मामला पहले से ही जांच और कानूनी प्रक्रिया के दायरे में है। इस मामले को लेकर जबलपुर हाईकोर्ट में याचिका दायर किए जाने की बात भी सामने आई है। इसके अलावा, सुप्रीम कोर्ट में भी बच्चों की मौत से संबंधित मामले को स्वतः संज्ञान के तहत सुनवाई के दायरे में लिए जाने की जानकारी दी गई है।

20 साल की बेटी ने दूसरी जाति के लड़के से कर ली शादी, गुस्साए किसान ने जीते जी कर दिया पिंडदान

महानगर मेट्रो ब्यूरो

चंदौली। उत्तर प्रदेश के चंदौली में दूसरी जाति के युवक से शादी करने पर एक किसान परिवार की नाराजगी का मामला सामने आया है। परिवार की मर्जी के खिलाफ शादी करने वाली 20 वर्षीय बेटी से नाराज पिता ने उसके जीवित रहते ही सांकेतिक पिंडदान कर दिया। परिवार ने घर के पास पीपल के पेड़ के नीचे पिंडदान और मृत्यु के बाद निभाई जाने वाली अन्य रस्में पूरी कीं। इसके बाद पिता ने बेटी से सभी रिश्ते खत्म करने का ऐलान कर दिया। यह घटना शनिवार को चंदौली जिला मुख्यालय से करीब 3 किलोमीटर दूर स्थित एक गांव की बताई जा रही है। परिवार के सदस्यों के अनुसार, किसान की बेटी एक 24 वर्षीय युवक के साथ रिश्ते में थी। दोनों की शादी को लेकर परिवार सहमत नहीं था। करीब 2 महीने पहले युवती घर छोड़कर चली गई थी। बाद में उसने अपनी पसंद के युवक से शादी कर ली। फिलहाल दोनों सोनभद्र में रह रहे हैं। परिवार की ओर से युवती को वापस घर लाने के लिए कई बार कोशिश किए जाने की बात कही गई है, लेकिन युवती ने लौटने से इनकार कर दिया। इससे परिवार की नाराजगी और बढ़ गई। इसके बाद पिता ने बेटी के जीवित रहते ही उसके नाम पर सांकेतिक पिंडदान और अंतिम संस्कार से



जुड़ी रस्में निभाने का फैसला किया। किसान पिता ने कहा कि बेटी के उनकी मर्जी के बिना शादी करने के फैसले से उन्हें गहरा दुख पहुंचा है। उनके मुताबिक, सांकेतिक पिंडदान करने का उद्देश्य अपनी पीड़ा और निराशा जाहिर करना था। उन्होंने कहा कि अब वह बेटी को परिवार का हिस्सा नहीं मानते। वहीं, युवती के चाचा ने भी इस फैसले पर परिवार की भावनात्मक स्थिति का हवाला दिया। उनका कहना था कि परिवार ने बेटी को प्यार और देखभाल के साथ पाला-पोसा, लेकिन दूसरी जाति के युवक को जीवनसाथी चुनने के उसके फैसले से परिवार को दुख पहुंचा है। इस मामले में फिलहाल परिवार की ओचंदौली। उत्तर प्रदेश के चंदौली जिले में अपनी पसंद से शादी करने वाली बेटी को लेकर एक किसान परिवार का मामला चर्चा में है। परिवार की मर्जी के खिलाफ दूसरी जाति के युवक से शादी करने पर नाराज पिता ने अपनी 20 वर्षीय बेटी का उसके जीवित रहते ही सांकेतिक पिंडदान कर दिया। परिवार ने घर के पास स्थित पीपल के पेड़ के नीचे पिंडदान और मृत्यु के बाद निभाई जाने वाली अन्य रस्में पूरी कीं। इसके बाद पिता ने बेटी से सभी रिश्ते खत्म करने का ऐलान करते हुए कहा कि अब वह उसे अपने परिवार का हिस्सा नहीं मानते। यह घटना शनिवार को जिला मुख्यालय से करीब 3 किलोमीटर दूर स्थित एक गांव में हुई। जानकारी के अनुसार, किसान की बेटी 24 वर्षीय युवक के साथ रिश्ते में थी। दोनों एक-दूसरे को पसंद करते थे, लेकिन शादी को लेकर परिवार की सहमति नहीं थी। इसके बावजूद युवती ने अपनी पसंद से जीवनसाथी चुनने का फैसला किया। करीब 2 महीने पहले वह घर छोड़कर चली गई थी। बाद में दोनों ने शादी कर ली और वर्तमान में सोनभद्र में रह रहे हैं। युवती के घर छोड़ने और शादी करने के बाद परिवार की ओर से उसे वापस लाने की कोशिशें की गईं। परिजनों ने कई बार उससे घर लौटने के लिए कहा, लेकिन युवती ने वापस आने से इनकार कर दिया। परिवार के सदस्यों के मुताबिक, बेटी के इस फैसले से पिता और अन्य परिजन भावनात्मक रूप से आहत हैं। समय बीतने के साथ नाराजगी बढ़ती गई और आखिरकार पिता ने बेटी से संबंध समाप्त करने का फैसला कर लिया।

भोपाल मंडल में 4500 टिकट हुए रद्द, रेलवे 24 से 48 घंटे में देगा 35 लाख का रिफंड

महानगर मेट्रो ब्यूरो

भोपाल। दिल्ली रूट पर ट्रेनों के निरस्त होने से भोपाल मंडल के हजारों यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ा है। 9 और 10 अक्टूबर को विभिन्न ट्रेनों के रद्द होने के कारण करीब 4500 यात्रियों के टिकट कैंसिल हुए हैं। रेलवे प्रशासन के अनुसार, इन प्रभावित यात्रियों को लगभग 35 लाख रुपये का रिफंड दिया जाएगा। रेलवे ने दावा किया है कि टिकटों की राशि 24 से 48 घंटे के भीतर यात्रियों के खातों में वापस पहुंच जाएगी। ट्रेनों के निरस्त होने के पीछे सीजेपी आंदोलन से जुड़ी गतिविधियों और रेलवे के बुनियादी ढांचे पर चल रहे कार्यों को प्रमुख वजह बताया गया है। रेलवे प्रशासन की ओर से जारी जानकारी के मुताबिक, 9 और 10 अक्टूबर को ट्रेनें रद्द होने से यात्रियों को अपनी यात्रा की योजनाओं में बदलाव करना पड़ा। इनमें ऐसे यात्री भी शामिल हैं, जिन्होंने कई दिन या महीने पहले आरक्षण कराया था। अचानक ट्रेनें निरस्त होने के कारण कुछ यात्रियों को यात्रा टालनी पड़ी, जबकि कुछ ने अपने गंतव्य तक पहुंचने के लिए दूसरे साधनों का सहारा लिया। रेलवे ने प्रभावित यात्रियों को राहत देने के लिए टिकट राशि लौटाने की प्रक्रिया शुरू की है। 9 अक्टूबर को कई प्रमुख ट्रेनें पूरी तरह निरस्त रहीं। इनमें मुंबई-हजरत निजामुद्दीन राजधानी एक्सप्रेस, जबलपुर-हजरत निजामुद्दीन एक्सप्रेस, महाकौशल एक्सप्रेस, एमपी संपर्क क्रांति एक्सप्रेस और शान-ए-भोपाल एक्सप्रेस शामिल हैं। इन ट्रेनों के रद्द होने से दिल्ली और मध्य प्रदेश के बीच यात्रा करने वाले यात्रियों को परेशानी हुई। वहीं, 10 अक्टूबर को कोटा-हजरत निजामुद्दीन जनशताब्दी एक्सप्रेस भी नहीं चल पाई। इसी दौरान दिल्ली से भोपाल आने वाले यात्रियों को भी परेशानी का सामना करना पड़ा। 10 अक्टूबर को हजरत निजामुद्दीन-रानी कमलापति शान-ए-भोपाल एक्सप्रेस अपने निर्धारित समय पर दिल्ली से रवाना नहीं हो सकी। इससे इस ट्रेन से यात्रा करने वाले यात्रियों की योजनाएं प्रभावित हुईं। दिल्ली और भोपाल के बीच नियमित आवाजाही करने वाले यात्रियों के लिए ट्रेनें रद्द होने और समय पर रवाना नहीं होने की स्थिति ने मुश्किलें बढ़ा दीं। रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी डॉ. मधुर वर्मा ने बताया कि जिन यात्रियों के टिकट ट्रेनें निरस्त होने के कारण रद्द हुए हैं, उन्हें नियमानुसार रिफंड दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि करीब 35 लाख रुपये की राशि 24 से 48 घंटे के भीतर वापस की जाएगी। रेलवे के मुताबिक, प्रभावित यात्रियों को रिफंड के लिए निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार राशि लौटाई जाएगी। ट्रेनों के निरस्त होने के साथ-साथ रेलवे के बुनियादी ढांचे से जुड़े काम भी रेल यातायात को प्रभावित कर रहे हैं। अधिकारियों के अनुसार, बीना-आगासौद यार्ड में रीमॉडलिंग का काम चल रहा है। इसके चलते 15 अक्टूबर तक करीब 17 ट्रेनों के मार्ग में बदलाव किया गया है।



पत्नी के पूजा-पाठ और त्योहार मनाने से चिढ़ता था पति, कुल्हाड़ी से काट डाला... MP में खौफनाक वारदात

महानगर मेट्रो ब्यूरो

राजगढ़। मध्य प्रदेश के राजगढ़ जिले में धार्मिक मान्यताओं और पूजा-पाठ को लेकर पति-पत्नी के बीच चल रहा विवाद एक गंभीर वारदात में बदल गया। राजगढ़ कोतवाली थाना क्षेत्र के गुराड़खेड़ा गांव में रामबाबू गुर्जर पर अपनी पत्नी गायत्रीबाई गुर्जर (36) की कुल्हाड़ी से हमला कर हत्या करने का आरोप है। घटना के बाद से आरोपी फरार बताया जा रहा है। पुलिस ने मामला दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है। इस घटना से गांव में शोक का माहौल है, वहीं मृतका के परिवार ने पति पर पहले से विवाद करने और धमकाने के आरोप लगाए हैं। परिजनों के मुताबिक, गायत्रीबाई और रामबाबू के बीच भगवान में आस्था रखने, पूजा-पाठ करने और त्योहार मनाने को लेकर अक्सर विवाद होता था। मृतका के पिता का आरोप है कि रामबाबू अपनी पत्नी के धार्मिक कार्यों से नाराज रहता था। वह गायत्रीबाई से भगवान को नहीं मानने और पूजा-पाठ नहीं करने की बात कहता था। परिवार का कहना है कि पत्नी की धार्मिक मान्यताओं को लेकर पति की आपत्ति के कारण घर में तनाव बना रहता था। बताया गया कि



रामबाबू अधिकतर समय घर से बाहर रहता था, लेकिन धार्मिक गतिविधियों को लेकर दोनों के बीच विवाद होता रहता था। मृतका के पिता ने बताया कि गायत्रीबाई ने घटना से पहले फोन कर अपनी आशंका जाहिर की थी। उसने पिता से कहा था, 'जल्दी आ जाओ, पति मार देगा।' परिवार के अनुसार, बेटी की इस बात से उन्हें खतरे का अंदेशा हुआ था। हालांकि, घटना के समय क्या हुआ और विवाद किस बात पर बढ़ा, इसकी पूरी जानकारी पुलिस जांच के बाद ही सामने आ सकेगी। इस मामले में परिवार की ओर से लगाए गए आरोपों की भी जांच की जा रही है। शुरुआती जानकारी के अनुसार, शनिवार सुबह करीब 9:30 बजे गायत्रीबाई पर कुल्हाड़ी से हमला किया गया। आरोप है कि हमले में महिला को गंभीर चोटें आईं और उसकी मौत हो गई। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। मामले की गंभीरता को देखते हुए साक्ष्य जुटाने के लिए एफएसएल टीम को भी बुलाया गया। पुलिस ने घटनास्थल से आवश्यक साक्ष्य जुटाने के साथ ही मामले की जांच शुरू कर दी है। राजगढ़ कोतवाली थाना प्रभारी मंजू मखेनिया ने बताया कि घटना की सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची थी। घटनास्थल की जांच कराई गई और साक्ष्य जुटाने के लिए एफएसएल टीम को बुलाया गया। पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपी रामबाबू गुर्जर की तलाश शुरू कर दी है। पुलिस पारिवारिक विवाद सहित घटना से जुड़े सभी पहलुओं की जांच कर रही है। आरोपी की गिरफ्तारी के बाद पूछताछ में विवाद और वारदात से जुड़ी परिस्थितियों के बारे में और जानकारी सामने आने की उम्मीद है। गुराड़खेड़ा गांव राजगढ़ कोतवाली थाने से करीब 32 किलोमीटर दूर स्थित है। यह गांव राजस्थान सीमा से भी लगभग आधा किलोमीटर की दूरी पर बताया गया है। पोस्टमार्टम की प्रक्रिया पूरी होने के बाद गायत्रीबाई का शव उसके पिता को सौंप दिया गया।

सती माता की कोहनी गिरने से बना हरसिद्धि शक्तिपीठ, नवरात्रि के पहले दिन उमड़े श्रद्धालु

महानगर मेट्रो ब्यूरो

उज्जैन। मध्य प्रदेश की धार्मिक नगरी उज्जैन में शारदीय नवरात्रि का पर्व श्रद्धा और उत्साह के साथ शुरू हो गया है। नवरात्रि के पहले दिन प्रसिद्ध माता हरसिद्धि मंदिर में सुबह से ही श्रद्धालुओं के पहुंचने का सिलसिला जारी रहा। घटस्थापना के साथ मंदिर में विशेष पूजा-अर्चना और धार्मिक अनुष्ठान शुरू हुए। माता के दर्शन के लिए स्थानीय श्रद्धालुओं के साथ दूर-दराज से भी भक्त पहुंच रहे हैं। सम्राट राजा विक्रमादित्य की आराध्य देवी के रूप में प्रसिद्ध माता हरसिद्धि के दरबार में नवरात्रि के दौरान विशेष सजावट, पूजन और आरती का आयोजन किया जा रहा है। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार, उज्जैन स्थित हरसिद्धि मंदिर उस पवित्र स्थल के रूप में जाना जाता है, जहां माता सती की कोहनी गिरी थी। इसी मान्यता के चलते मंदिर को प्रमुख शक्तिपीठों में शामिल किया जाता है। सदियों से यह स्थान शक्ति उपासना का महत्वपूर्ण केंद्र रहा है और नवरात्रि के दौरान यहां श्रद्धालुओं की विशेष भीड़ रहती है। मंदिर से जुड़ी धार्मिक परंपराएं और ऐतिहासिक मान्यताएं उज्जैन की आध्यात्मिक पहचान को और विशेष बनाती हैं। मंदिर के पुजारी लाला गिरी के अनुसार, नवरात्रि के 9 दिनों में माता हरसिद्धि की प्रतिमा का विशेष श्रृंगार किया जाता है। प्रतिदिन सुबह और शाम विधि-विधान से पूजन-अर्चन होता है। इसके बाद शाम 7 बजे ढोल-नगाड़ों की गूंज के बीच भव्य आरती आयोजित की जाती है। आरती में बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल होकर माता के दर्शन करते हैं और परिवार की सुख-समृद्धि की कामना करते हैं। नवरात्रि के दौरान मंदिर परिसर में भक्तिमय माहौल बना रहता है। हरसिद्धि मंदिर की पहचान यहां स्थित 2 विशाल दीपस्तंभ भी हैं। इन दीपस्तंभों पर सैकड़ों दीपक लगाए जाते हैं, जिन्हें नवरात्रि के दौरान एक साथ प्रज्वलित किया जाता है। दीपों की रोशनी से मंदिर परिसर का दृश्य आकर्षक हो उठता है और इसे देखने के लिए श्रद्धालुओं में खास उत्साह रहता है। दीपस्तंभों को रोशन कराने के लिए भक्त पहले से अपनी बारी तय करवाते हैं। शाम के समय जब दीपमालिकाएं जगमगाती हैं, तो मंदिर का वातावरण और भी भव्य दिखाई देता है। पुजारी शेषनारायण पुरी के अनुसार, मंदिर में दीप प्रज्वलित करने और माता की आराधना करने की परंपरा का विशेष धार्मिक महत्व है। श्रद्धालु अपनी श्रद्धा के अनुसार दीपदान करते हैं और माता से मनोकामना पूर्ति की प्रार्थना करते हैं। नवरात्रि के दिनों में यहां दर्शन और पूजा के लिए आने वाले भक्त आध्यात्मिक शांति और आस्था का अनुभव करते हैं। शारदीय नवरात्रि के आगाज के साथ ही हरसिद्धि मंदिर में धार्मिक गतिविधियां तेज हो गई हैं। आने वाले 9 दिनों तक विशेष पूजा-अर्चना, श्रृंगार, दीपमालिका और आरती के आयोजन जारी रहेंगे। माता के दर्शन और दीपस्तंभों की दिव्य छटा देखने के लिए श्रद्धालुओं के पहुंचने का क्रम लगातार बना रहने की उम्मीद है।



डकैतों को बचाने के लिए पुलिस ने 7 साल तक दबाई फाइल, केस में किए इतने झोल कि हाईकोर्ट ने 'कलंक' बता दिया

महानगर मेट्रो ब्यूरो

धार। मध्य प्रदेश के धार जिले के धरमपुरी थाने में डकैती के एक पुराने मामले की जांच में गंभीर अनियमितताएं सामने आई हैं। टवलाई गांव में व्यापारी के घर हुई डकैती के मामले में पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल उठे हैं। अदालत में सुनवाई के दौरान जांच से जुड़ी कई खामियां सामने आने के बाद न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी विवेक जैन ने कड़ा रुख अपनाया। अदालत ने पुलिस की कार्रवाई पर तीखी टिप्पणी करते हुए इसे विभाग के लिए कलंक बताया और तत्कालीन जिम्मेदार पुलिसकर्मियों के खिलाफ कार्रवाई करने के निर्देश दिए। अदालत ने धार के पुलिस अधीक्षक को पत्र लिखकर एक महीने के भीतर कार्रवाई की रिपोर्ट प्रस्तुत करने को कहा है। यह मामला 16 दिसंबर 2017 की रात का है। जानकारी के अनुसार, टवलाई गांव में व्यापारी शंकरलाल जायसवाल के घर 10 से 12 हथियारबंद बदमाशों ने धावा बोला था। बदमाश घर से नकदी और जेवरात लूटकर ले गए थे। घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की थी, लेकिन बाद में जांच की दिशा और कार्रवाई को



लेकर सवाल खड़े हो गए। अदालत में प्रस्तुत दस्तावेजों के आधार पर सामने आया कि जिस वारदात में 10 से 12 लोगों के शामिल होने की बात सामने आई थी, पुलिस की जांच में उसे केवल 4 आरोपियों तक सीमित कर दिया गया। मामले की जांच तत्कालीन थाना प्रभारी कुशलसिंह रावत और विवेचक सहायक उपनिरीक्षक प्रकाश सरोदे ने की थी। आरोप है कि जांच के दौरान जरूरी तथ्यों और साक्ष्यों पर पर्याप्त ध्यान नहीं दिया गया। सबसे गंभीर बात यह सामने आई कि 31 मार्च 2018 को तैयार की गई खात्मा रिपोर्ट को थाने में ही रखा गया और अदालत में पेश नहीं किया गया। यह रिपोर्ट करीब 7 साल बाद 26 अप्रैल 2025 को न्यायालय में प्रस्तुत की गई। इतने लंबे समय तक रिपोर्ट अदालत में पेश नहीं होने को लेकर न्यायिक प्रक्रिया और पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल उठे। अदालत में सुनवाई के दौरान जांच की अन्य कमियां भी सामने आईं। बताया गया कि विवेचक ने प्राथमिकी में लिखी गई बातों को लगभग उसी रूप में केस डायरी में दर्ज कर लिया, लेकिन घटनास्थल पर मारपीट का शिकार हुई व्यापारी की पत्नी के बयान तक दर्ज नहीं किए गए। इसके अलावा चिकित्सक की ओर से एक्स-रे कराने की सलाह दिए जाने के बावजूद इस पहलू को जांच में उचित तरीके से शामिल नहीं किया गया। इन कमियों को देखते हुए अदालत ने जांच की प्रक्रिया पर गंभीर सवाल उठाए और संबंधित पुलिसकर्मियों की भूमिका की समीक्षा जरूरी मानी। धरमपुरी के न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी विवेक जैन ने अपने आदेश में पुलिस की जांच पर कड़ी टिप्पणी की। अदालत ने कहा कि जांच का तरीका निर्धारित कानूनी प्रक्रिया के अनुरूप दिखाई नहीं देता। आदेश में व्यंग्यात्मक टिप्पणी करते हुए कहा गया कि जांच किसी कानूनी प्रावधान के बजाय 'पीएसपीसी' और 'केआरपीसी' के तहत चलती प्रतीत होती है। अदालत की इस टिप्पणी के जरिए जांच में सामने आई अनियमितताओं और प्रक्रियागत कमियों पर नाराजगी जाहिर की गई। अदालत ने पुलिस अधीक्षक, धार को पत्र लिखकर तत्कालीन थाना प्रभारी कुशलसिंह रावत और विवेचक प्रकाश सरोदे के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने तथा एक महीने के भीतर इसकी रिपोर्ट न्यायालय में पेश करने के निर्देश दिए हैं।

गृह मंत्रालय को अवमानना का नोटिस, SC ने दो दिन में मांगा जवाब...10 बड़ी बातें



महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। जंतर-मंतर के पास 10 अक्टूबर को हुए प्रदर्शन से जुड़े मामले में सुप्रीम कोर्ट ने रविवार को 9 अक्टूबर के आदेश के कथित उल्लंघन पर गृह मंत्रालय के संबंधित अधिकारियों को कारण बताओ नोटिस जारी किया। अदालत ने पूछा कि उनके खिलाफ अवमानना की कार्रवाई क्यों न शुरू की जाए। अधिकारियों को हलफनामा दाखिल कर जवाब देने के निर्देश दिए गए हैं। सुनवाई के दौरान वकीलों ने आरोप लगाया कि प्रदर्शन के दौरान कई लोगों को हिरासत में लिया गया और कुछ के साथ मारपीट हुई। मेट्रो स्टेशनों पर पाबंदी, इंटरनेट सेवाओं और बैरिकेडिंग का मुद्दा भी उठा। अदालत ने मेट्रो और रेल सेवाएं सामान्य रखने, इंटरनेट बाधित नहीं करने तथा बैरिकेडिंग की समीक्षा करने पर जोर दिया। सुनवाई में करीब 7,000 लोगों को हिरासत में लेने का दावा किया गया, जबकि दिल्ली मेट्रो के 303 स्टेशनों में से 45 पर प्रवेश और निकास सीमित किए जाने की जानकारी दी गई। शांतिपूर्ण प्रदर्शन के अधिकार पर भी बहस हुई। अब मंगलवार को फिर सुनवाई होगी, जिसमें संबंधित अधिकारियों के जवाब और पुलिस कार्रवाई से जुड़े मुद्दों पर विचार किया जाएगा।

दिल्ली के कनॉट प्लेस में मारपीट का वीडियो वायरल, पुलिस ने स्वतः संज्ञान लेकर 4 लोगों को पकड़ा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली के कनॉट प्लेस इलाके में मारपीट का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद पुलिस ने कार्रवाई की है। मामले में किसी भी पक्ष की ओर से औपचारिक शिकायत दर्ज नहीं कराए जाने के बावजूद पुलिस ने वायरल वीडियो का स्वतः संज्ञान लिया और 4 लोगों को पकड़ लिया। पुलिस के मुताबिक, वीडियो सामने आने के बाद मामले की जानकारी जुटाई गई और संबंधित लोगों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की प्रक्रिया शुरू की गई है।



पुलिस के अनुसार, सोशल मीडिया पर शनिवार को मारपीट का वीडियो वायरल हो रहा था। वीडियो में मारपीट से जुड़ी घटना सामने आने के बाद पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए कार्रवाई की। पुलिस का कहना है कि अब तक किसी भी पक्ष ने इस संबंध में लिखित शिकायत नहीं दी है। इसके बावजूद घटना की जानकारी जुटाने और मामले की जांच के लिए पुलिस ने अपने स्तर पर कदम उठाए। पुलिस ने जिन 4 लोगों को पकड़ा है, उनकी पहचान रमन सैनी (50), विवेकानंद उर्फ विवेक (32), कपिल कुमार (27) और रविंदर सिंह उर्फ गोविंद हिंदू (35) के रूप में हुई है। पुलिस के मुताबिक, रमन सैनी दिल्ली के पहाड़ी धीरज स्थित मंदिर वाली गली का निवासी है। वहीं, विवेकानंद उर्फ विवेक नांगलोई के कैंप नंबर-2 में रहता है। इसी तरह कपिल कुमार मूल रूप से उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद जिले के लोनी स्थित न्यू विकास नगर का रहने वाला है। वर्तमान में वह इंदिरापुरम के कनावली गांव में रह रहा है। चौथे व्यक्ति रविंदर सिंह उर्फ गोविंद हिंदू का पता गाजियाबाद के इंदिरापुरम स्थित कनावनी गांव की शिव मंदिर गली बताया गया है। पुलिस ने वायरल वीडियो के आधार पर मामले का संज्ञान लेकर चारों लोगों को पकड़ा है। हालांकि, घटना किन परिस्थितियों में हुई और मारपीट की शुरुआत कैसे हुई, इस बारे में विस्तृत जानकारी सामने नहीं आई है। पुलिस मामले से जुड़े तथ्यों की जांच कर रही है और कानूनी प्रक्रिया के तहत आगे की कार्रवाई की जा रही है। सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल होने के बाद एक बार फिर यह मामला चर्चा में आ गया है। पुलिस का स्वतः संज्ञान लेकर कार्रवाई करना इस बात को दर्शाता है कि औपचारिक शिकायत नहीं मिलने की स्थिति में भी वायरल सामग्री के आधार पर घटना की जांच शुरू की जा सकती है। फिलहाल, मामले में पुलिस की जांच और आगे की कार्रवाई पर नजर बनी हुई है।

अभिजीत दिपके, सौरव दास और आशुतोष रांका को कोर्ट ने छोड़ा,



महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। राजधानी में कॉकरोच जनता पार्टी के अभिजीत दिपके, सौरव दास और आशुतोष रांका को रविवार को कार्यकारी मजिस्ट्रेट की अदालत में पेश किया गया। अदालत ने तीनों को एक साल तक शांति बनाए रखने की शर्त पर रिहा कर दिया। तीनों की रिहाई की जानकारी सामने आने के बाद पार्टी ने सोशल मीडिया पर खुशी जताई और लिखा, 'कॉकरोच कभी नहीं मरते।' वकील रत्ना सिंह ने भी सोशल मीडिया के माध्यम से तीनों नेताओं की रिहाई की जानकारी साझा की। पार्टी ने अपनी प्रतिक्रिया में कहा कि आखिरकार दिल्ली पुलिस को अभिजीत दिपके, आशुतोष रांका और सौरव दास को रिहा करना पड़ा। तीनों नेताओं को शनिवार को उस समय हिरासत में लिया गया था, जब वे मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर जंतर-मंतर पर प्रदर्शन करने की तैयारी कर रहे थे। जानकारी के अनुसार, प्रदर्शन में शामिल होने के लिए दिल्ली पहुंचने से पहले ही पुलिस ने उन्हें विमान से हिरासत में ले लिया था। इस मामले में चर्चित यूट्यूबर ध्रुव राठी को भी शनिवार को हिरासत में लिया गया था। उन्हें गुरुग्राम के सेक्टर-56 स्थित उनके आवास से हिरासत में लिया गया। रविवार को उनकी रिहाई की जानकारी भी सामने आई। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, यदि वे निषेधाज्ञा का उल्लंघन करते हुए दोबारा जंतर-मंतर जाने की कोशिश करते हैं, तो उन्हें फिर से हिरासत में लिया जा सकता है।

प्रदर्शन से पहले दिल्ली में कड़ी सुरक्षा

शनिवार को जंतर-मंतर पर प्रस्तावित प्रदर्शन को रोकने के लिए दिल्ली में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी की गई थी। जानकारी के मुताबिक, राजधानी में 30,000 से अधिक पुलिस और अर्धसैनिक बलों के जवान तैनात किए गए थे। सुरक्षा व्यवस्था के तहत 45 मेट्रो स्टेशनों के प्रवेश द्वार भी बंद किए गए थे। प्रदर्शन के दौरान 7,000 से अधिक लोगों को हिरासत में लिए जाने का दावा किया गया। इस कार्रवाई को लेकर पुलिस की भूमिका, लोगों की आवाजाही और शांतिपूर्ण प्रदर्शन के अधिकार जैसे मुद्दे भी चर्चा में रहे।

'6 महीने में गिर जाएगी मोदी सरकार', संजय राउत का बड़ा दावा; सीजेपी प्रदर्शन को लेकर केंद्र पर निशाना

महानगर मेट्रो ब्यूरो

पुणे। दिल्ली में मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ कॉकरोच जनता पार्टी के प्रदर्शन के बीच शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) के राज्यसभा सांसद संजय राउत ने केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने दावा किया कि नरेंद्र मोदी सरकार अपने अंतिम दिनों में है और अगले 6 महीने के भीतर गिर सकती है। राउत ने कहा कि अगले साल मार्च-अप्रैल तक केंद्र में नई सरकार बन सकती है। हालांकि, यह संजय राउत का राजनीतिक दावा है, सरकार के भविष्य को लेकर कोई पुष्ट तथ्य नहीं। राउत ने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार सीजेपी के विरोध-प्रदर्शन में शामिल होने के लिए दिल्ली पहुंचने वाले युवाओं और प्रदर्शनकारियों को रोकने के लिए भारी पुलिस बल और नाकेबंदी का सहारा ले रही है। उन्होंने प्रदर्शन को जन असंतोष का संकेत बताते हुए कहा कि सरकार शांतिपूर्ण तरीके से विरोध करने वाले लोगों से घबराई हुई है। राउत ने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि सरकार प्रदर्शनकारियों को राजधानी पहुंचने से रोकने के लिए



तरह-तरह के कदम उठा रही है। उन्होंने दावा किया कि मौजूदा राजनीतिक परिस्थितियों में केंद्र सरकार ज्यादा समय तक टिक नहीं पाएगी और आने वाले महीनों में देश की राजनीति में बड़ा बदलाव देखने को मिल सकता है। संजय राउत ने आरोप लगाया कि दिल्ली में प्रदर्शनकारियों की आवाजाही रोकने के लिए व्यापक स्तर पर पुलिस व्यवस्था की गई है। उनके मुताबिक, सीजेपी प्रमुख अभिजीत दिपके शनिवार को दिल्ली हवाई अड्डे पहुंचे, जहां पुलिस ने उन्हें हिरासत में ले लिया। राउत ने इस कार्रवाई पर सवाल उठाते हुए कहा कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में लोगों को शांतिपूर्ण विरोध करने का अधिकार मिलना चाहिए। उन्होंने दावा किया कि दिल्ली के आसपास बड़ी संख्या में वाहन फंसे हुए हैं और प्रदर्शनकारियों को राजधानी तक पहुंचने से रोकने के लिए यातायात तथा रेल सेवाओं पर भी असर पड़ा है। राउत ने कहा कि विरोध करने के लिए आने वाले युवाओं को रोकने के बजाय उनकी बात सुनी जानी चाहिए। हालांकि, वाहनों की संख्या और रेल सेवाओं को लेकर किए गए दावों की स्वतंत्र पुष्टि इस जानकारी में उपलब्ध नहीं है। केंद्र सरकार के नेतृत्व पर निशाना साधते हुए राउत ने कहा कि मौजूदा नेता मजबूत राजनीतिक नेतृत्व देने के बजाय व्यापारियों की तरह व्यवहार कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि सरकार विरोध-प्रदर्शनों से घबराई हुई है और इसी कारण प्रदर्शनकारियों को रोकने के लिए सख्त कदम उठाए जा रहे हैं। राउत ने दिवंगत अभिनेता नाना पाटेकर के एक चर्चित कथन का हवाला देते हुए 'तिलचट्टे' का जिक्र भी किया। उनके बयान का आशय यह था कि छोटा दिखने वाला विरोध भी बड़ी सरकार को चुनौती दे सकता है। उन्होंने इसे मौजूदा राजनीतिक स्थिति से जोड़ते हुए दावा किया कि सरकार का पतन निकट है। संजय राउत ने दिल्ली में की जा रही नाकेबंदी की तुलना ब्रिटिश शासन के दौरान अपनाई जाने वाली दमनकारी कार्रवाइयों से की। उन्होंने सवाल उठाया कि प्रदर्शनकारियों को राजधानी पहुंचने से रोकने के लिए दिल्ली को सील करने जैसी स्थिति क्यों बनाई जा रही है। राउत ने यह भी पूछा कि शांतिपूर्ण प्रदर्शन करने वाले युवाओं को किस आधार पर देशविरोधी या राष्ट्रविरोधी बताया जा रहा है। उन्होंने दिल्ली पुलिस से केंद्र सरकार की ओर से जारी आदेशों पर सवाल उठाने और कथित तौर पर अवैध निर्देशों का पालन नहीं करने की अपील की। राउत ने आरोप लगाया कि मौजूदा सरकार मतदाता प्रक्रिया में कथित हेरफेर और सरकारी तंत्र के दुरुपयोग पर निर्भर है। ये आरोप राउत ने लगाए हैं; इनके संबंध में स्वतंत्र प्रमाण इस खबर में उपलब्ध नहीं हैं। दिल्ली में सीजेपी के विरोध-प्रदर्शन को लेकर पुलिस की कार्रवाई और प्रदर्शनकारियों की आवाजाही का मुद्दा राजनीतिक बहस का केंद्र बन गया है।

'गुरुघरों को बदनाम कर रही है आम आदमी पार्टी', DSGMC अध्यक्ष हरमीत सिंह कालका ने AAP नेताओं के आरोपों को नकारा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली के प्रसिद्ध बंगला साहिब गुरुद्वारे में पुलिस के प्रवेश को लेकर विवाद गहरा गया है। आम आदमी पार्टी और दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधन समिति के बीच इस मुद्दे पर आरोप-प्रत्यारोप शुरू हो गए हैं। आम आदमी पार्टी के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने पुलिस पर गुरुद्वारे की धार्मिक मर्यादाओं का उल्लंघन करने का आरोप लगाया। वहीं, दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधन समिति के अध्यक्ष सरदार हरमीत सिंह कालका ने इन आरोपों को खारिज करते हुए आम आदमी पार्टी पर धार्मिक स्थलों को राजनीतिक विवाद में घसीटने का आरोप लगाया। सोशल मीडिया पर प्रसारित वीडियो को लेकर पुलिस ने भी अपना पक्ष सामने रखा है। सौरभ भारद्वाज ने आरोप लगाया कि पुलिसकर्मी बंगला साहिब गुरुद्वारे के अंदर पहुंचे और उन्होंने न तो जूते उतारे और न ही सिर ढका। उन्होंने इस घटना को गुरुद्वारे की धार्मिक मर्यादाओं से जुड़ा मामला बताते हुए पुलिस की कार्रवाई पर सवाल उठाए। उनके अनुसार, पुलिस का इस तरह गुरुद्वारे के भीतर प्रवेश करना उचित नहीं था। भारद्वाज ने यह भी दावा किया कि घटना का वीडियो बनाने और उसे साझा करने वाले व्यक्ति को डराने की कोशिश की गई। उन्होंने कहा कि जब वीडियो सोशल मीडिया पर साझा किया



गया, तो पुलिस की ओर से उसे पुराना बताया गया। उनके मुताबिक, इस संबंध में दावा करने वाली एक पोस्ट भी कुछ समय बाद हटा दी गई। इन आरोपों के सामने आने के बाद गुरुद्वारे में पुलिस की मौजूदगी और वायरल वीडियो की परिस्थितियों को लेकर विवाद बढ़ गया। दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधन समिति के अध्यक्ष सरदार हरमीत सिंह कालका ने आम आदमी पार्टी के आरोपों पर कड़ी आपत्ति जताई। उन्होंने कहा कि आम आदमी पार्टी के नेता इस मामले में राजनीति कर रहे हैं और गुरुद्वारों को बदनाम करने का प्रयास कर रहे हैं। कालका के अनुसार, गुरुद्वारा साहिब सभी वर्गों के लोगों के लिए खुला है, लेकिन धार्मिक स्थल की मर्यादा और व्यवस्था बनाए रखना भी जरूरी है। कालका ने दावा किया कि कुछ प्रदर्शनकारी जबरदस्ती गुरुद्वारे के हॉल में प्रवेश करने का प्रयास कर रहे थे। उनके हाथों में पोस्टर थे और वे नारेबाजी कर रहे थे। उन्होंने बताया कि जब गुरुद्वारा प्रबंधन के कर्मचारियों ने उन्हें रोकने की कोशिश की, तो प्रदर्शनकारी परिसर में बैठकर नारे लगाने लगे। कालका के मुताबिक, स्थिति को संभालने और प्रदर्शनकारियों को वहां से हटाने के लिए पुलिस पहुंची थी। हरमीत सिंह कालका ने कहा कि यदि कोई व्यक्ति गुरुद्वारे के भीतर प्रदर्शन करने और नारेबाजी करने का प्रयास करेगा, तो व्यवस्था बनाए रखने के लिए कार्रवाई की जरूरत पड़ेगी। उन्होंने सवाल उठाया कि क्या आम आदमी पार्टी चाहती है कि प्रदर्शनकारी गुरुद्वारा साहिब के अंदर जाकर नारेबाजी करें और धार्मिक स्थल की व्यवस्था प्रभावित हो। कालका ने यह भी कहा कि उन्होंने आम आदमी पार्टी के 2-3 विधायकों के वीडियो देखे हैं, जिनमें वे शोर-शराबा करते दिखाई दे रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रदर्शनकारियों को हटाने के लिए पुलिस के पहुंचने की घटना को राजनीतिक मुद्दा बनाने की कोशिश की जा रही है। उनके अनुसार, गुरुद्वारे की गरिमा और परिसर की व्यवस्था को बनाए रखना प्रबंधन की जिम्मेदारी है। सोशल मीडिया पर प्रसारित वीडियो को लेकर पुलिस ने कहा कि वीडियो में कुछ पुलिसकर्मी उस सामान्य रास्ते पर चलते दिखाई दे रहे हैं, जिसका इस्तेमाल श्रद्धालु उस स्थान तक पहुंचने के लिए करते हैं, जहां गुरुद्वारे में प्रवेश से पहले जूते उतारे जाते हैं। पुलिस के अनुसार, गुरुद्वारे आने वाले श्रद्धालु भी इसी रास्ते का उपयोग करते हैं।

दिल्ली। 'दिल्ली पुलिस झूठ बोल रही है, दादी के निधन की खबर नहीं दी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। कॉकरोच जनता पार्टी के प्रमुख अभिजीत दिपके को लेकर उनके परिवार और दिल्ली पुलिस के दावों में विरोधाभास सामने आया है। अभिजीत की मां अनीता दिपके ने पुलिस पर झूठ बोलने का आरोप लगाते हुए कहा कि उनके बेटे को उसकी दादी के निधन की जानकारी नहीं दी गई। वहीं, अभिजीत के पिता भगवान दिपके ने भी पुलिस की बातों पर सवाल उठाए हैं।



उनका दावा है कि अभिजीत को दिल्ली से बाहर कहीं भेज दिया गया है और परिवार का उससे संपर्क नहीं हो पा रहा है। अभिजीत की मां अनीता दिपके का कहना है कि अगर उनके बेटे को दादी के निधन की सूचना मिल गई होती, तो वह तुरंत घर पहुंच जाता। उन्होंने आरोप लगाया कि दिल्ली पुलिस यह दावा कर रही है कि अभिजीत को हिरासत में रखा गया है, लेकिन परिवार को उससे बात करने का मौका नहीं मिला है। अनीता ने कहा कि उनका बेटे से कोई संपर्क नहीं हुआ है और परिवार उसके आने का इंतजार कर रहा है। अनीता दिपके के मुताबिक, अभिजीत के घर पहुंचने के बाद ही उसकी दादी का अंतिम संस्कार किया जाएगा। परिवार को उम्मीद है कि अभिजीत जल्द घर पहुंचेगा। उन्होंने पुलिस के दावों पर सवाल उठाते हुए कहा कि यदि उसे दादी के निधन की जानकारी होती, तो वह रात में ही घर आने की कोशिश करता। अभिजीत के पिता भगवान दिपके ने भी कहा कि उन्होंने अपने बेटे से संपर्क करने की कोशिश की, लेकिन सफलता नहीं मिली। उनके मुताबिक, कॉकरोच जनता पार्टी के अन्य लोगों का भी अभिजीत से संपर्क नहीं हो पाया है। पिता ने दावा किया कि अभिजीत के दोस्तों ने उन्हें बताया है कि उसे दिल्ली से कहीं और भेज दिया गया है। हालांकि, इस दावे की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हुई है। दूसरी ओर, दिल्ली पुलिस के सूत्रों का कहना है कि अभिजीत दिपके, सौरव दास और आशुतोष रांका अभी भी पुलिस हिरासत में हैं। पुलिस ने स्पष्ट किया है कि तीनों में से किसी को गिरफ्तार नहीं किया गया है, बल्कि एहतियातन हिरासत में रखा गया है। सूत्रों के अनुसार, तीनों को कार्यकारी मजिस्ट्रेट के सामने पेश किया जाएगा। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, तीनों को दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 107 और 151 के तहत हिरासत में रखा गया है। ये प्रावधान शांति भंग होने की आशंका की स्थिति में एहतियाती कार्रवाई से संबंधित हैं। फिलहाल, परिवार की ओर से लगाए गए आरोपों और पुलिस के दावों के बीच स्थिति स्पष्ट नहीं हो पाई है। अभिजीत के ठिकाने और परिवार से संपर्क नहीं होने को लेकर उठे सवालों पर आगे की जानकारी का इंतजार है।

महाराष्ट्र। शादी तय होने पर प्रेमिका को खाई में धकेलने का आरोप, 23 वर्षीय तरन्नुम की मौत

महानगर मेट्रो ब्यूरो

महाराष्ट्र। महाराष्ट्र के कोल्हापुर जिले में 23 वर्षीय युवती की हत्या का मामला सामने आया है। आरोप है कि प्रेम संबंध खत्म करने और शादी तय होने की बात से नाराज युवक ने अपनी प्रेमिका को नाईकवाडी के पास स्थित गहरी खाई में धकेल दिया। हादसे में युवती की मौत हो गई। पुलिस के अनुसार, आरोपी ने शुरुआत में युवती के लापता होने की बात कही, लेकिन पूछताछ के दौरान मामले से जुड़े कई तथ्य सामने आए। पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लेकर घटना की जांच शुरू कर दी है। मृतका की पहचान 23 वर्षीय तरन्नुम बशीर नाईक के रूप में हुई है, जबकि आरोपी का नाम 25 वर्षीय श्रीपाद दिनकर वडू बताया गया है। दोनों कोल्हापुर जिले के गारगोटी क्षेत्र की अवधूत कॉलोनी में रहते थे। उनके घर एक-दूसरे के सामने होने के कारण दोनों की पहचान हुई और बाद में उनके बीच प्रेम संबंध बन गए। बताया जा रहा है कि तरन्नुम महागांव स्थित एक इंजीनियरिंग कॉलेज में पढ़ाई कर रही थी। कुछ समय पहले उसकी शादी तय हो गई थी। इसके बाद उसने श्रीपाद से प्रेम संबंध आगे जारी रखने से इनकार कर दिया। इसी बात को लेकर दोनों के बीच विवाद होने लगा था। पुलिस जांच में सामने आए तथ्यों के आधार पर



आशंका जताई जा रही है कि शादी तय होने और संबंध खत्म करने के फैसले के कारण विवाद बढ़ा पुलिस के मुताबिक, शुक्रवार सुबह करीब 11 बजे श्रीपाद ने तरन्नुम को मिलने के लिए बुलाया। इसके बाद वह उसे नाईकवाडी के पास स्थित एक गहरी खाई के नजदीक ले गया। वहां तरन्नुम ने कथित तौर पर उसे बताया कि उसकी शादी तय हो चुकी है और अब दोनों के बीच प्रेम संबंध जारी नहीं रह सकते। आरोप है कि इस बात से नाराज होकर श्रीपाद ने तरन्नुम को खाई में धकेल दिया। गहरी खाई में गिरने के कारण युवती की मौत हो गई। घटना के बाद आरोपी ने कथित तौर पर तरन्नुम के लापता होने की बात कही। इसके बाद वह खुद भुदरगड पुलिस थाने पहुंचा। पुलिस को उसके बयान और मामले की परिस्थितियों पर संदेह हुआ, जिसके बाद पूछताछ की गई। पुलिस ने घटना की जानकारी मिलने के बाद जांच शुरू की और आरोपी से पूछताछ की। पुलिस के अनुसार, पूछताछ के दौरान श्रीपाद ने कथित तौर पर तरन्नुम को खाई में धकेलने की बात स्वीकार की। इसके बाद पुलिस ने मामले की आगे की जांच शुरू कर दी। पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि घटना से पहले दोनों के बीच क्या बातचीत हुई थी और वारदात किन परिस्थितियों में हुई। घटना की जानकारी मिलने के बाद तरन्नुम के रिश्तेदार गारगोटी के जिला अस्पताल पहुंचे। युवती की मौत से परिवार में शोक का माहौल है। इस घटना के सामने आने के बाद भुदरगड तहसील में भी सनसनी फैल गई। पुलिस मामले से जुड़े सभी पहलुओं की जांच कर रही है और आगे की कार्रवाई जांच में सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर की जाएगी। इस घटना की तुलना महाराष्ट्र के पुणे में सामने आए केतन से जुड़े हत्याकांड से की जा रही है। उस मामले में भी प्रेम संबंधों के बीच विवाद और पहाड़ी क्षेत्र से गिरने के कारण युवक की मौत का मामला चर्चा में आया था। अब कोल्हापुर में तरन्नुम की मौत के मामले ने एक बार फिर प्रेम संबंधों में विवाद के बाद हुई कथित हिंसक घटना को लेकर सवाल खड़े कर दिए हैं। हालांकि, दोनों मामलों की परिस्थितियां अलग-अलग हैं और कोल्हापुर की घटना में पुलिस जांच के बाद ही पूरे घटनाक्रम की स्पष्ट जानकारी सामने आएगी।

'इमरान खान कौन होते हैं?' किरीट सोमैया ने पुलिस को लिखा पत्र

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। भारतीय जनता पार्टी के नेता और पूर्व सांसद किरीट सोमैया ने अभिनेता इमरान खान के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। सोमैया ने मुंबई पुलिस को पत्र लिखकर यह जांच करने को कहा है कि क्या विदेशी नागरिक इमरान खान को कॉकरोच जनता पार्टी के समर्थन में आयोजित विरोध प्रदर्शन में शामिल होने की कानूनी अनुमति थी। उन्होंने अभिनेता को तुरंत देश से बाहर भेजने की मांग भी की है। हालांकि, यह मांग सोमैया की ओर से की गई है और इस संबंध में किसी आधिकारिक कार्रवाई की पुष्टि नहीं हुई है। किरीट सोमैया ने मुंबई के संयुक्त पुलिस आयुक्त मनोज कुमार शर्मा को पत्र लिखकर मामले की जांच करने और उचित कार्रवाई की मांग की। 10 अक्टूबर 2026 की तारीख वाले इस पत्र में उन्होंने इमरान खान के विरोध प्रदर्शन में शामिल होने का उल्लेख करते हुए सवाल उठाया कि क्या उन्होंने प्रदर्शन में हिस्सा लेने के लिए आवश्यक अनुमति ली थी। सोमैया ने अपने संदेश में अभिनेता के विदेशी नागरिक होने का हवाला देते हुए उनकी भागीदारी पर सवाल खड़े किए। सोमैया ने सामाजिक माध्यम पर अपनी पोस्ट में कहा कि उन्होंने मुंबई पुलिस को पत्र लिखकर विदेशी नागरिक और अभिनेता इमरान खान के विरोध प्रदर्शन में शामिल होने की जांच करने को कहा है। उन्होंने यह भी सवाल उठाया कि क्या किसी विदेशी नागरिक को राजनीतिक विरोध प्रदर्शन में भाग लेने की अनुमति दी जा सकती है। भाजपा नेता ने अपनी पोस्ट में महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और भाजपा के आधिकारिक खाते को भी टैग किया। इमरान खान ने प्रदर्शन में शामिल होने को लेकर अपनी बात रखते हुए कहा कि उनकी कोई मांग नहीं है। वह एक नागरिक और मुंबई में रहने वाले व्यक्ति के तौर पर वहां पहुंचे थे। उनके मुताबिक, वह यह देखना चाहते थे कि लोगों के आने-जाने की स्वतंत्रता पर रोक क्यों लगाई जा रही है और लोगों की आवाज क्यों दबाई जा रही है। उन्होंने कहा कि इसी वजह से वह प्रदर्शन में शामिल हुए। यह विरोध प्रदर्शन शनिवार को दक्षिण मुंबई के अगस्त क्रांति मैदान में आयोजित किया जाना था। प्रदर्शनकारी नई दिल्ली में कॉकरोच जनता पार्टी के प्रदर्शन के समर्थन में एकत्र हुए थे। पुलिस ने अगस्त क्रांति मैदान की ओर जाने वाले रास्तों पर बैरिकेडिंग की थी और इलाके में सुरक्षा बढ़ा दी थी। इसी दौरान अभिनेता इमरान खान समेत कई प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लिया गया। अधिकारियों के मुताबिक, प्रदर्शनकारियों को ग्रांट रोड रेलवे स्टेशन के पास गामदेवी इलाके में नाना चौक जंक्शन से हिरासत में लिया गया। पुलिसकर्मी उन्हें वाहनों में बैठाकर ले गए। अगस्त क्रांति मैदान के बाहर पुलिस वैन और बड़ी संख्या में पुलिसकर्मियों को तैनात किया गया था।



टेढ़ा हो गया है, लाओ सीधा कर दूं... कहकर हाथ में लिया सोने का कड़ा, फिर भाग गया शख्स, 3 लाख रुपये थी कीमत

महानगर मेट्रो ब्यूरो

महाराष्ट्र। महाराष्ट्र के लातूर जिले के उदगीर शहर में सोने का कड़ा सीधा करने के बहाने कथित ठगी का मामला सामने आया है। आरोप है कि एक व्यक्ति ने कड़ा टेढ़ा होने पर उसे सीधा करके लौटाने का भरोसा दिया, लेकिन कड़ा अपने पास लेने के बाद वापस नहीं किया और वहां से फरार हो गया। सोने के कड़े की कीमत करीब 3 लाख रुपये बताई जा रही है। होटल मैनेजर की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। यह घटना 9 अक्टूबर को दोपहर करीब 1 बजे उदगीर के उद्योग भवन इलाके में हुई। शिकायतकर्ता वेंकट विजयकुमार बिदवे स्वामी विवेकानंद नगर के निवासी हैं और एक होटल में मैनेजर के रूप में काम करते हैं। उन्होंने पुलिस को बताया कि उनका सोने का कड़ा मुड़ गया था और उसे सीधा कराने के लिए उन्होंने योगेश उत्तमराव हांडे को दिया था। शिकायत के मुताबिक, योगेश ने कड़ा सीधा



करके वापस देने का भरोसा दिलाया। इसी भरोसे में वेंकट ने अपना कड़ा उसे सौंप दिया। आरोप है कि कड़ा हाथ में लेने के बाद योगेश उसे लेकर वहां से चला गया और वापस नहीं लौटा। जब कड़ा वापस नहीं मिला, तो मामले की शिकायत पुलिस से की गई।

कड़ा लेने के बाद लौटाने के बजाय फरार होने का आरोप

बताया जा रहा है कि सोने का कड़ा टेढ़ा होने के कारण उसे सीधा कराने के लिए दिया गया था। लेकिन जिस व्यक्ति को कड़ा सौंपा गया, उसी पर उसे लेकर फरार होने का आरोप लगा है। कड़े की कीमत करीब 3 लाख रुपये होने के कारण शिकायतकर्ता को आर्थिक नुकसान होने की आशंका है। पुलिस अब शिकायत में बताए गए घटनाक्रम की जांच कर रही है। पुलिस के अनुसार, शिकायत में आरोपी की पहचान योगेश उत्तमराव हांडे के रूप में की गई है। वह सिंदाला गांव का निवासी बताया गया है। वेंकट बिदवे की शिकायत के आधार पर उसके खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। पुलिस आरोपी और सोने के कड़े के बारे में जानकारी जुटाने में लगी है। इस मामले में कड़ा सीधा कराने के लिए किया गया भरोसा ही शिकायत का मुख्य आधार है। शिकायतकर्ता के अनुसार, उन्होंने अपना सोने का कड़ा मरम्मत के लिए दिया था, लेकिन वह वापस नहीं मिला। अब पुलिस यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि कड़ा कहां गया और आरोपी की भूमिका क्या रही। मामले में आगे की कार्रवाई जांच में सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर की जाएगी।

सुजलॉन 550 करोड़ से तीन एआई आधारित 'विंड ब्लेड' कारखाने लगाएगी

चेन्नई ।

पवन ऊर्जा क्षेत्र की दिग्गज कंपनी सुजलॉन समूह देश में पवन ऊर्जा उपकरणों की बढ़ती मांग को पूरा करने और अपने विशाल ऑर्डर बुक के क्रियान्वयन में तेजी लाने के लिए 550 करोड़ रुपए का बड़ा निवेश कर रहा है। कंपनी तीन नए कृत्रिम मेधा (एआई) आधारित पवन टर्बाइन ब्लेड (विंड ब्लेड) कारखाने स्थापित करेगी, जिससे विनिर्माण क्षमता बढ़ेगी और तेजी से ऑर्डर पूरे किए जा सकेंगे। कंपनी के एक प्रमुख अ धिकारी के अनुसार, इनमें से दो संयंत्र गुजरात और कर्नाटक में, जबकि तीसरा तमिलनाडु में स्थापित किया जाएगा। कुल 550 करोड़ रुपए के निवेश में से तमिलनाडु इकाई पर 200 करोड़ रुपए और शेष 350 रुपए करोड़ गुजरात व कर्नाटक की परियोजनाओं पर खर्च होंगे। ये कारखाने 2027 तक तैयार होने की उम्मीद है और इनका वित्तपोषण कंपनी अपने आंतरिक स्रोतों से करेगी। ये नए संयंत्र स्मार्ट फैक्ट्रियों के रूप में विकसित होंगे, जहां एआई, रोबोटिक्स और डिजिटल प्रणालियों का व्यापक उपयोग होगा, जिससे उत्पादन क्षमता, गुणवत्ता और परिचालन दक्षता में सुधार आएगा। पवन ऊर्जा स्थलों के निकट होने से परिवहन भी सुधरेगा। इन इकाइयों से लगभग 3,000 प्रत्यक्ष और 12,000 अप्रत्यक्ष रोजगार सृजित होने का अनुमान है, जिनमें से 80त्न ग्रामीण क्षेत्रों में होंगे। सुजलॉन के पास मार्च 2026 तक लगभग छह गीगावाट क्षमता की पवन ऊर्जा परियोजनाओं के ऑर्डर हैं, जिन्हें पूरा करने में ये कारखाने अहम भूमिका निभाएंगे। सरकार भी देश में निर्मित कुशल पवन ऊर्जा उपकरणों के उपयोग को बढ़ावा दे रही है।

नए ऑर्डर और कोटक की रेटिंग अपग्रेड से केईसी इंटरनेशनल के शेयर उछले

नई दिल्ली ।

पिछले एक साल में भारी गिरावट झेलने के बाद केईसी इंटरनेशनल के शेयरों में उछाल आया। 1,030 करोड़ रुपये के नए ऑर्डर मिलने पर कोटक इंस्टीट्यूशनल इक्विटीज ने इसकी रेटिंग ऐड में अपग्रेड की, हालांकि लक्ष्य मूल्य 470 से घटाकर 400 रुपये कर दिया। शुक्रवार को केईसी इंटरनेशनल का शेयर 5.67 फीसदी चढ़कर 369.70 रुपये पर बंद हुआ, हालांकि यह अपने 52 सप्ताह के उच्चतम स्तर 893.95 रुपये से काफी नीचे है। कोटक के अनुसार, भारत में बिजली ट्रांसमिशन नेटवर्क के विस्तार (अगले 10 वर्षों में 7.9 लाख करोड़ निवेश संभावित) और नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं से कंपनी को लाभ होगा। ब्रोकरेज ने केबल और वायर कारोबार (अगले 3-4 वर्षों में 5,000 करोड़ राजस्व अनुमानित) तथा पश्चिमी एशियाई बाजारों में भी नए प्रोजेक्ट की उम्मीद जताई है। हालांकि, भुगतान में देरी, बढ़ती लागत और पश्चिम एशिया में तनाव जैसी चुनौतियां बरकरार हैं। ब्रोकरेज का अनुमान है कि वित्त वर्ष 27-28 की पहली छमाही तक मुनाफे पर दबाव रह सकता है। नए ऑर्डर से उम्मीदें बढ़ी हैं, लेकिन शेयर में आगे की तेजी कंपनी की वास्तविक कमाई और मुनाफे में सुधार पर ही निर्भर करेगी।

एच-1बी विवाद पर माइक्रोसाफ्ट बोला- 80 फीसदी आवेदन मौजूदा कर्मचा रियों के लिए

ट्रंप-युग की पाबंदियों के बीच कंपनी ने वीजा नीति पर दी सफाई, आरोपों को किया खारिज

वाशिंगटन ।

अमेरिकी प्रशासन द्वारा दिग्गज प्रौद्योगिकी कंपनी माइक्रोसॉफ्ट की ग्रीन कार्ड प्रायोजित करने की क्षमता पर रोक लगाने के बाद, कंपनी ने अपनी एच-1बी वीजा नीति का जोरदार बचाव किया है। माइक्रोसॉफ्ट ने स्पष्ट किया है कि उसके लगभग 80 प्रतिशत एच-1बी आवेदन नए कर्मचारियों की भर्ती के बजाय पहले से कार्यरत कर्मचारियों की आव्रजन स्थिति को बदलने या बढ़ाने के लिए थे। कंपनी ने बताया कि पिछले वित्तीय वर्ष में उसके 6,000 एच-1बी आवेदनों में से लगभग 80 प्रतिशत पहले से कार्यरत कर्मचारियों की आव्रजन स्थिति बदलने के लिए थे, न कि नए कर्मचारियों की भर्ती के लिए। माइक्रोसॉफ्ट के अनुसार, शेष आवेदन अमेरिका में पहले से कानूनी तौर पर रह रहे लोगों के लिए थे, जो कंपनी में शामिल हुए। ये आवेदन उसके अमेरिकी कार्यबल के लगभग एक प्रतिशत से संबंधित थे।

माइक्रोसॉफ्ट ने कम वेतन के आरोपों को भी खारिज करते हुए कहा कि एच-1बी कर्मचारियों को समान काम के लिए बराबर वेतन दिया जाता है। यह सफाई तब आई जब ट्रंप प्रशासन ने रोजगार आधारित ग्रीन कार्ड प्रायोजन पर रोक लगाई। कंपनी ने अमेरिकी कार्यबल पर भरोसा जताते हुए प्रशासन को अतिरिक्त जानकारी देने की पेशकश की है। हालांकि, माइक्रोसॉफ्ट ने प्रतिबंध के कानूनी आधार, अवधि और प्रभावित कर्मचारियों की संख्या का खुलासा नहीं किया।

नवरात्रि 2025 से नवरात्रि 2026 तक 11 प्रतिशत टूटा निफ्टी, वैश्विक चुनौतियों ने बिगाड़ी बाजार की चाल

मुंबई।

नवरात्रि 2025 से नवरात्रि 2026 के बीच भारतीय शेयर बाजार के लिए चुनौतीपूर्ण दौर रहा। मजबूत घरेलू आर्थिक वृद्धि और घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) के समर्थन के बावजूद वैश्विक आर्थिक और भू-राजनीतिक चुनौतियों ने बाजार की रफ्तार पर असर डाला। इस अवधि में निफ्टी इंडेक्स 11 प्रतिशत गिर गया, जबकि इसके अधिकांश घटकों ने नकारात्मक रिटर्न दर्ज किए। बाजार विशेषज्ञों के अनुसार, इस कमजोरी की प्रमुख वजहें बाहरी कारक रहे, जिनमें अमेरिका-ईरान तनाव से बढ़ी कच्चे तेल की कीमतें, रुपए में कमजोरी, वैश्विक बॉन्ड यील्ड में बढ़ोतरी और विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) की लगातार बिकवाली शामिल हैं। आंकड़ों के अनुसार, विदेशी निवेशकों ने वर्ष 2026 में अब तक भारतीय शेयर बाजार से 3.04 लाख करोड़ रुपए निकाले हैं। इससे पहले 2025 में भी एफपीआई ने 1.66 लाख करोड़ रुपए की शुद्ध बिकवाली की थी। लगातार निकासी से बाजार की धारणा प्रभावित हुई। निफ्टी के 50 शेयरों में से 31 शेयरों ने इस अवधि में नकारात्मक रिटर्न दिया।

सबसे खराब प्रदर्शन करने वाले शेयरों में आईटीसी, टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स, इंफोसिस, जियो फाइनेंशियल सर्विसेज और टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) शामिल रहे। इन सभी में 30 प्रतिशत से अधिक की गिरावट दर्ज की गई। इसके अलावा एचडीएफसी लाइफ इंश्योरेंस, मारुति सुजुकी, एचडीएफसी बैंक, हिंदुस्तान यूनिलीवर, मैक्स हेल्थकेयर और महिंद्रा एंड महिंद्रा जैसे प्रमुख शेयरों में 22 से 29 प्रतिशत तक की गिरावट देखने को मिली। कुल मिलाकर निफ्टी के लगभग 20 शेयरों में 12 प्रतिशत से अधिक की कमजोरी रही।

हालांकि बाजार में कुछ शेयरों ने विपरीत परिस्थितियों के बावजूद शानदार प्रदर्शन किया। श्रीराम फाइनेंस टॉप गेनर रहा और इस दौरान उसके शेयर में करीब 49 प्रतिशत की तेजी दर्ज की गई। इसी दौरान टाइटन कंपनी, अदाणी पोर्ट्स और हिंडाल्को इंडस्ट्रीज के शेयर 21 से 27 प्रतिशत तक चढ़े। वहीं नेस्ले इंडिया, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) और एक्सिस बैंक ने भी 10 प्रतिशत से अधिक का सकारात्मक रिटर्न दिया।

विश्लेषकों का मानना है कि निकट भविष्य में बाजार सीमित दायरे में रह सकता है।

निवेशकों की नजर अभी भी कच्चे तेल की कीमतों, वैश्विक बॉन्ड यील्ड और विदेशी निवेशकों की गतिविधियों पर बनी हुई है। हालांकि दूसरी तिमाही के कॉरपोरेट नतीजों के मजबूत रहने की उम्मीद है, लेकिन विशेषज्ञों का मानना है कि वैश्विक मैक्रो-आर्थिक चिंताएं किसी भी बड़ी और स्थायी तेजी को सीमित कर सकती हैं।

टाटा मोटर्स ने इवेको ग्रुप के अधिग्रहण की बोली बढ़ाई

- अब 3.91 अरब यूरो तक पहुंच सकती है कीमत

नई दिल्ली ।

टाटा मोटर्स ने इटली की कमर्शियल व्हीकल निर्माता इवेको ग्रुप को खरीदने के लिए अपनी पेशकश को और बढ़ा दिया है। नियामक मंजूरियों में हो रही देरी को देखते हुए कंपनी ने प्रति शेयर ऑफर प्राइस में 0.30 यूरो का इजाफा किया है। इसके बाद अब नया ऑफर प्राइस 14.40 यूरो प्रति शेयर हो गया है। अगर सभी शेयरधारक इस संशोधित ऑफर को स्वीकार करते हैं, तो इस सौदे की कुल कीमत बढ़कर लगभग 3.91 बिलियन यूरो (लगभग 39,100 करोड़ रुपये) तक पहुंच सकती है। पहले टाटा मोटर्स ने 14.10 यूरो प्रति शेयर का ऑफर दिया था। टाटा मोटर्स अपनी सब्सिडियरी टीएमएल सीवी होल्डिंग्स प्राइवेट लिमिटेड के जरिए यह अधिग्रहण कर रही है। कंपनी ने 2025 में इवेको के डिफेंस कारोबार को छोड़कर बाकी पूरे बिजनेस को खरीदने की योजना बनाई थी, जिसकी अनुमानित कीमत पहले लगभग 3.8 बिलियन यूरो थी। कंपनी ने शेयर बाजार को दी जानकारी में बताया है कि नियामक मंजूरियों में लगने वाले अधिक समय के कारण उसने यह फैसला लिया है। हालांकि, टाटा मोटर्स ने यह भी साफ कर दिया है कि वह अब इस कीमत में कोई और बढ़ोतरी नहीं करेगी। यह नया ऑफर 17 जुलाई 2025 को इवेको के शेयर भाव से 33.47 फीसदी और 29 जुलाई 2025 को डील के आधिकारिक ऐलान से ठीक पहले के भाव से 6.77 फीसदी ज्यादा है।

अयोध्या के श्री राम मंदिर को 'ईट राइट प्लेस ऑफ वर्शिप' का प्रमाण पत्र

मंदिर परिसर में खाद्य सुरक्षा और स्वच्छता मानकों के अनुपालन पर मुहर, दो साल तक रहेगा मान्य

नई दिल्ली ।

अयोध्या स्थित श्रीराम जन्मभूमि मंदिर को भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) ने प्रतिष्ठित ईट राइट प्लेस ऑफ वर्शिप प्रमाण पत्र प्रदान किया है। यह सम्मान मंदिर परिसर में प्रसाद व अन्य खाद्य पदार्थों की तैयारी एवं वितरण में उच्च खाद्य सुरक्षा और स्वच्छता मानकों के सख्त अनुपालन के लिए दिया गया है। यह महत्वपूर्ण प्रमाण पत्र 11 अक्टूबर, 2026 से 10 अक्टूबर, 2028 तक दो साल की अवधि के लिए मान्य होगा। शनिवार को अयोध्या में आयोजित एक विशेष समारोह में एफएसएसएआई के एक अधिकारी ने यह प्रमाणपत्र श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र को सौंपा था। इसकी जानकारी एफएसएसएआई ने रविवार को सोशल मीडिया के माध्यम से दी।

एफएसएसएआई की ईट राइट प्लेसेज ऑफ वर्शिप पहल ईट राइट इंडिया अभियान का एक अभिन्न अंग है। इसका मुख्य उद्देश्य धार्मिक स्थलों पर खाद्य सुरक्षा और स्वच्छता के मानकों को सुनिश्चित करना है, ताकि श्रद्धालुओं को सुरक्षित और गुणवत्तापूर्ण प्रसाद या भोजन मिल सके। यह पहल धार्मिक संस्थानों को खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता बनाए रखने, अनियमितताओं को रोकने और संबंधित नियमों का पालन करने के लिए प्रोत्साहित करती है। माणपत्र जारी करने से पहले एफएसएसएआई एक विस्तृत ऑडिट प्रक्रिया अपनाता है, जिसमें प्रारंभिक ऑडिट, संबंधित संस्थान को प्रशिक्षण और फिर तृतीय-पक्ष एजेंसियों द्वारा अंतिम ऑडिट शामिल है।

एफपीआई की भारतीय शेयर बाजार से बिकवाली का आंकड़ा तीन लाख करोड़ के पार

सितंबर में भी विदेशी निवेशकों ने भारतीय शेयर बाजार से 35,861 करोड़ निकाले थे

नई दिल्ली।

भारतीय शेयर बाजार से विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) की बिकवाली का सिलसिला अक्टूबर में भी जारी रहा, जिससे चालू वर्ष में उनकी कुल निकासी 3.04 लाख करोड़ रुपए के रिकॉर्ड स्तर को पार कर गई है। अक्टूबर में अब तक एफपीआई ने भारतीय इक्विटी बाजार से 44,166 करोड़ रुपये की भारी बिकवाली की है। कच्चे तेल की ऊंची कीमतें, अमेरिकी डॉलर की मजबूती और अमेरिकी बॉण्ड पर बढ़ते प्रतिफल जैसे वैश्विक कारकों को इस निकासी का मुख्य कारण माना जा रहा है। नेशनल सिक्योरिटीज डिपॉजिटरी लिमिटेड के आंकड़ों के अनुसार, सितंबर में भी विदेशी निवेशकों ने भारतीय शेयर बाजार से 35,861 करोड़ रुपये निकाले थे। हालांकि, जुलाई और अगस्त के महीनों में उन्होंने क्रमशः 20,200 करोड़ और 29,631 करोड़ रुपए का शुद्ध निवेश किया था, जो मौजूदा बिकवाली के उलट एक राहत भरी तस्वीर थी। इस वर्ष अब तक हुई 3.04 लाख करोड़ रुपये की कुल निकासी पिछले पूरे वर्ष 2025 की 1.66 लाख करोड़ रुपये की बिकवाली के मुकाबले काफी अधिक है, जो भारतीय बाजार से विदेशी पूंजी के लगातार पलायन को दर्शाता है। विशेषज्ञों का मानना है कि इस बिकवाली को भारत की निवेश क्षमता पर अविश्वास के रूप में देखने के बजाय वैश्विक स्तर पर पूंजी के पुनर्वितरण के तौर पर समझा जाना चाहिए। बाजार के जानकारों के अनुसार, खाड़ी क्षेत्र में आपूर्ति जोखिमों के कारण कच्चे तेल की कीमतें ऊंची बनी हुई हैं। इसके अलावा, मजबूत अमेरिकी डॉलर और अमेरिकी



बॉण्ड पर अधिक प्रतिफल निवेशकों को अपेक्षाकृत सुरक्षित निवेश विकल्पों की ओर आकर्षित कर रहे हैं।

उत्तर एशियाई बाजारों में कृत्रिम मेधा (एआई) से जुड़ी तेजी भी विदेशी पूंजी को अपनी ओर खींच रही है। उन्होंने यह भी बताया कि इस भारी बिकवाली के कारण ही चालू वर्ष में निफ्टी में 13.87 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई है, जो भारतीय बाजार के अपेक्षाकृत कमजोर प्रदर्शन की प्रमुख वजह रही है।

विदेशी निवेशकों ने सितंबर में भारतीय ऋण बाजार से भी शुद्ध बिकवाली की है, जिससे यह संकेत मिलता है कि उनका रुझान फिलहाल भारतीय संपत्तियों से दूर बना हुआ है।

अदाणी डिफेंस को उत्कृष्ट निर्यात प्रदर्शन के लिए एसआईडीएम चैंपियन पुरस्कार

रक्षा निर्यात वित्त वर्ष 26 में रिकॉर्ड 38,424 करोड़ रुपए पहुंचा

नई दिल्ली ।

अदाणी डिफेंस एंड एयरोस्पेस को रक्षा एवं वैमानिकी क्षेत्र में अपने उत्कृष्ट निर्यात प्रदर्शन के लिए सोसायटी ऑफ इंडियन डिफेंस मैन्युफैक्चरर्स (एसआईडीएम) का प्रतिष्ठित चैंपियन अवॉर्ड-2026 प्रदान किया गया है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने हाल ही में राजधानी में एसआईडीएम के आठवें वार्षिक सत्र में यह सम्मान दिया। अदाणी डिफेंस एंड एयरोस्पेस को उसके उल्लेखनीय निर्यात प्रदर्शन के लिए एसआईडीएम चैंपियन अवॉर्ड-2026 से नवाजा गया है। यह पुरस्कार कंपनी के भारत की रक्षा विनिर्माण क्षमताओं को वैश्विक स्तर पर ले जाने के प्रयासों को मान्यता देता है। कंपनी उत्तर प्रदेश के कानपुर स्थित अपने अत्याधुनिक विनिर्माण परिसर में छोटे कैलिबर के गोला-बारूद का उत्पादन करती है। इस सुविधा की वार्षिक उत्पादन क्षमता 30 करोड़



राउंड है, जिसमें स्वचालित तकनीक, एआई आधारित गुणवत्ता जांच और डिजिटल निगरानी प्रणालियों का उपयोग किया जाता है। कंपनी के एक मुख्य अधिकारी ने कहा कि यह सम्मान भारत की रक्षा विनिर्माण क्षमताओं और अंतरराष्ट्रीय आपूर्ति बढ़ाने के प्रयासों की महत्वपूर्ण पहचान है। यह उपलब्धि ऐसे समय में सामने आई है जब भारत का रक्षा निर्यात वित्त वर्ष 2025-26 में रिकॉर्ड 38,424 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है।

भारत में एआई शिक्षा व बच्चों की सुरक्षा पर डब्ल्यूईएफ का जोर

नई दिल्ली ।

विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ) की एक एआई विशेषज्ञ ने भारत में शिक्षा प्रणाली में कृत्रिम मेधा (एआई) साक्षरता को एकीकृत करने और बच्चों की सुरक्षा में निवेश करने वाली कंपनियों को प्रोत्साहन देने का आह्वान किया है। उन्होंने आगाह किया कि जहां एआई बच्चों के लिए नए अवसर पैदा करता है, वहीं हानिकारक सामग्री और निजता के उल्लंघन जैसे गंभीर जोखिम भी लाता है। उन्होंने भारत की विविधता के अनुरूप स्थानीय भाषाओं और डिजिटल साक्षरता पर आधारित एआई सुरक्षा उपायों की वकालत की। उन्होंने एआई साक्षरता को पाठ्यक्रम का हिस्सा बनाने और बच्चों द्वारा उपयोग की जाने वाली एआई प्रणालियों में अनिवार्य सुरक्षा आकलन का सुझाव दिया। उन्होंने माडल परीक्षण में बच्चों, शिक्षकों व अभिभावकों की भागीदारी पर जोर दिया, साथ ही बच्चों की सुरक्षा में निवेश करने वाली कंपनियों को सरकारी प्रोत्साहन देने की बात कही। उनके अनुसार, सुरक्षा और नवोन्मेषण विरोधी नहीं, बल्कि पूरक लक्ष्य हैं। उन्होंने बच्चों की उम्र और विकास के अनुकूल मजबूत डिफॉल्ट सुरक्षा उपायों, सरल निजता सेटिंग्स और अभिभावकीय नियंत्रण की आवश्यकता पर बल दिया।

लागत के बढ़ते बोझ से प्रभावित हो सकता है एफएमसीजी का परिचालन मुनाफा

सितंबर तिमाही में कच्चे माल की बढ़ती लागत और ग्रामीण मांग में कमी से परिचालन मार्जिन पर असर

नई दिल्ली ।

सितंबर तिमाही में देश की रोजमर्रा के उपभोग का सामान बनाने वाली (एफएमसीजी) कंपनियों के राजस्व में दोहरे अंक की वृद्धि की उम्मीद है, लेकिन कच्चे माल की बढ़ती कीमतों और ग्रामीण मांग में संभावित सुस्ती के कारण उनके परिचालन मार्जिन पर दबाव पड़ सकता है।

ब्रोकरेज रिपोर्टों के अनुसार, कच्चे तेल और अन्य प्रमुख जिंसों की कीमतों में बढ़ोतरी ने एफएमसीजी कंपनियों की लागत बढ़ाई है।

आईसीआईसीआई डायरेक्ट की एक रिपोर्ट बताती है कि कम बारिश से कृषि उत्पादन और ग्रामीण मांग प्रभावित होने की आशंका है, जो मुनाफे पर असर डाल सकती है।

खाद्य महंगाई आगे चलकर शहरी मांग को भी प्रभावित कर सकती है, जिससे कंपनियों के ए बिटा मार्जिन पर दबाव बढ़ेगा। डाबर इंडिया और गोदरेज कंज्यूमर प्रोडक्ट्स जैसी कंपनियों ने लागत वृद्धि से मार्जिन पर दबाव स्वीकार किया है, हालांकि वे मजबूत राजस्व वृद्धि की उम्मीद कर रहे हैं।

डाबर ने लागत बचत और चरणबद्ध मूल्य वृद्धि से प्रभाव कम करने की बात कही है। वहीं, मैरिको ने खोपरा की कीमतों में कमी और अनुकूल उत्पाद मिश्रण के चलते बेहतर सकल मार्जिन का अनुमान लगाया है, जो बढ़ती लागत के प्रभाव को कुछ हद तक कम करेगा।

कुल मिलाकर, यह तिमाही एफएमसीजी कंपनियों के लिए राजस्व वृद्धि और मुनाफे में धीमी वृद्धि का मिला-जुला दौर साबित हो सकती है, जहां लागत नियंत्रण और उपभोक्ता मांग महत्वपूर्ण कारक होंगे।

कंपनियों के तिमाही परिणामों, महंगाई के आंकड़ों पर रहेगी निवेशकों की नजर

एस बॉन्ड यील्ड और पश्चिम एशिया की स्थिति पर भी रहेगी निवेशकों की नजर

मुंबई ।

घरेलू शेयर बाजार में पिछले सप्ताह देखी गई तेजी के बाद अब निवेशकों का ध्यान कंपनियों के दूसरी तिमाही के वित्तीय परिणामों और देश के प्रमुख महंगाई आंकड़ों पर केंद्रित हो गया है। आने वाले सप्ताह में बाजार की दिशा तय करने में ये घरेलू संकेतक अहम भूमिका निभाएंगे। अगले सप्ताह एचसीएल टेक्नोलॉजीज, टेक महिंद्रा, विप्रो जैसी आईटी दिग्गज, साथ ही एक्सिस बैंक, एचडीएफसी बैंक और आईसीआईसीआई बैंक जैसे वित्तीय क्षेत्र के बड़े खिलाड़ी अपने जुलाई-सितंबर तिमाही के नतीजे जारी करेंगे। इन नतीजों से न केवल संबंधित कंपनियों के शेयरों की चाल तय होगी, बल्कि यह पूरे सेक्टर और समग्र बाजार की निवेश धारणा को भी प्रभावित करेगा।

तिमाही नतीजों के साथ, खुदरा और थोक महंगाई के आंकड़े भी इसी सप्ताह जारी होने हैं। ये आंकड़े भारतीय रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति और आगामी ब्याज दरों के फैसलों पर सीधा असर डाल सकते हैं, जिससे निवेशकों की उम्मीदें प्रभावित होंगी। घरेलू मोर्चे के अलावा, वैश्विक परिस्थितियां भी भारतीय बाजार के लिए महत्वपूर्ण होंगी। पश्चिम एशिया में जारी तनाव और कच्चे तेल की कीमतों में लगातार उतार-चढ़ाव एक प्रमुख चिंता का विषय बना हुआ है। हालांकि, पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की रूस से 3 लाख टन से अधिक डीजल की तत्काल आपूर्ति (जिसमें नवंबर में 5 लाख टन और उसके बाद 10 लाख टन अतिरिक्त शामिल है) की घोषणा कुछ हद तक ऊर्जा बाजार को स्थिरता प्रदान कर सकती है, जिससे कच्चे तेल की कीमतों पर दबाव कम होने की उम्मीद है। इसके अतिरिक्त, अमेरिकी बॉन्ड यील्ड का लगातार 5 प्रतिशत के ऊपर बना रहना वैश्विक पूंजी प्रवाह और उभरते बाजारों पर दबाव बनाए रख सकता है।

नेटफ्लिक्स में फिर छंटनी की आशंका, सैकड़ों कर्मचारियों पर लटकी तलवार

रिपोर्ट के मुताबिक, कंपनी अगले सप्ताह कर सकती है घोषणा

नई दिल्ली ।

वीडियो स्ट्रीमिंग की दिग्गज कंपनी नेटफ्लिक्स एक बार फिर बड़े पैमाने पर छंटनी की तैयारी में है। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार कंपनी अगले सप्ताह की शुरुआत में अपने लगभग 5 प्रतिशत कर्मचारियों की छंटनी की आधिकारिक घोषणा कर सकती है, जिससे सैकड़ों कर्मचारियों की नौकरी प्रभावित होगी। यह कदम वैश्विक प्रौद्योगिकी क्षेत्र में जारी व्यापक छंटनी के रुझान के बीच आया है, जहां कंपनियां परिचालन लागत और बढ़ती प्रतिस्पर्धा के बीच संतुलन बनाने की कोशिश कर रही हैं। नेटफ्लिक्स में संभावित छंटनी से कंपनी के मौजूदा कार्यबल का एक बड़ा हिस्सा प्रभावित होगा। वर्ष 2025 के अंत तक नेटफ्लिक्स में लगभग 16,000 कर्मचारी कार्यरत थे, ऐसे में 5 प्रतिशत की कटौती का अर्थ सैकड़ों लोगों को अपनी नौकरी गंवानी पड़ सकती है। हालांकि, नेटफ्लिक्स ने इस संबंध में अभी तक कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया है। कंपनी में इससे पहले वर्ष 2022 में भी बड़े स्तर पर छंटनी हुई थी, जब कारोबार की धीमी वृद्धि और ग्राहकों की संख्या में गिरावट के कारण सैकड़ों कर्मचारियों को हटाया गया था। यह संभावित फैसला स्ट्रीमिंग उद्योग में बढ़ती प्रतिस्पर्धा के बीच आया है। गूगल के स्वामित्व वाला यूट्यूब लगातार दर्शकों और विज्ञापन से होने वाली कमाई का बड़ा हिस्सा आकर्षित कर रहा है। इसके अलावा, कई मीडिया कंपनियां अपने कारोबार को मजबूत करने के लिए विलय और एकीकरण जैसे कदम उठा रही हैं। इन चुनौतियों का सामना करने के लिए, नेटफ्लिक्स ने पारंपरिक सदस्यता आधारित कारोबार से आगे बढ़कर विज्ञापन, लाइव कार्यक्रमों और गेमिंग जैसे नए क्षेत्रों में विस्तार किया है। हालांकि, इन नई गतिविधियों के बावजूद कंपनी के सामने परिचालन लागत और कड़ी प्रतिस्पर्धा से जुड़ी चुनौतियां बनी हुई हैं। नेटफ्लिक्स में संभावित छंटनी वैश्विक प्रौद्योगिकी क्षेत्र में नौकरियों में कटौती के व्यापक पैटर्न का हिस्सा है।

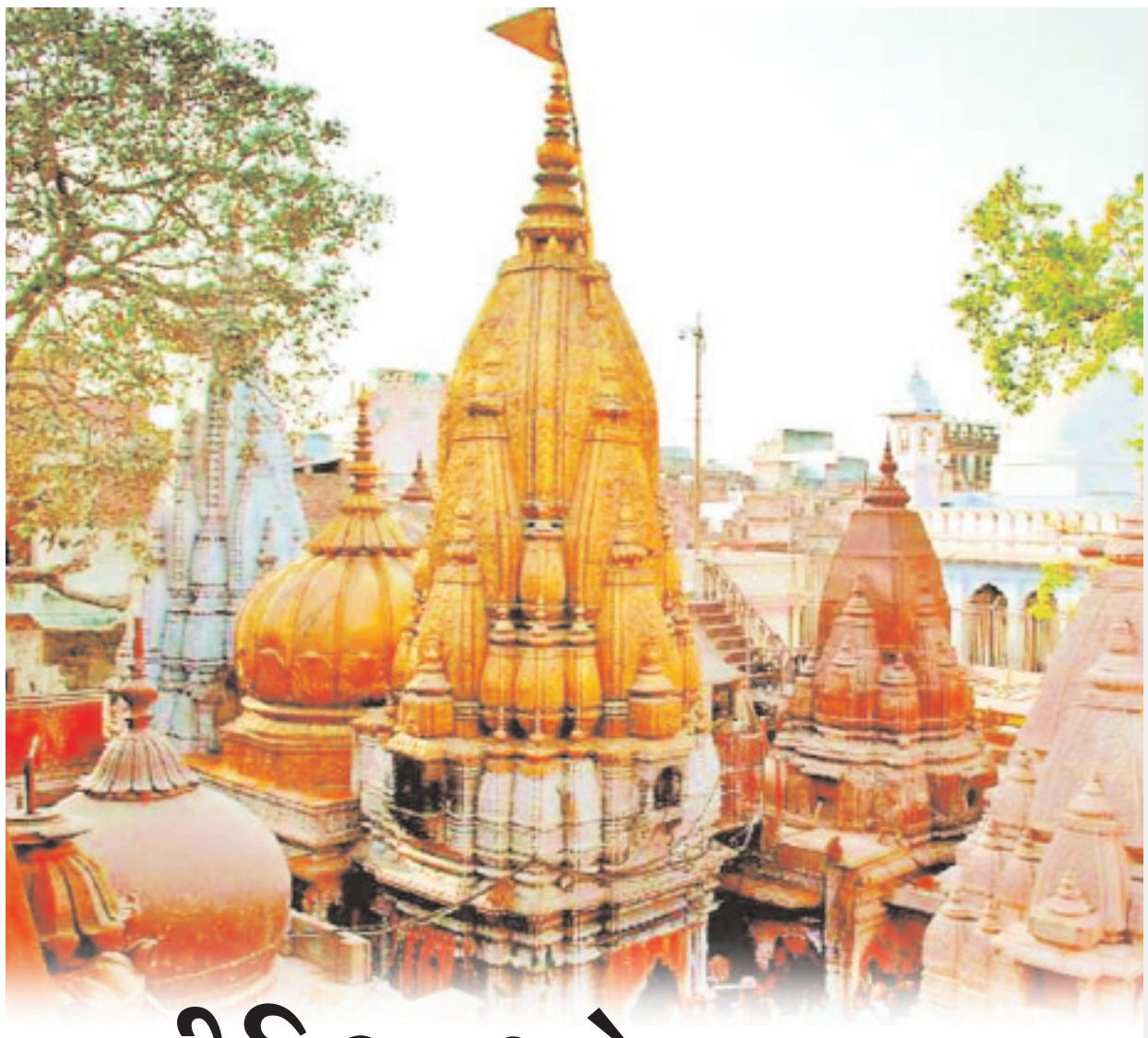
बीएमडब्ल्यू इंडस्ट्रीज ने लॉन्च किया कलर-कोटेड इस्पात

800 करोड़ की बोकारो विस्तार योजना का हिस्सा, घरेलू मांग व पीएलआई प्रोत्साहन से मिली ताकत

नई दिल्ली ।

बीएमडब्ल्यू इंडस्ट्रीज ने घरेलू बाजार में विशेष इस्पात की बढ़ती मांग को भुनाने के लिए बोकारो में कलर-कोटेड इस्पात का उत्पादन शुरू कर दिया है। यह नई उत्पादन लाइन कंपनी की 800 करोड़ रुपये की विस्तार योजना का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है, जिसका लक्ष्य अपने उत्पाद पोर्टफोलियो का विस्तार करना है। कंपनी के एक व रिष्ठ अ धिकारी ने बताया कि यह उत्पाद बुनियादी ढांचे, वाहन, निर्माण और उपभोक्ता वस्तुओं जैसे प्रमुख क्षेत्रों में बढ़ती मांग को पूरा करेगा। उन्होंने कहा कि यह परियोजना केंद्र की पीएलआई योजना के तहत स्थापित है, जिससे मूल्यवर्धित इस्पात में कंपनी की स्थिति मजबूत होगी। कलर-कोटेड इस्पात अपनी बेहतर जंग प्रतिरोधक क्षमता के कारण कई उद्योगों के लिए उपयोगी है। अब तक इस्पात कॉइल, शीट, पाइप व टीएमटी सरिया बनाती रही बीएमडब्ल्यू इंडस्ट्रीज के लिए यह लाइन नए डाउनस्ट्रीम इस्पात परिसर का पहला चरण है। 5 लाख टन क्षमता वाले इस परिसर में भविष्य में कोटेड स्टील की अतिरिक्त लाइनें भी लगेंगी। कंपनी फिलहाल घरेलू बाजार पर केंद्रित है, पर भविष्य में अंतरराष्ट्रीय बाजारों में भी प्रवेश पर विचार करेगी। ऊर्जा आपूर्ति हेतु इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन से पीएनजी आपूर्ति के लिए भी साझेदारी की गई है।





काशी विश्वनाथ के अनसुने रहस्य

बारह ज्योतिर्लिंगों में से एक ज्योतिर्लिंग काशी में है जिसे बाबा विश्वनाथ कहते हैं। काशी को बनारस और वाराणसी भी कहते हैं। शिव और काल भैरव की यह नगरी अद्भुत है जिसे सप्तपुरियों में शामिल किया गया है। दो नदियों 'वरुणा' और 'असि' के मध्य बसे होने के कारण इसका नाम 'वाराणसी' पड़ा। आओ जानते हैं बाबा काशी विश्वनाथ के 10 अनसुने रहस्य।

त्रिशुल की नोक कर बसी है काशी

पुरी में जगन्नाथ है तो काशी में विश्वनाथ। भगवान शिव के त्रिशुल की नोक पर बसी है शिव की नगरी काशी।

भगवान शिव की सबसे प्रिय नगरी

भगवान शंकर को यह गद्दी अत्यन्त प्रिय है इसीलिए उन्होंने इसे अपनी राजधानी एवं अपना नाम काशीनाथ रखा है।

विष्णु की तपोभूमि

विष्णु ने अपने चिन्तन से यहां एक पुष्करणी का निर्माण किया और लगभग पचास हजार वर्षों तक वे यहां घोर तपस्या करते रहे।

सदाशिव ने की उत्पत्ति काशी की

शिवपुराण अनुसार उस कालरूपी ब्रह्म सदाशिव ने एक ही समय शक्ति के साथ 'शिवलोक' नामक क्षेत्र का निर्माण किया था। उस उत्तम क्षेत्र को 'काशी' कहते हैं। यहां शक्ति और शिव अर्थात कालरूपी ब्रह्म सदाशिव और दुर्गा यहां पति और पत्नी के रूप में निवास करते हैं।

ब्रह्मा विष्णु और महेष की उत्पत्ति

कहते हैं कि यहीं पर सदाशिव से पहले विष्णु, फिर ब्रह्मा, रुद्र और महेष की उत्पत्ति हुई।

काशी में मिलता है मोक्ष

ऐसी मान्यता है कि वाराणसी या काशी में मनुष्य के देहावसान पर स्वयं महादेव उसे मुक्तिदायक तारक मंत्र का उपदेश करते हैं। इसीलिए अधिकतर लोग यहां काशी में अपने जीवन का अंतिम वक्त बीताने के लिए आते हैं और मरने तक यहीं रहते हैं। इसके काशी में पर्याप्त व्यत्था की गई है। यह शहर सप्तमोक्षदायिनी नगरी में एक है।

उत्तरकाशी भी काशी

उत्तरकाशी को भी छोटा काशी कहा जाता है। ऋषिकेश उत्तरकाशी जिले का मुख्य स्थान है। उत्तरकाशी जिले का एक भाग बड़कोट एक समय पर गढ़वाल राज्य का हिस्सा था। बड़कोट आज उत्तरकाशी का काफी महत्वपूर्ण शहर है। उत्तरकाशी की भूमि सदियों से भारतीय साधु-संतों के लिए आध्यात्मिक अनुभूति की और तपस्या स्थली रही है। महाभारत के अनुसार उत्तरकाशी में ही एक महान साधु जड़ भारत ने यहां घोर तपस्या की थी। स्कंद पुराण के केदारखंड में उत्तरकाशी और भागीरथी, जाह्नवी व भीलगंगा के बारे में वर्णन है।

ज्योतिर्लिंग

द्वादश ज्योतिर्लिंगों में प्रमुख काशी विश्वनाथ मंदिर अनादिकाल से काशी में है। ह स्थान शिव और पार्वती का आदि स्थान है इसीलिए आदिलिंग के रूप में अविमुक्तेश्वर को ही प्रथम लिंग माना गया है। इसका उल्लेख महाभारत और उपनिषद में भी किया गया है। 1460 में वाचस्पति ने अपनी पुस्तक 'तीर्थ चिंतामणि' में वर्णन किया है कि अविमुक्तेश्वर और विशेश्वर एक ही शिवलिंग है।

विष्णु की पुरी

पुराणों के अनुसार पहले यह भगवान विष्णु की पुरी थी, जहां श्रीहरि के आनंदाश्रु गिरे थे, वहां बिंदु सरोवर बन गया और प्रभु यहां 'बिंधुमाधव' के नाम से प्रतिष्ठित हुए। महादेव को काशी इतनी अच्छी लगी कि उन्होंने इस पावन पुरी को विष्णुजी से अपने नित्य आवास के लिए मांग लिया। तब से काशी उनका निवास स्थान बन गई।

धनुषाकारी है यह नगरी

पतित पावनी भागीरथी गंगा के तट पर धनुषाकारी बसी हुई है जो पाप-नाशिनी है।

हिन्दू धर्म में क्यों महत्व है लाल रंग का

वैज्ञानिकों के अनुसार रंग तो मूलतः पांच ही होते हैं- कला, सफेद, लाल, नीला और पीला। काले और सफेद को रंग मानना हमारी मजबूरी है जबकि यह कोई रंग नहीं है। इस तरह तीन ही प्रमुख रंग बच जाते हैं- लाल, पीला और नीला। आपने आग जलते हुए देखी होगी- उसमें यह तीन ही रंग दिखाई देते हैं। हिन्दू धर्म में इन तीनों ही रंगों को महत्व है, क्योंकि इन्हीं में हरा, केसरिया, नारंगी आदि रंग समाए हुए हैं। लाल रंग के अंतर्गत सिंदुरिया, केसरिया या भगवा का उपयोग भी कर सकते हैं।

- हिन्दू धर्म अनुसार लाल रंग उत्साह, सौभाग्य, उमंग, साहस और नवजीवन का प्रतीक है। लाल रंग उग्रता का भी प्रतीक है।
- यह रंग अग्नि, रक्त और मंगल ग्रह का रंग भी है।
- हिन्दू धर्म में विवाहित महिला लाल रंग की साड़ी और हरी चूड़ियां पहनती है।
- प्रकृति में लाल रंग या उसके ही रंग समूह के फूल अधिक पाए जाते हैं।
- लाल रंग माता लक्ष्मी को पसंद है। मां लक्ष्मी लाल वस्त्र पहनती हैं और लाल रंग के कमल पर शोभायमान रहती हैं।
- रामभक्त हनुमान को भी लाल व सिन्दूरी रंग प्रिय हैं इसलिए भक्तगण उन्हें सिन्दूर अर्पित करते हैं।
- मां दुर्गा के मंदिरों में आपको लाल रंग की ही अधिकता दिखाई देगी।
- लाल के साथ भगवा या केसरिया सूर्योदय और सूर्यास्त का रंग भी है।
- यह रंग चिरंतन, सनातनी, पुनर्जन्म की धारणाओं को बताने वाला रंग है।
- विवाह के समय दुल्हन लाल रंग की साड़ी ही पहनती है और दूल्हा भी लाल या केसरी रंग की पगड़ी ही धारण करता है, जो उसके आने वाले जीवन की खुशहाली से जुड़ी है।
- केसरिया रंग त्याग, बलिदान, ज्ञान, शुद्धता एवं सेवा का प्रतीक है। शिवाजी की सेना का ध्वज, राम, कृष्ण और अर्जुन के रथों के ध्वज का रंग केसरिया ही था। केसरिया या भगवा रंग शौर्य, बलिदान और वीरता का प्रतीक भी है।
- सनातन धर्म में केसरिया रंग उन साधु-संन्यासियों द्वारा धारण किया जाता है, जो मुमुक्षु होकर मोक्ष के मार्ग पर चलने लिए कृतसंकल्प होते हैं। ऐसे संन्यासी खुद और अपने परिवारों के सदस्यों का पिंडदान करके सभी तरह की मोह-माया त्यागकर आश्रम में रहते हैं। भगवा वस्त्र को संयम, संकल्प और आत्मनियंत्रण का भी प्रतीक माना गया है।



पूजाघर में रखी गरुड़ घंटी के राज

मंदिर के द्वार पर और विशेष स्थानों पर घंटी या घंटे लगाने का प्रचलन प्राचीन काल से ही रहा है। मंदिर या घर के पूजाघर में आपने देखा होगा गरुड़ घंटी को। आओ जानते हैं इस घंटी के राज और पूजाघर में रखने के 5 फायदे।



- हिंदू धर्म अनुसार सृष्टि की रचना में ध्वनि का महत्वपूर्ण योगदान मानता है। ध्वनि से प्रकाश की उत्पत्ति और बिंदु रूप प्रकाश से ध्वनि की उत्पत्ति का सिद्धांत हिंदू धर्म का ही है। इसीलिए घंटी रूप में ध्वनि को मंदिर या पूजाघर में रखा जाता है।
- जब सृष्टि का प्रारंभ हुआ तब जो नाद था, घंटी की ध्वनि को उसी नाद का प्रतीक माना जाता है।
- घटी के रूप में सृष्टि में निरंतर विद्यमा नाद ओंकार या की तरह है जो हमें यह मूल तत्व की याद दिलाता है।
- घंटियां 4 प्रकार की होती हैं :- 1.गरूड़ घंटी, 2. द्वार घंटी, 3 हाथ घंटी और 4.घंटा।
- गरूड़ घंटी छोटी-सी होती है जिसे एक हाथ से बजाया जा सकता है।
- द्वार घंटी द्वार पर लटकी होती है। यह बड़ी और छोटी दोनों ही आकार की होती है।
- हाथ घंटी पीतल की ठोस एक गोल प्लेट की तरह होती है जिसको लकड़ी के एक गद्दे से ठोककर बजाते हैं।
- घंटा बहुत बड़ा होता है। कम से कम 5 फुट लंबा और चौड़ा। इसको बजाने के बाद आवाज कई किलोमीटर तक चली जाती है।
- भगवान गुरुढ़ के नाम पर है गुरुढ़ घंटी जिस का मुख गुरुण के समान ही होता है। भगवान गरुड़ को विष्णु का वाहन और द्वारपाल माना जाता है। अधिकतर मंदिरों में मंदिर के बाहर आपको द्वार पर गरुड़ भगवान की मूर्ति मिलेगी। दक्षिण भारत के मंदिरों में अक्सर इसे देखा जा सकता है।
- घंटी या घंटे को काल का प्रतीक भी माना गया है। ऐसा माना जाता है कि जब प्रलय काल आएगा तब भी इसी प्रकार का नाद यानि आवाज प्रकट होगी

फायदे

- घंटी विशेष प्रकार का नाद होता है जो आसपास के वातावरण को शुद्ध करता है। इससे वातावरण हमेशा शुद्ध और पवित्र बना रहता है। ऐसा कहते हैं कि घंटी बजाने से वातावरण में एक कंपन पैदा होता है। इस कंपन के वायुमंडल में फैलने से जीवाणु, विषाणु इस तरह के सूक्ष्म जीव आदि नष्ट हो जाते हैं और वातावरण शुद्ध हो जाता है।
- घर के पूजाघर या मंदिर में प्रात: और संध्या को ही आरती करते वक्त घंटी बजाने का नियम है। वह भी लयपूर्ण। इससे हमारा मन शांत होकर तनाव हट जाता है।
- जिन स्थानों पर घंटी बजने की आवाज नियमित आती है वहां से नकारात्मक शक्तियां हटती है। नकारात्मकता हटने से समृद्धि के द्वारा खुलते हैं। इससे सभी तरह के वास्तुदोष भी दूर हो जाते हैं।
- स्कंद पुराण के अनुसार घंटी बजाने से मानव के सौ जन्मों के पाप नष्ट हो जाते हैं।
- यह भी कहा जाता है कि घंटी बजाने से देवताओं के समक्ष आपकी हाजिरी लग जाती है।

तुंगविद्या की वीणा की धुन पर नाचते थे श्रीकृष्ण

पौराणिक ग्रंथों के अनुसार श्रीजी राधारानी की 8 सखियां थीं। अष्टसखियों के नाम हैं- 1.ललिता, 2.विशाखा, 3.चित्रा, 4. इंदुलेखा, 5.चंपकलता, 6.रंगदेवी, 7.तुंगविद्या और 8.सुदेवी। राधारानी की इन आठ सखियों को ही ''अष्टसखी'' कहा जाता है। श्रीधाम वृंदावन में इन अष्टसखियों का मंदिर भी स्थित है। आओ इस बार जानते हैं तुंगविद्या के बारे में संक्षिप्त जानकारी।

- सखी तुंगविद्या नृत्य तथा गायन करके श्रीराधा और कृष्ण का मनोरंजन करती हैं।
- इन्हें माता पार्वती गौरी मां का अवतार माना जाता है।
- तुंगविद्या सखी 18 वेद विद्याओं में पारंगत है।
- ये वीणा बजाना भी जानती हैं और नाट्यशास्त्र एवं रसशास्त्र में भी कुशल है।
- इनकी माता का नाम मेघा, पिता का नाम पुष्कर और पति का नाम बालिश है। कुछ जगहों पर इनके पिता का नाम अंगद एवं माता का नाम ब्रह्मकर्णी बताया जाता है।
- कहते हैं कि श्रीकृष्ण तुंगविद्या की विणा पर नाचते थे।
- बरसाना से दक्षिण दिशा में छह किलोमीटर दूर सखी तुंग विद्या का गांव डभाला है। वहीं बरसाना से 8 किलोमीटर दक्षिण दिशा में स्थित राकोंली गांव रंगदेवी सखी का गांव है।
- पहाड़ी पर इनका मंदिर है। तुंगविद्या सखी पीले रंग के परिधान धारण कर भक्तों को दर्शन देती हैं।
- इनका जन्म भाद्रपद शुक्लपक्ष पंचमी को हुआ था।
- राधाजी से पांच दिन छोटी हैं रंगदेवी और तीन दिन बढ़ी है तुंग विद्या।



कुल देवी या देवता को 4 उपाय से मनाएं और संकटों से मुक्ति पाएं

भारत में कई समाज या जाति के कुलदेवी और देवता होते हैं। भारतीय लोग हजारों वर्षों से अपने कुलदेवी और देवता की पूजा करते आ रहे हैं। हालांकि आजकल अधिकतर परिवार ने अपाने कुलदेवी और कुल देवताओं को पूजना या उनको याद करना छोड़ दिया है। संभवत: इसी के कारण वे घोर संकट में घिरे हुए हैं। यदि ऐसा है तो 4 उपाय करें और संकटों से मुक्ति पाएं।

- जन्म, विवाह आदि मांगलिक कार्यों में कुलदेवी या देवताओं के स्थान पर जाकर उनकी पूजा की जाती है या उनके नाम से स्तुति की जाती है। कुलदेवी की कृपा का अर्थ होता है सौ सुनार की एक लोहार की। बिना कुलदेवी कृपा के किसी के कुल का वंश ही क्या कोई नाम, यश आगे बढ़ नहीं सकता। अत: कुल देवी और देवता के लिए प्रतिदिन सुबह और शाम को भोग निकालें और उनके नाम का उच्चारण करें। स्थान का नाम भी नहीं मालूम हो तो तो हे माता कुलदेवी और कुलदेवता आपकी सदा विजयी हो। दुर्गा माता की जय, भैरू महाराज की जय।
- एक ऐसा भी दिन होता है जबकि संबंधित कुल के लोग अपने देवी और देवता के स्थान पर इकट्ठा होते हैं। जिन लोगों को अपने कुलदेवी और देवता के बारे में नहीं मालूम है या जो भूल गए हैं, वे अपने कुल की शाखा और जड़ों से कट गए हैं। कुलदेवी या कुल देवता के स्थान से आपके पूर्वजों का पता लगता है। जिसे यह नहीं याद है वे भैरू महाराज और दुर्गा माता के मंदिर में जाकर उनके नाम का भोज चढ़ाएं और पूजा करें।
- कुल देवी या देवता के स्थान पर जाकर एक साबूत नींबू लें और उसको अपने उपर से 21 बार वार कर उसे दो भागों में काटकर एक भाग को दूसरे भाग की दिशा में और दूसरे भाग को पहले भाग की दिशा में फेंक दें। इसके बाद कुलदेवी या देवता से क्षमा मांग कर वहां अच्छे से पूजा पाठ करें या करवाएं और सभी को दान-दक्षिणा दें।
- कुलदेवता की पूजा करते समय शुद्ध देसी घी का दीया, धूप, अगरबती, चंदन और कपूर जलाना चाहिए साथ ही प्रसाद स्वरूप भोग भी लगाना चाहिए। कुलदेवता को चंदन और चावल का टीका अर्पण करते समय ध्यान रखें की टूटे हुए या खंडित चावल ना हो। कुलदेवता को हल्दी में लिपटे पीले चावल पानी में भिगोकर अर्पण करना शुभ माना जाता है। पूजा के समय पान के पत्ते का बहुत महत्व है जिसके साथ सुपारी, लौंग, इलायची और गुलकंद भी अर्पण करना चाहिए। कुलदेवी या देवता को पुष्प चढ़ाते हुए आपको इन्हें पानी में अच्छी तरह से धोना चाहिए। सभी देवी-देवताओं की पूजा जिस तरह सुबह-शाम की जाती है, उसी तरह कुलदेवी और देवता की पूजा भी दीपक जलाकर करनी चाहिए।

हिन्दू धर्म में पंचामृत या चरणामृत के साथ तुलसी का सेवन जरूरी है। हर मंदिर में आपको चरणामृत तो मिलेगा पर पंचामृत कम ही मिलेगा। पंचामृत किसी तीज त्योहार पर बनाया जाता है। हालांकि कुछ मंदिरों में प्रतिदिन ही पंचामृत का प्रसाद बंटता है। आओ जानते हैं कि क्या है चरणामृत सेवन के लाभ।

चरणामृत सेवन के चमत्कारिक फायदे

कैसे बनता चरणामृत : तांबे के बर्तन में चरणामृतरूपी जल रखने से उसमें तांबे के औषधीय गुण आ जाते हैं। चरणामृत में तुलसी पत्ता, तिल और दूसरे औषधीय तत्व मिले होते हैं। मंदिर या घर में हमेशा तांबे के लोटे में तुलसी मिला जल रखा ही रहता है।

चरणामृत लेने के नियम : चरणामृत ग्रहण करने के बाद बहुत से लोग सिर पर हाथ फेरते हैं, लेकिन शास्त्रीय मत है कि ऐसा नहीं करना चाहिए। इससे नकारात्मक प्रभाव बढ़ता है। चरणामृत हमेशा दाएं हाथ से लेना चाहिए और श्रद्धाभक्तिपूर्वक मन को शांत रखकर ग्रहण करना चाहिए। इससे चरणामृत अधिक लाभप्रद होता है।

चरणामृत सेवन के **चमत्कारिक फायदे :**

- शास्त्रों में कहा गया है- अकालमृत्युहरणं सर्वव्याधिविनाशनम्। विष्णो पादोदकं पीत्वा पुनर्जन्म न विद्यते।।

अर्थात : भगवान विष्णु के चरणों का अमृतरूपी जल सभी तरह के पापों का नाश करने वाला है। यह औषधि के समान है। जो चरणामृत का सेवन करता है उसका पुनर्जन्म नहीं होता है।

- चरणामृत का जल का सेवन करने से कभी भी कैंसर नहीं होगा और न ही किसी भी प्रकार का अन्य रोग।
- तुलसी का पौधा एक एंटीबायोटिक मेडिसिन होता है। इसके सेवन से शरीर की प्रतिरोधक क्षमता में बढ़ोतरी होती है, बीमारियां दूर भागती हैं और शारीरिक द्रव्यों का संतुलन बना रहता है।
- आयुर्वेद की दृष्टि से चरणामृत स्वास्थ्य के लिए बहुत ही अच्छा माना गया है। आयुर्वेद के अनुसार तांबे में अनेक रोगों को नष्ट करने की क्षमता होती है।
- आयुर्वेद के अनुसार यह पौरूष शक्ति को बढ़ाने में भी गुणकारी माना जाता है।
- तुलसी के इस रस से कई रोग दूर हो जाते हैं और इसका जल मस्तिष्क को शांति और निश्चिंतता प्रदान करता हैं।
- स्वास्थ्य लाभ के साथ ही साथ चरणामृत बुद्धि, स्मरण शक्ति को बढ़ाने भी कारगर होता है।



हार्दिक पांड्या 33 साल के हुए, जन्मदिन पर प्रशंसकों और साथी खिलाड़ियों ने दी बधाई



नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या आज 33 साल के हो गये। जन्मदिन पर हार्दिक को प्रशंसकों के साथ ही साथी खिलाड़ियों ने बधाई दी है। जिन्होंने 33 वर्ष की उम्र तक भारतीय क्रिकेट में अपनी एक अलग पहचान बनाई है। साल 2016 में वनडे और टी20 अंतरराष्ट्रीय में पदार्पण करने के बाद से वह इन दोनों प्रारूपों के नियमित सदस्य रहे हैं। 94 एकदिवसीय मैचों की 68 पारियों में उन्होंने 11 अर्धशतकों की मदद से 1,904 रन बनाए हैं और 91 विकेट अपने नाम किए हैं। वहीं, 138 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में उन्होंने 9 अर्धशतकों के साथ 2,288 रन बनाए हैं और 114 विकेट झटके हैं। उन्होंने जुलाई 2017 में टेस्ट डेब्यू के बाद सितंबर 2018 में अपना आखिरी टेस्ट खेला पर इस छोटे से अंतराल में उन्होंने 11 टेस्ट की 18 पारियों में एक शतक और चार अर्धशतक सहित 532 रन बनाए और 17 विकेट लिए।

हार्दिक ने अपने बेहतरीन प्रदर्शन से भारतीय टीम को से भारत को 17 साल बाद विश्व चैंपियन बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। मैदान से बाहर के उतार-चढ़ाव और खराब फॉर्म से जूझने के बावजूद, पांड्या ने बड़े टूर्नामेंटों में अपने प्रदर्शन से टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई। उनकी तेज गेंदबाजी, विस्फोटक बल्लेबाजी और बेहतरीन क्षेत्ररक्षण उन्हें सिर्फ भारत में ही नहीं, बल्कि विश्व क्रिकेट में भी एक दुर्लभ ऑलराउंडर बनाता है। हार्दिक विश्व कप से पहले वह अपनी फॉर्म और निजी जीवन को लेकर लगातार चर्चा में थे। हालांकि, बड़े मौकों पर उनका प्रदर्शन हमेशा बेहतर होता है, और यह विश्व कप इसका सटीक उदाहरण रहा। वर्तमान में, वह मुंबई इंडियंस के कप्तान हैं। पांड्या की यह बहुमुखी प्रतिभा और दबाव में प्रदर्शन करने की क्षमता उन्हें आगामी चैंपियंस ट्रॉफी और टी20 विश्व कप 2026 जैसे बड़े टूर्नामेंटों में भारत के लिए एक अमूल्य खिलाड़ी बनाती है। फिलहाल, वह चोट से उबरने की प्रक्रिया में हैं।

रेनशॉ ने विराट का एक रिकार्ड तोड़ा



डरबन (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज मैट रेनशॉ ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ यहां खेले जा रहे पहले क्रिकेट टेस्ट मैच में 190 रनों की एक ऐतिहासिक पारी खेलकर भारतीय टीम के पूर्व कप्तान विराट कोहली का लगभग आठ साल पुराना रिकॉर्ड भी तोड़ दिया है। ये रिकार्ड है निचले क्रम के बल्लेबाजों के साथ मिलकर सबसे अधिक रन बनाने का।

ऑस्ट्रेलियाई टीम के 124 रनों पर ही शीर्ष बल्लेबाज आउट हो गये थे। ऐसे समय में पांचवें नंबर पर बल्लेबाजी करने उतरे मैट रेनशॉ ने एक छोर संभाले रखा और टीम को बड़े स्कोर तक पहुंचाया। उनकी 190 रनों की जुझारू पारी की सहायता से ऑस्ट्रेलिया अपनी पहली पारी में 390 रनों का स्कोर बनाने में सफल रही।

रेनशॉ ने अपनी इस पारी में पुछल्ले बल्लेबाजों के साथ मिलकर कुल 174 रन जोड़े, जो अब तक का एक नया कीर्तिमान है। उन्होंने विशेष रूप से तब पारी संभाली जब ऑस्ट्रेलिया के आठ विकेट मात्र 230 रनों पर गिर चुके थे। उन्होंने नौवें विकेट के लिए अनुभवी स्पिनर नाथन लायन के साथ मिलकर 134 रनों की एक अविश्वसनीय साझेदारी की। इसके बाद, उन्होंने पैट कमिंस के साथ भी कुछ अहम रन जोड़े, जिन्होंने ऑस्ट्रेलियाई पारी को और मजबूती दी। इन साझेदारियों ने न केवल ऑस्ट्रेलिया को मुश्किल से निकाला, बल्कि रेनशॉ को यह विशिष्ट रिकॉर्ड बनाने में भी सहायता की।

वहीं इससे पहले, टेस्ट क्रिकेट में पुछल्ले बल्लेबाजों के साथ बल्लेबाजी करते हुए सर्वाधिक रन जोड़ने का यह रिकॉर्ड विराट के नाम था। कोहली ने साल 2016 में इंग्लैंड के खिलाफ मुंबई टेस्ट में अपनी 235 रनों की शानदार पारी के दौरान निचले क्रम के बल्लेबाजों के साथ 171 रन बनाए थे। रेनशॉ ने कोहली के इस आठ साल पुराने रिकॉर्ड को तीन रन के मामूली अंतर से तोड़कर एक नया कीर्तिमान अपने नाम किया है।

बांग्लादेश चैंपियंस के दिये लक्ष्य से हम दबाव में आये : गेल



शारजार (एजेंसी)। वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स 2026 में वेस्टइंडीज चैंपियंस ने भले ही बांग्लादेश चैंपियंस के खिलाफ रोमांचक मुकाबला जीत लिया हो पर जिस प्रकार से बांग्लादेश चैंपियंस ने उससे टक्कर दी उससे टीम के स्टार बल्लेबाज क्रिस गेल भी डरे हुए हैं। गेल ने माना है कि बांग्लादेश टीम के प्रदर्शन से वह डर गयी थे। वेस्टइंडीज ने इस मैच में 219 रन का बड़ा लक्ष्य हासिल कर 5 विकेट से यह मैच जीत लिया था पर बांग्लादेश की बेहतरीन बल्लेबाजी से उसके लिए लिए जीत हासिल करना बेदद कठिन हो गया था।

इस मैच में बांग्लादेश चैंपियंस ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित ओवरों में 219 रन बनाये। उनी नकी तरफ से रोनी तालुकदार और कप्तान महमुदुल्लाह ने शानदार बल्लेबाजी का प्रदर्शन किया, जिससे वेस्टइंडीज के सामने एक चुनौतीपूर्ण लक्ष्य खड़ा हो गया। यह स्कोर इतना आसान नहीं था कि वेस्टइंडीज चैंपियंस इसे बिना किसी दबाव के हासिल कर पाते, और इसी वजह से उन्हें एक ठोस और आक्रामक शुरुआत की सख्त जरूरत थी।

इस मुश्किल लक्ष्य का पीछा करने उतरी वेस्टइंडीज चैंपियंस को क्रिस गेल और लेंडल सिमंस ने अपनी विस्फोटक बल्लेबाजी से जोरदार शुरुआत दी। दोनों सलामी बल्लेबाजों ने पहले विकेट के लिए सिर्फ कुछ ही ओवरों में 67 रन जोड़कर टीम को मजबूत स्थिति में ला खड़ा किया। इसके बाद क्रिस गेल ने अपनी चिर-परिचित अंदाज में खेलते हुए मात्र 25 गेंदों पर 56 रन ठोक डाले, जिसमें 6 छक्के और 4 शानदार चौके शामिल रहे। वहीं, लेंडल सिमंस ने भी 11 गेंदों पर तेजतर्रार 20 रन का योगदान दिया। इस आक्रामक शुरुआत ने वेस्टइंडीज को लक्ष्य के करीब पहुंचने के लिए एक मजबूत नींव प्रदान की।

गेल और सिमंस द्वारा रखी गई नींव का फायदा उठाते हुए, इसके बाद चाडविक वॉल्टन ने मध्यक्रम में बल्लेबाजी करते हुए शानदार प्रदर्शन किया और टीम को जीत तक पहुंचाया। वॉल्टन ने एक अविस्मरणीय पारी खेलते हुए महज 43 गेंदों पर नाबाद 90 रन बनाए।

हसन महमूद टेस्ट में हैट्रिक लगाने वाले बांग्लादेश के पहले तेज गेंदबाज बने

अबू धाबी (एजेंसी)। बांग्लादेश के नये तेज गेंदबाज हसन महमूद ने अफगानिस्तान के खिलाफ यहां खेले जा रहे टेस्ट मैच के तीसरे दिन हैट्रिक लगाकर एक अहम उपलब्धि अपने नाम की है। अब हसन टेस्ट क्रिकेट में हैट्रिक लेने वाले बांग्लादेश के पहले तेज गेंदबाज बन गए हैं।



इससे हसन को बांग्लादेश के उन गेंदबाजों की सूची में शामिल हो गये हैं जो टेस्ट क्रिकेट में हैट्रिक लेने में सफल रहे है। उनसे पहले साल 2003 में आलोक कपाली ने पाकिस्तान के खिलाफ पेशावर में हैट्रिक ली थी, और फिर 2013 में सोहाग गाजी ने न्यूजीलैंड के खिलाफ चटगांव में टेस्ट हैट्रिक दोहराई थी। अब हसन महमूद ने अपनी तेज गेंदबाजी के बल पर इस प्रतिष्ठित सूची में अपना नाम दर्ज कराया है। एक तेज गेंदबाज के रूप में यह उपलब्धि और भी खास हो जाती है।तीसरे दिन की शुरुआत में नई गेंद से गेंदबाजी करते हुए, हसन ने अपनी हैट्रिक की शुरुआत अफगानिस्तान के बल्लेबाज इस्मत आलम को आउट करके की। आलम तब केवल एक रन ही बना पाये थे। हसन ने उन्हें साफ बोल्ड कर दिया।

इसके बाद, हसन ने काइस अहमद को अपना दूसरा शिकार बनाया। बल्लेबाज ने ऑफ स्टंप के बाहर की गेंद पर शॉट खेलने की कोशिश की, लेकिन गेंद ने बल्ले का बाहरी किनारा लिया और सीधे विकेटकीपर लिटन दास के हाथ में आई। वहीं हसन की तीसरी गेंद पर जियाउर रहमान एलबीडब्ल्यू आउट हुए। मैदानी अंपायर ने शुरुआत में अपील को खारिज कर दिया, लेकिन बांग्लादेश के कप्तान नजमुल हुसैन शांतो ने तुरंत रिव्यू लेने का फैसला किया। वीडियो रेफरल में स्पष्ट रूप से पता चला कि गेंद बल्ले से नहीं लगी थी और बॉल ट्रैकिंग के अनुसार वह सीधे स्टंप्स पर लग रही थी। अंपायर का फैसला बदला गया और इस तरह हसन महमूद ने अपनी ऐतिहासिक हैट्रिक पूरी की, जिससे बांग्लादेश खेमा खुशी से झूम उठा। हसन की इस गेंदबाजी से अफगानिस्तान की पहली पारी में केवल 240 रन ही बना पायी। इस शानदार प्रदर्शन के साथ, बांग्लादेश ने पहली पारी में 106 रनों की महत्वपूर्ण बढ़त हासिल कर ली, जिससे मैच में उनकी स्थिति मजबूत हो गई। हसन ने न केवल हैट्रिक ली, बल्कि उन्होंने 5-विकेट हॉल भी पूरा किया, जो उनकी इस अविस्मरणीय उपलब्धि को और भी खास बनाता है।

अर्जेंटीना से विदाई के बाद मेसी का धमाका, इंटर मियामी के लिए दागे दो गोल



फ्लोरिडा। अर्जेंटीना के साथ अपने अंतरराष्ट्रीय करियर के भावनात्मक अंत के महज चार दिन बाद लियोनेल मेसी ने क्लब फुटबॉल में शानदार वापसी की। मेसी ने शनिवार को इंटर मियामी की ओर से खेलते हुए डीसी यूनाइटेड के खिलाफ दो गोल दागे और अपनी टीम को 4-0 से शानदार जीत दिलाई। इस जीत के साथ इंटर मियामी ने लीग में अपनी स्थिति मजबूत कर ली।

गंभीर ने मयंक की जमकर प्रशंसा की

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट टीम के कोच गौतम गंभीर ने युवा तेज गेंदबाज मयंक यादव की जमकर प्रशंसा की है। मयंक 150 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से गेंद फेंकने हैं। वेस्टइंडीज के खिलाफ रांची में खेले गए टी-20 मुकाबले में मयंक यादव लगातार 140 किलोमीटर प्रति घंटे से ज्यादा की गति से गेंद डालते रहे। चोट से उबरकर वापसी कर रहे मयंक ने इस मैच में अपने तीन ओवर में 36 रन देकर तीन अहम विकेट लिए। उनकी गेंदों के सामने वेस्टइंडीज का शीर्ष क्रम भी टिक नहीं पाया। उनकी इस प्रभावशाली गेंदबाजी ने न केवल वेस्टइंडीज के बल्लेबाजों को परेशानी में डाला, बल्कि भारतीय क्रिकेट प्रेमियों को एक ऐसे तेज गेंदबाज की झलक भी दी, जो भविष्य में टीम इंडिया के लिए एक बड़ा हथियार बन सकता है। इसी से से प्रभावित होकर गंभीर ने उनकी जमकर तारीफ की। गंभीर ने कहा, अगर आप 150 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से गेंदबाजी कर सकते हैं, तो 150 की रफ्तार से गेंदबाजी करें। अगर आप 120 की रफ्तार से गेंदबाजी कर सकते हैं, तो 120 की रफ्तार से गेंदबाजी करें। जब आप तेज गेंदबाज के रूप में खेल रहे होते हैं तो आपको उस भूमिका को अच्छी तरह से निभाना चाहिए, उसने आज ऐसा किया और वह सफल रहा। गंभीर के इन शब्दों ने मयंक की उस भूमिका को सराहा, जिसमें उन्होंने अपनी स्वाभाविक तेज गति से कोई समझौता नहीं किया। हालांकि इस में भारतीय टीम के हारने पर गावस्कर ने ने कप्तान के एक फैसले पर नाराजगी जतायी । गावस्कर का मानना ??है कि 17वां ओवर मयंक न देना भारत की हार की एक बड़ी वजह रही। उन्होंने बताया कि कप्तान ने कुलदीप यादव को गेंद थमाई, जिन्होंने इस ओवर में 24 रन लुटाए, जिसमें तीन छक्के, एक चौका और एक वाइड शामिल थी। इससे चुनौतीपूर्ण लक्ष्य का पीछा कर रही वेस्टइंडीज का पलड़ा भारी हो गया। गावस्कर ने कहा, मैं 17वें ओवर में अर्शदीप या मयंक में से किसी एक को गेंदबाजी के लिए बुलाता। साथ ही कहा , अगर उन्होंने विकेट ले लिया होता तो मैच आपके पक्ष में जा सकता था। जब एक बार विकेट मिल जाए तो विपक्षी टीम अचानक बैकफुट पर आ जाती है, एक नए बल्लेबाज को आना पड़ता है। इसलिए उस समय मयंक को आजमाया जाना चाहिए था।



भारत के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज के लिए न्यूजीलैंड टीम की कप्तानी करेंगे सैंटनर

-फर्ग्यूसन और एलन की तीन साल बाद वापसी

ऑकलैंड (एजेंसी)। न्यूजीलैंड क्रिकेट बोर्ड ने भारतीय क्रिकेट टीम के खिलाफ होने वाली मैचों की एकदिवसीय सीरीज के लिए अपनी टीम घोषित कर दी है। इस टीम की कप्तानी मिशेल सेंटनर को दी गयी है जबकि अनुभवी तेज गेंदबाज लॉकी फर्ग्यूसन की तीन साल के बाद टीम में वापसी हुई है। यह सीरीज 4 नवंबर से 15 नवंबर तक खेली जाएगी, जिसके लिए न्यूजीलैंड बोर्ड ने पहले तीन एकदिवसीय और अंतिम दो एकदिवसीय के लिए अलग-अलग दल का चयन किया है। टीम के रणनीतिक बदलावों और प्रमुख खिलाड़ियों की वापसी से यह सीरीज और भी बेहतर होने की उम्मीद है।

गौरतलब है कि टीम में वापसी करने वाले फर्ग्यूसन ने कीवी टीम के लिए अपना अंतिम एकदिवसीय मुकाबला तीन साल पहले खेला था और अब वह वापसी के लिए पूरी तरह तैयार हैं, जिससे टीम की तेज गेंदबाजी बेहतर होगी। उनके अलावा फिन एलन की भी तीन साल के बाद ही एकदिवसीय टीम में वापसी हुई है।



उन्होंने भी अपना अंतिम एकदिवसीय साल 2023 में खेला था। विकेटकीपर-बल्लेबाज टिम साइफर्ट की भी 50-ओवर फॉर्मेट में वापसी हुई है। साइफर्ट ने पिछले डेढ़ साल में कोई एकदिवसीय डे मैच नहीं खेला है और उन्हें आखिरी बार अप्रैल 2023 में पाकिस्तान के खिलाफ खेलते देखा गया था। साइफर्ट को आखिरी दो एकदिवसीयमैचों के लिए कीवी टीम में जगह मिली है। जबकि एलन पहले से ही टीम का हिस्सा हैं।

इसके अलावा टीम में पहले तीन एकदिवीसय मैचों के लिए शामिल डेवोन कॉनवे को आखिरी दो मुकाबलों के लिए दल में जगह नहीं मिली है। से बाहर रखा गया है। रचिन रवींद्र, जिन्हें चोट के कारण टी20 सीरीज से बाहर रखा गया है, उन्हें पहले तीन एकदिवसीय मैचों के लिए टीम में शामिल किया गया है।

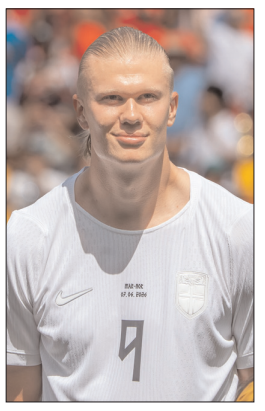
4 नवंबर को पहला एकदिवसीय जबकि 7 नवंबर को दूसरा एकदिवसीय खेला जाएगा। 10 नवंबर को तीसरा एकदिवसीय और 13 नवंबर को चौथा व 15 नवंबर को पांचवां एकदिवसीय होगा।

न्यूजीलैंड दल पहले तीन एकदिवसीय के लिए मिचेल सैंटनर (कप्तान), माइकल ब्रेसवेल, मार्क चैपमैन, डेवोन कॉनवे, जैकब डफी, मैट हेनरी, काइल जैमीसन, टॉम लैथम (विकेटकीपर), डेरिल मिचेल, ग्लेन फिलिप्स, रचिन रवींद्र, नाथन स्मिथ, विल यंग, ??ब्लेयर टिकनर।

वहीं अंतिम 2 एकदिवसीय के लिए टीम में ये खिलाड़ी शामिल हैं- मिचेल सैंटनर (कप्तान), फिन एलन, माइकल ब्रेसवेल, मार्क चैपमैन, क्रिस्टियन क्लार्क, जैकब डफी, मैट फिशर, लॉकी फर्ग्यूसन, मिच हे (विकेटकीपर), निक केली, टिम साइफर्ट (विकेटकीपर), ब्लेयर टिकनर, विल यंग।

इस एकदिवसीय सीरीज से पहले, भारत और न्यूजीलैंड के बीच पांच मैचों की टी20 सीरीज खेली जाएगी, जिसका आगाज 22 अक्टूबर को होगा और समापन 1 नवंबर को होगा। टी20 सीरीज के तीन दिन बाद, यानी 4 नवंबर से, एकदिवसीय मुकाबलों की शुरुआत होगी, जो भारतीय क्रिकेट प्रेमियों के लिए क्रिकेट का एक लंबा और रोमांचक दौर सुनिश्चित करेगा। दोनों टीमों के बीच यह मुकाबला प्रशंसकों को भरपूर मनोरंजन देने वाला होगा।

मैनचेस्टर सिटी, लिवरपूल मुकाबले में दर्शकों को रोमांचक खेल देखने को मिलेगा : एर्लिंग

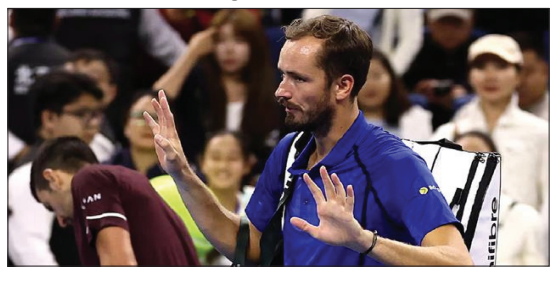


लंदन । मैनचेस्टर सिटी के स्टार स्ट्राइकर नॉर्वे के एर्लिंग हालैंड को उम्मीद है कि लिवरपूल के खिलाफ होने वाले मुकाबले में उनकी टीम का प्रशंसकों का पूरा साथ मिलेगा। प्रीमियर लीग फुटबॉल में नंबर एक पर चल रही मैनचेस्टर सिटी इस मैच मैच में जीत कर अपनी स्थिति और मजबूत करना चाहती है। एर्लिंग को उम्मीद है कि प्रशंसक को इस बड़े मुकाबले मे काफी अच्छा खेल देखने को मिलेगा। एर्लिंग का कहना है कि इस मुकाबले में टीम को एकजुट होकर खेलना होगा। साथ ही उसे सकारात्मक रुख बनाये रखना होगा। एर्लिंग ने स्वीकार किया कि लिवरपूल के खिलाफ खेलना हमेशा ही एक अनूठा अनुभव होता है। उन्होंने एनफील्ड में अपने पिछले अनुभवों को साझा करते हुए बताया कि उन्होंने वहां जीत, ड्रॉ और हार, तीनों का आनंद लिया है। उनके अनुसार, यह खेल एक नई चुनौती लेकर आता है, और दोनों क्लबों के बीच की गहरी प्रतिद्वंद्विता इसे और भी रोमांचक अनुभव बना देती है। एर्लिंग ने मैनचेस्टर सिटी के मैनेजर पेप गार्डियोला और लिवरपूल के पूर्व मैनेजर जुर्गन क्लॉप के बीच दशकों तक चली जबरदस्त प्रतिस्पर्धा को भी याद किया। उन्होंने बताया कि जब वह साल्जबर्ग और बोरूसिया डॉर्टमुंड के लिए खेलते थे, तब वह इन दो महान प्रशिक्षकों के बीच होने वाले मुकाबलों को बड़ी उत्सुकता से देखते थे। ब्रिटेन के साथ अपने गहरे पारिवारिक जुड़ाव का जिक्र करते हुए हालैंड ने कहा कि उनकी मां लगभग एक दशक तक इस देश में रही है, जबकि उनके पिता मैनचेस्टर सिटी के लिए खेलते हुए कैरिंगटन में अभ्यास करते थे। उन्होंने अपने बचपन के शुरुआती चार महत्वपूर्ण साल भी यहीं बिताए। इन व्यक्तिगत संबंधों के चलते, यह स्थान उनके लिए बेहद खास है और उन्हें मैनचेस्टर सिटी तथा उसके समर्पित प्रशंसकों से गहरा लगाव है। मैनचेस्टर सिटी ने अंतरराष्ट्रीय ब्रेक से पहले लीग के शुरुआती पांच मुकाबलों में शानदार जीत दर्ज कर एक मजबूत शुरुआत की थी। हालांकि, लिवरपूल के घरेलू मैदान एनफील्ड में उसे निश्चित रूप से एक कड़ी परीक्षा का सामना करना पड़ेगा।

वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स में दक्षिण अफ्रीका चैंपियंस से हारी इंडिया चैंपियंस

शारजाह । दक्षिण अफ्रीका चैंपियंस ने इंडिया चैंपियंस को 4 विकेट से हराकर लगातार दूसरी बार वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स जीती है। इस मैच में टीम इंडिया के दिये 196 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए दक्षिण अफ्रीका चैंपियंस टीम ने 7 गेंदें पहले ही 197 रनों के लक्ष्य को हासिल कर लिया।इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए इंडिया चैंपियंस की ओर से सलामी बल्लेबाज रॉबिन उथप्पा ने केवल 31 गेंदों पर ही 6 चौके और 6 छक्कों की सहायता से 77 रनों की आक्रामक पारी खेली। वहीं स्टुअर्ट बिन्नी ने भी अर्धशतक लगाया और 50 रन बनाए। वहीं युवराज सिंह शून्य पर ही पेवेलियन लौट गये। अंबाती रायुडू सिर्फ 19 रन ही बना पाए। यूसुफ पठान ने 24 रन तो बनाए लेकिन उनकी धीमी पारी टीम के लिए उतनी उपयोगी साबित नहीं हुई। इरफान पठान और ऋषि धवन समेत अन्य बल्लेबाज भी अधिक रन नीं बना पाये। टीम इंडिया ने तय ओवरों में 196 रन बनाये। इसके बाद बड़े लक्ष्य करते हुए दक्षिण अफ्रीका चैंपियंस की शुरुआत अच्छी नहीं रही। उनके पहले चार विकेट केवल 67 रन पर ही गिर गए थे, जिससे इंडिया चैंपियंस की जीत की उम्मीदें बन रही थीं। प्रमुख बल्लेबाज एबी डिविलियर्स और कप्तान फाफ डु प्लेसिस भी सस्ते में ही पेवेलियन लौट गये पर इसके बाद जेपी डुमिनी और कॉलिन इंग्रम ने मिलकर पांचवें विकेट के लिए 101 रन बनाये। डुमिनी ने भारतीय गेंदबाजों की जमकर धुनाई करते हुए 66 रनों की आक्रामक पारी खेली जबकि कॉलिन इंग्रम ने भी 40 रन बनाये। भारतीय गेंदबाज असफल रहे जिससे इंडिया चैंपियंस को इस टूर्नामेंट में लगातार दूसरी हार झेलनी पड़ी है।

शंघाई मास्टर्स : दर्शक से जुड़े विवाद के बाद मेदवेदेव ने दर्ज की पहली जीत, अल्काराज भी अगले दौर में पहुंचे



शंघाई। रूस के स्टार टेनिस खिलाड़ी दानिल मेदवेदेव ने दर्शक से जुड़े विवाद के बाद कोर्ट पर वापसी करते हुए शंघाई मास्टर्स में जीत दर्ज की। मेदवेदेव ने शनिवार को खेले गए दूसरे दौर के मुकाबले में जर्मनी के जान-लेनार्ड स्ट्रफ को 4-6, 6-4, 6-3 से हराया। चीन ओपन में डिसक्वालिफाई किए जाने के बाद यह उनका पहला मुकाबला था।

सचिन तेंदुलकर के नाम अनोखा टेस्ट रिकॉर्ड, छक्के से शतक पूरा करने में सबसे आगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। टेस्ट क्रिकेट को धैर्य और तकनीक का खेल माना जाता है। खासकर पुराने दौर में बल्लेबाजों के लिए 90 से 100 रन तक पहुंचना बड़ी चुनौती हुआ करता था। शतक के करीब पहुंचने पर बल्लेबाज बड़े शॉट खेलने से बचते थे और एक-एक रन जोड़कर अपना शतक पूरा करते थे। हालांकि समय के साथ क्रिकेट का अंदाज बदला और आक्रामक बल्लेबाजों ने शतक पूरा करने के लिए छक्कों का सहारा लेना शुरू कर दिया। टेस्ट क्रिकेट में छक्के से शतक पूरा करने के मामले में भारत के महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर सबसे आगे हैं।

सचिन तेंदुलकर ने अपने टेस्ट करियर में छह बार छक्का लगाकर शतक पूरा किया। उनके नाम 200 टेस्ट मैचों में 51 शतक और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 100 शतक का ऐतिहासिक रिकॉर्ड है, लेकिन छक्के से शतक पूरा करने का यह आंकड़ा अपेक्षाकृत कम चर्चा में रहा है। सचिन ने पहली बार 1994 में नागपुर में वेस्टइंडीज के खिलाफ अपना आठवां टेस्ट शतक छक्के के साथ पूरा किया था। इसके बाद इंग्लैंड के नॉटिंघम में उन्होंने अपने करियर का नौवां शतक भी छक्के से पूरा किया। सचिन के करियर का 18वां टेस्ट शतक भी छक्के से पूरा हुआ था। यह शतक उन्होंने न्यूजीलैंड के वेलिंगटन में बनाया था। इसके बाद ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 2010-11 की सीरीज में उन्होंने छक्के के साथ अपना 49वां शतक पूरा किया। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ उनके 50वें और 51वें टेस्ट शतक के दौरान भी छक्का शतक पूरा करने का माध्यम बना। इस तरह सचिन ने कुल छह टेस्ट शतक छक्का लगाकर पूरे किए।

इस सूची में इंग्लैंड के केन बैरिंगटन भी शामिल हैं, जिन्होंने चार टेस्ट शतक छक्के से पूरे किए थे। हालांकि वह सचिन से पीछे हैं। भारत के विस्फोटक सलामी बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग भी छक्के से शतक पूरा करने के लिए जाने जाते थे। उन्होंने टेस्ट क्रिकेट में तीन बार छक्का लगाकर शतक पूरा किया। सहवाग ने 2003 में मेलबर्न में स्टुअर्ट मैकगिल की गेंद पर छक्का लगाकर शतक पूरा किया था। इसके बाद 2004 में मुल्तान में पाकिस्तान के खिलाफ भी उन्होंने छक्के के साथ शतक पूरा किया। 2010 में कानपुर के ग्रीन पार्क मैदान पर रॉबिन पीटरसन की गेंद पर छक्का लगाकर सहवाग ने एक और टेस्ट शतक पूरा किया। सहवाग के नाम टेस्ट क्रिकेट में तिहरा शतक भी है, जिसे उन्होंने आक्रामक बल्लेबाजी के दम पर हासिल किया।





जिंदगी में धक्के लगने पर संभालते हैं कुछ लोग

बॉलीवुड और ओटीटी की दुनिया में अपनी फिल्मों से अपनी अलग छाप छोड़ने वाली एक्ट्रेस दिव्या दत्ता अपनी 'लास्ट मैन इन टावर' को लेकर चर्चे में हैं। उन्होंने औरतों से लेकर मनोज बाजपेयी संग काम करने को लेकर बात की है।

तकरीबन 30 साल इंडस्ट्री में बिताने वाली दिव्या दत्ता अपने करियर में नैशनल अवॉर्ड की हकदार भी रहीं। अनगिनत भूमिकाएं जी चुकीं दिव्या पिछले दिनों 'चिड़िया' में अपने रोल के लिए खूब सराही गईं। इन दिनों मनोज बाजपेयी के साथ वे 'लास्ट मैन इन टावर' की सशक्त भूमिका से चर्चा में हैं। उनसे एक खास मुलाकात।

आज भी मां से बातें करती हूं

दिव्या दत्ता के लिए उनकी मां बहुत बड़ी इंस्पिरेशन रही हैं। उनकी मां के गुजर जाने के बाद वे लंबे समय तक अवसाद में रहीं, मगर आज भी वे अपनी मां को अपने करीब महसूस करती हैं। वे कहती हैं, 'मुझे लगता है कि मां के साथ का रिश्ता हर किसी के लिए अनकंडीशनल होता है, जहां आपको कुछ जताने की, बताने की जरूरत महसूस नहीं होती। आज वो हमारे बीच नहीं हैं, मगर आज भी मैं उनसे बात करती हूं। वो एक जो स्ट्रेंथ है, वो बाहर से ड्राइव करती थीं, आज वो अंदर से आती है। सवाल हजार उठते हैं, कन्फ्यूजन होता है, कई बार लगता है ये रोल करूं या न करूं, कई बार कश्मकश के हालात पैदा होते हैं, मगर फिर मुझे जवाब मिल जाता है। उन्होंने कहा, 'मैं समझती हूं कि जिनसे आप जने होते हैं अर्थात जिनसे आपका जन्म हुआ होता है, आप वो अवसान के बाद भी कहीं नहीं जाते। वो तो आपके आसपास ही रहते हैं। जब भी आप मुश्किल में होते हैं, कहीं न कहीं आपका हाथ थाम लेते हैं। जब जिंदगी में आपको कुछ धक्के लगते हैं, तब वो कार के सस्पेंशन टायर की तरह आपको संभाल लेते हैं।'

औरतें पहले खुद को संवारें

हाल ही में रिलीज हुई दिव्या की फिल्म लास्ट मैन इन टावर में दिव्या ने एक ऐसी महिला का किरदार निभाया है, जो जिंदगी से थक चुकी है और अब अपनी खुशियों के लिए किसी भी हद तक जा सकती है। एक औरत की निजता, उसका मी टाइम और उसके ख्वाब कितने जरूरी हैं? इस पर दिव्या दत्ता कहती हैं, 'हम महिलाओं की कंडीशनिंग ही ऐसी हुई है कि हम दूसरों के बारे में पहले सोचते हैं। हमारे मल्टीटास्किंग होने की जद्दोजहद में हम महिलाएं जीना भूल जाती हैं

मुझे क्या अच्छा लगता है? मुझे याद है, कोविड में हम बैडमिंटन खेला करते थे, तो एक दिन मैंने सोसायटी की एक आंटी से कहा कि वो भी बैडमिंटन खेलने आएं। वो बोलीं, 'मैं बचपन में खेला करती थी, अब कहां?' तो ये जो 'अब कहां?' है न ये महिलाओं की सबसे बड़ी रुकावट है। कई बार मुझे समझ नहीं आता, 'अब कहां?' यानी क्या?'

मुखौटे पहनकर ट्रोलिंग की जाती है

सोशल मीडिया को हैंडल करने के मुद्दे पर वे कहती हैं, 'हर चीज के फायदे-नुकसान दोनों होते हैं। आज दुनिया सिमट गई है। फायदा ये है कि आप अगर अपने काम के बारे में कुछ शेयर करना चाहते हैं, तो खबर तुरंत पूरी दुनिया में फैल जाती है। आपको तुरंत रिस्पॉन्स आज आता है। मैं इस मामले में बहुत खुशकिस्मत हूं कि मुझे ट्रोलिंग का सामना नहीं करना पड़ा, मगर जो लोग मुखौटे पहनकर सोशल मीडिया पर ट्रोल करते हैं, उन्हें इग्नोर करना बेहतर होता है। आप चाहे मिसोजनी की बात करें या आम ट्रोलिंग की, उस पर रिएक्ट करना है या उसे इग्नोर करना है, ये हमारे हाथ में होता है। हमारी शांति उसी में है कि हम अपना काम करते रहें और लगातार उसी पर फोकस करें। सोशल मीडिया पर एक पर्सेंट लोग आपको ट्रोल करना चाहते होंगे, बाकी के 99 फीसदी लोग आपको बहुत प्यार करते हैं, जो आपके ट्रोल्स से वही पर भिड़ जाते हैं। वहां पर अनगिनत लोग आपके लिए खड़े भी होते हैं, तो हमें अपना अच्छा काम करते रहना है।'

मनोज बाजपेयी के साथ काम करने का मौका

'मैंने लास्ट मैन इन टावर से पहले भी मनोज बाजपेयी के साथ वीर जारा, स्पेशल छब्बीस, एलओसी कारगिल, ट्रैफिक आदि में काम किया था, मगर हमारे कभी भी कोई सीन साथ में नहीं रहे। लास्ट मैन इन टावर में मुझे पहली बार मनोज बाजपेयी जैसे जादू को महसूस करने का मौका मिला। उनके साथ काम करके बहुत मजा आया। बहुत जल्द हम एक और फिल्म में साथ दिखेंगे।'



टीवी को 'डस्टबिन मीडियम' कहने पर रोहित रॉय ने दी सफाई

रोहित रॉय छोटे पर्दे के जाने-माने अभिनेताओं में से एक हैं। वह अपने लगभग 30 वर्षों के करियर में कई हिट टीवी शो में काम कर चुके हैं। इनमें 'स्वाभिमान', 'कुसुम', 'भाभी' और कई अन्य शो शामिल हैं, लेकिन एक्टर पिछले कुछ समय से अपने एक बयान को लेकर चर्चा में बने हुए हैं। दरअसल, अभिनेता ने एक इंटरव्यू में बात करते हुए भारतीय टेलीविजन को 'डस्टबिन मीडियम' बता दिया था, जिसके बाद उनके बयान की खूब आलोचना हुई। अब रोहित रॉय ने इस पर सफाई देते हुए कहा है कि वह किसी व्यक्ति विशेष के बारे में नहीं था। सिर्फ इतना ही नहीं, उन्होंने यह भी बताया कि कुछ युवा कलाकारों ने बिना पूरी बात समझे उन पर पर्सनल अटैक किए।

अभिनेता ने कहा, 'मुझे सबसे ज्यादा हैरानी इस बात से होती है कि कुछ युवा कलाकारों ने पूरा इंटरव्यू देखे बिना, सिर्फ क्लिकबेट हेडलाइन देखकर मेरे खिलाफ प्रतिक्रिया दी और मुझ पर पर्सनल हमले किए। जब मैं 'डस्टबिन मीडियम' कहता हूं, तो मेरा मतलब यह है कि हम कुछ भी बनाते हैं और टीवी पर दिखा देते हैं और सोचते हैं कि लोग इसे देखेंगे।' एक्टर ने आगे कहा, 'जो भी क्रिएटिव है और टेलीविजन को बेहतर बनाना चाहता है, उससे मैं यही कह रहा हूं कि आज हम जिस तरह का कंटेंट बना रहे हैं, वह उस स्तर का नहीं है। मैं आज ओटीटी क्यों देख रहा हूं? क्योंकि वहां मुझे कुछ बेहतरीन चीजें देखने को मिल रही हैं।'

रोहित ने कहा कि लोकतंत्र में लोग उनसे असहमत हो सकते हैं, लेकिन उन्हें पहले उनके बयान का संदर्भ समझना चाहिए। अभिनेता ने उन कलाकारों पर भी नाराजगी जताई, जिन्होंने उनके खिलाफ बयान दिए। एक्टर ने कहा, 'मैंने किसी एक्टर, डायरेक्टर या प्रोड्यूसर के बारे में बात नहीं की थी। तो उन 3-4 लोगों के बारे में सोचिए, जिन्होंने टीवी पर कमेंट किया। उन्होंने टीवी पर उतनी मेहनत नहीं की है, जितनी मैंने की है। लेकिन इस विवाद को खत्म करने के लिए मैं इतना कहना चाहता हूं कि मैंने हमेशा टेलीविजन के हित के बारे में सोचा है। पिछले 30 वर्षों से मैं टेलीविजन के लिए आवाज उठाता रहा हूं।'

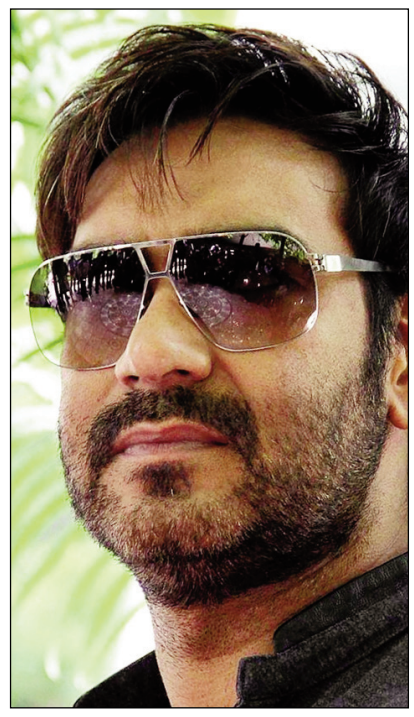


श्रेया सरन ने की 'दृश्यम 3' को-स्टार अजय देवगन की तारीफ

'दृश्यम' फ्रेंचाइजी में अजय देवगन ने विजय सालगांवकर के किरदार से दर्शकों के बीच अपनी अलग पहचान बनाई है। अब फ्रेंचाइजी की अगली फिल्म 'दृश्यम: द कन्क्लूजन' को लेकर दर्शकों की नजरें अजय देवगन और पूरी स्टारकास्ट पर हैं। इसी बीच फिल्म में नंदिनी का किरदार निभाने वाली अभिनेत्री श्रेया सरन ने अजय देवगन के साथ काम करने का अपना अनुभव साझा किया। उन्होंने अभिनेता के डायलॉग बोलने के अंदाज और काम के प्रति उनके जुनून की जमकर तारीफ की। बातचीत में श्रेया सरन ने कहा, ''अजय अपनी आंखों के जरिए बहुत कुछ कह देते हैं। उनकी आंखों में एक अलग तरह की ताकत है, जो उनके किरदार की भावनाओं को बिना ज्यादा शब्दों के भी सामने ले आती है। उनका डायलॉग डिलीवरी का तरीका भी काफी अलग है। वह शानदार एक्टर हैं।''

श्रेया ने अजय देवगन की मेहनत और काम के प्रति अनुशासन की भी तारीफ की। उन्होंने कहा, ''अजय अपने काम को लेकर काफी गंभीर रहते हैं और किसी सीन को बेहतर बनाने के लिए पूरी मेहनत करते हैं। उन्हें किसी और टेक की जरूरत नहीं पड़ती। उनके अंदर काम को लेकर काफी जुनून है।'' अभिनेत्री ने फिल्म के निर्देशक अभिषेक पाठक की भी तारीफ की। उन्होंने कहा, 'अभिषेक पाठक ने 'दृश्यम' फ्रेंचाइजी की कहानी को लेकर काफी मेहनत की और स्क्रिप्ट पर लंबा समय दिया। वह कहानी के हर मोड़ और ट्विस्ट को ध्यान से समझते हैं, फिर उसे पर्दे पर सही तरीके से पेश करने की कोशिश करते हैं।'

श्रेया ने अपने किरदार नंदिनी को लेकर भी बात की



और कहा, ''मैं नंदिनी को अच्छी तरह समझती हूं और जानती हूं कि यह किरदार किस तरह सोचता और महसूस करता है। हालांकि, कहानी में आने वाले कुछ बदलाव ऐसे थे, जिनकी मैंने भी उम्मीद नहीं की थी।' 'दृश्यम' फ्रेंचाइजी में श्रेया सरन ने अजय देवगन के किरदार विजय सालगांवकर की पत्नी नंदिनी की भूमिका निभाई है। विजय अपने परिवार को बचाने के लिए हर बार बेहद सोच-समझकर कदम उठाता है और मुश्किल हालात में भी ऐसा रास्ता खोजता है जिससे पुलिस और कानून की पकड़ से परिवार को बचाया जा सके। 'दृश्यम : द कन्क्लूजन' में अजय देवगन और श्रेया सरन के अलावा तब्बू, जयदीप अहलावत, रजत कपूर, प्रकाश राज, इशिता दत्ता और मृणाल जाधव जैसे कलाकार भी हैं।

'दृश्यम: द कन्क्लूजन' इसी नाम की मलयालम फिल्म का हिंदी रूपांतरण है। इस कहानी को तमिल, तेलुगु और कन्नड़ भाषाओं में भी बनाया जा चुका है। हिंदी फ्रेंचाइजी की पिछली फिल्मों के बाद अब तीसरी फिल्म की कहानी को लेकर दर्शकों के बीच दिलचस्पी बनी हुई है। 'दृश्यम: द कन्क्लूजन' 2 अक्टूबर से सिनेमाघरों में उपलब्ध है।



फिल्म 'जातस्य मरणं ध्रुवम' के सफर को शीना चौहान ने बताया शानदार

अभिनेत्री शीना चौहान की तेलुगु साइकोलॉजिकल इन्वेस्टिगेटिव क्राइम थ्रिलर फिल्म 'जातस्य मरणं ध्रुवम' रिलीज के लिए लेकर तैयार है। अभिनेत्री ने फिल्म में कॉप की भूमिका अदा करने का अनुभव शेयर किया। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर फिल्म की शूटिंग से जुड़ी तस्वीरें पोस्ट कीं, जिसमें उनके साथ अभिनेता जेडी चक्रवर्ती नजर आ रहे हैं। अभिनेत्री ने तस्वीरें पोस्ट कर लिखा, 'जातस्य मरणं ध्रुवम' शूटिंग के दौरान जेडी चक्रवर्ती के साथ एक स्पेशल पल। कुछ किरदार कैमरा बंद होने के बाद भी आपके साथ रह जाते हैं। आईपीएस ऑफिसर और कॉप का किरदार निभाना बहुत ही शानदार रहा! आप सब क्या देखने वाले हैं, इसके लिए मैं और इंतजार नहीं कर सकती।'

श्रवण जोन्नादा द्वारा निर्देशित फिल्म का शीर्षक भगवद्गीता के एक प्रसिद्ध श्लोक से प्रेरित है, जिसका अर्थ है 'जिसका जन्म हुआ है, उसकी मृत्यु निश्चित है।' फिल्म का बैकग्राउंड स्कोर और संगीत मशहूर संगीतकार गिब्रान ने तैयार किया है जबकि फिल्म का निर्माण सुलक्ष एंटरटेनमेंट मीडिया के बैनर तले मलकापुरम शिव कुमार कर रहे हैं। फिल्म में अभिनेत्री शीना चौहान के साथ जेडी चक्रवर्ती, नरेश अगस्त्य, सीरत कपूर, शीना चौहान, प्रीति जंघियानी, हितेन तेजवानी और राजेश शर्मा जैसे उम्दा कलाकार नजर आएंगे। फिल्म में जेडी चक्रवर्ती एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी और अभिनेत्री शीना चौहान उनकी असिस्टेंट पुलिस अधिकारी 'अनुषा' के रोल में एक्शन और मार्शल आर्ट्स का दम दिखाती नजर आएंगी। यह फिल्म रहस्य, सस्पेंस, अप्रत्याशित ट्विस्ट, फॉरेंसिक सुरागों और मानसिक माइंड गेम्स से भरपूर एक गहन खोजी कहानी है। फिल्म की कहानी एक मर्डर के ईर्द-गिर्द घूमती है, जिसमें दर्शकों को चौंकाने वाले ट्विस्ट देखने को मिलेंगे।

यह फिल्म तेलुगु भाषा के साथ-साथ हिंदी, तमिल, कन्नड़ और मलयालम भाषाओं में पैन-इंडिया स्तर पर रिलीज के लिए तैयार की गई है। तेलुगु थ्रिलर फिल्म 'जातस्य मरणं ध्रुवम' सितंबर-अक्टूबर 2026 के बीच सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए निर्धारित की गई है। फिल्म के निर्देशक श्रवण जोन्नादा ने हाल ही में पुष्टि की है कि वे इस अवधि के दौरान एक बड़े पैमाने पर फिल्म को रिलीज करने की योजना बना रहे हैं।

'हुंकार: द रोअर' में जसलीन का किरदार निभाना मेरे लिए बेहद संतोषजनक रहा

हाल ही में रिलीज हुई 'हुंकार: द रोअर' को मिल रहे प्यार और तारीफों से फातिमा सना शेख बेहद खुश हैं। कोर्टरूम ड्रामा अपनी कहानी और मुद्दों को लेकर दर्शकों के बीच चर्चा का विषय बना हुआ है। फातिमा ने लिखा, 'जसलीन का किरदार निभाना मेरे लिए बेहद संतोषजनक रहा। शो बनाते वक्त शायद मुझे इस बात का अंदाजा नहीं था कि इसका लोगों पर इतना असर होगा या यह आज भी इतना प्रासंगिक लगेगा। जिस तरह हमारे देश में कई मीनू हैं, उसी तरह कई जसलीन भी हैं... ऐसे पुलिस अधिकारी जो सच में कुछ अच्छा करना चाहते हैं, लोगों की परवाह करते हैं और हर मुश्किल के बावजूद अपनी कोशिश जारी रखते हैं।' उन्होंने आगे लिखा, ''हुंकार' को मिल रहे इतने प्यार से मेरा दिल भर आया है। इसे देखने, इसे महसूस करने और इन जरूरी बातचीत का हिस्सा बनने के लिए आप सभी का शुक्रिया।



बदकिस्मती से 'डॉन 3' के लिए फरहान से कोलैबोरेशन नहीं हो रहा है

तमिल अभिनेता अर्जुन दास ने बताया है कि फिल्ममेकर फरहान अख्तर ने उन्हें 'डॉन 3' के लिए अप्रोच किया था। हालांकि अभिनेता ने अपने किरदार के बारे में कोई जानकारी नहीं दी। उन्होंने कन्फर्म किया कि वह फरहान से मिले थे और प्रोजेक्ट पर बातचीत भी हुई थी। बातचीत में अर्जुन ने कहा, 'मैं बहुत खुशकिस्मत था कि मुझे फरहान सर का कॉल आया। हम मिले थे, हमने बातचीत भी की थी, लेकिन बदकिस्मती से अब यह कोलैबोरेशन नहीं हो रहा है।'

अभिनेता ने जताई उम्मीद

भले ही यह प्रोजेक्ट सफल नहीं हो पाया, लेकिन अर्जुन को उम्मीद है कि वे भविष्य में फरहान के साथ काम करेंगे। फिल्ममेकर की तारीफ करते हुए उन्होंने कहा, 'मुझे उम्मीद है और मैं आशा करता हूं कि मुझे जल्द ही फरहान सर के साथ काम करने का मौका मिलेगा। मुझे लगता है कि वह अब तक मिले सबसे अच्छे और विनम्र लोगों में से एक हैं। तो हां, मैं इस बारे में झूठ नहीं बोलना चाहता। यह कोलैबोरेशन होने वाला था, लेकिन अब ऐसा नहीं हो रहा है।' इसी बातचीत के दौरान अर्जुन ने यह भी बताया कि वे जल्द ही एक हिंदी प्रोजेक्ट में नजर आएंगे, जो अभी पोस्ट-प्रोडक्शन स्टेज में है।



कॉकरोच जनता पार्टी के आरोपों पर पुलिस का जवाब, ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर दिल्ली में दूसरे दिन भी प्रदर्शन

दिल्ली पुलिस बोली–परिवार से बात करने की पेशकश ठुकराई

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। कॉकरोच जनता पार्टी के नेता अभिजीत दीपके की हिरासत को लेकर दिल्ली पुलिस और पार्टी के बीच आरोप-प्रत्यारोप तेज हो गए हैं। दिल्ली पुलिस ने रविवार को दीपके की हिरासत से जुड़ा वीडियो जारी कर पार्टी के आरोपों को गलत बताया। पुलिस का कहना है कि दीपके को उनकी दादी के निधन की सूचना मिलने के बाद परिवार से बात करने और अन्य आवश्यक मदद की पेशकश की गई थी, लेकिन उन्होंने स्वयं किसी से बात करने से इनकार कर दिया था। इससे पहले कॉकरोच जनता पार्टी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर आरोप लगाया था कि दादी के निधन की खबर मिलने के बाद दीपके पुलिस से बार-बार अपने चचेरे भाई से बात कराने की गुहार लगाते रहे, लेकिन उनकी बात नहीं सुनी गई। इसके जवाब में दिल्ली पुलिस ने कहा कि सूचना मिलते ही दीपके के पास अधिकारी पहुंचे और संवेदनशीलता के साथ उनकी जरूरतों के बारे में पूछा गया। पुलिस के मुताबिक, दीपके को परिवार से बात कराने, फोन कॉल और हवाई यात्रा सहित हरसंभव मदद की पेशकश की गई। अधिकारियों ने उनसे कई बार पूछा और सोचने के लिए समय भी दिया, लेकिन उन्होंने बात करने से मना कर दिया। पुलिस ने आरोप लगाया कि पार्टी की प्रेस कॉन्फ्रेंस में इस घटनाक्रम को गलत तरीके से पेश किया गया। अभिजीत दीपके, आशुतोष रांका और सौरव दास को करीब 23 घंटे हिरासत में रखने के बाद रविवार सुबह लगभग दस बजे रिहा कर दिया गया। इसके बावजूद मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर दिल्ली में प्रदर्शन जारी रहा। शहर में बड़ी संख्या में पुलिस और अर्धसैनिक बल तैनात किए गए। खबर के मुताबिक, रविवार को करीब 100 प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लिया गया। रिहाई के बाद सौरव दास ने कहा कि उनसे एक साल तक शांति भंग नहीं करने की बात कही गई थी। उन्होंने आरोप लगाया कि देश में शांति भंग करने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार जिम्मेदार हैं। दास ने कहा कि उनका आंदोलन जारी रहेगा और उन्होंने नागरिकों से प्रदर्शन में शामिल होने की अपील की। उन्होंने कहा कि जहां उन्हें रोका जाएगा, वहीं प्रदर्शन करेंगे। आशुतोष रांका ने पूर्व मुख्यमंत्रियों अरविंद केजरीवाल, ममता बनर्जी, माणिक सरकार और पिनराई विजयन का समर्थन के लिए आभार जताया। उन्होंने उम्मीद जताई कि आगे भी विभिन्न संगठन और राजनीतिक दल मिलकर आंदोलन जारी रखेंगे। रांका ने आरोप लगाया कि रविवार को भी पार्टी के कई कार्यकर्ताओं को हिरासत में लिया गया और उनके साथ मारपीट की गई। उन्होंने यह भी दावा किया कि पिछले कुछ दिनों में अखिल भारतीय छात्र संघ के कई



सदस्यों को हिरासत में लेकर उनके साथ मारपीट हुई। दिल्ली के अलावा मुंबई में भी कॉकरोच जनता पार्टी के समर्थन में प्रदर्शन करने पहुंचे लोगों को हिरासत में लिया गया। दादर स्थित शिवाजी पार्क में कुछ लोगों को पुलिस ने हिरासत में लिया। इससे पहले शनिवार को मुंबई के अलग-अलग इलाकों से करीब 600 लोगों को बिना अनुमति प्रदर्शन करने के आरोप में हिरासत में लिए जाने की जानकारी सामने आई थी। दिल्ली और मुंबई में हुई कार्रवाई के बाद प्रदर्शन की अनुमति, पुलिस के अधिकारों और शांतिपूर्ण विरोध के संवैधानिक अधिकारों को लेकर बहस जारी है।

डभोई की व्यस्त सड़क पर जाम और हादसों का खतरा, धूल से व्यापारियों को नुकसान; काम पूरा कराने की मांग

डभोई। वडोदरी बागोल इलाके में पेयजल पाइपलाइन बिछाने के लिए की गई खुदाई स्थानीय लोगों और व्यापारियों के लिए परेशानी का कारण बन गई है। आरोप है कि करीब 20 दिन से काम अधूरा पड़ा है और सड़क के बीच बना गहरा गयातायात को प्रभावित कर रहा है। लोगों ने नगर पालिका और संबंधित ठेकेदार से काम जल्द पूरा कर सड़क की मरम्मत कराने की मांग की है। स्थानीय लोगों के अनुसार, यह मार्ग शहर की व्यस्त सड़कों में शामिल है, जहां से रोजाना बड़ी संख्या में वाहन गुजरते हैं। खुदाई के कारण सड़क संकरी हो गई है और खासकर व्यस्त समय में वाहनों की लंबी कतारें लग रही हैं। रात के समय गे के आसपास पर्याप्त संकेतक और बैरिकेडिंग नहीं होने से दुर्घटना की आशंका भी जताई जा रही है। खुदाई से निकली मिट्टी सड़क पर जमा होने के कारण वाहनों के गुजरने पर धूल उड़ती है। इससे आसपास के दुकानदारों और व्यापारियों को परेशानी हो रही है। उनका कहना है कि धूल और यातायात जाम के कारण ग्राहकों की आवाजाही प्रभावित हो रही है, जिसका असर कारोबार पर पड़ रहा है। स्थानीय नागरिकों ने सवाल उठाया है कि पाइपलाइन का काम शुरू करने के बाद उसे समय पर पूरा करना और सड़क को सुरक्षित बनाना संबंधित विभाग की जिम्मेदारी है। लोगों ने मांग की है कि अधूरी खुदाई जल्द पूरी कर को भरा जाए, सड़क की मरम्मत की जाए और काम पूरा होने तक सुरक्षा के उचित इंतजाम किए जाएं।



जेल से छूटने के बाद फिर शराब तस्करी में पकड़े गए हत्या के आरोपी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। कृष्णानगर पुलिस ने गुजरात हाउसिंग बोर्ड के एक मकान पर छापा मारकर 2,736 बोतल विदेशी शराब जब्त की है। जब्त शराब की कीमत करीब 6.33 लाख रुपये बताई गई है। पुलिस ने निशित शाह, जय पवार और किशन शाह को गिरफ्तार किया है। जांच में सामने आया कि तीनों आरोपी वर्ष 2020 में ध्रुवराजसिंह भाटी हत्याकांड में शामिल थे और दिसंबर 2025 में जेल से रिहा हुए थे। पुलिस के अनुसार, आरोपी राजस्थान के बूटलेगर ओमप्रकाश बिश्नोई से शराब मंगवाते थे। शराब को नारोल और वटवा के गोदामों में रखने के बाद पुराने कपड़ों के बैग की आड़ में पोर्टर वाहनों से कृष्णानगर पहुंचाया जाता था। पुलिस ने प्रोहिबिशन एक्ट के तहत मामला दर्ज कर राजस्थान के ओमप्रकाश बिश्नोई सहित अन्य आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है

अंबाजी मंदिर में नवरात्रि के पहले दिन घट स्थापना समारोह हुआ

महानगर मेट्रो ब्यूरो।

अंबाजी। नए साल की शुरुआत हो गई है, वहीं शक्तिपीठ अंबाजी मंदिर में भक्तों की भारी भीड़ देखी जा रही है। माताजी के दर्शन और माता की पूजा करने के लिए आज बड़ी संख्या में भक्त अंबाजी मंदिर पहुंचे हैं। अंबाजी मंदिर में प्रवेश करने के सभी गेट भी भक्तों से भरे हुए हैं, इसलिए मां जगतजन की अंबा का मंदिर जय जय अंबे के जय घोष से गूंज रहा है। साथ ही, चारों ओर भक्तिमय माहौल देखा जा रहा है। नवरात्रि के पहले दिन मंदिर में घट स्थापना समारोह हुआ। सरस्वती नदी से जल लाकर पूजा शुरू की गई। अंबाजी मंदिर के चेयरमैन और एडमिनिस्ट्रेटर पूजा में शामिल हुए। नवरात्रि के पहले दिन अंबाजी मंदिर में भक्तों की भारी भीड़ देखी जा रही है। आज बड़ी संख्या में भक्त अंबा मंदिर पहुंचे हैं और माताजी का आशीर्वाद पाकर धन्य महसूस कर रहे हैं। उस समय सुबह अंबाजी मंदिर में घाट स्थापना समारोह हुआ। वैदिक मंत्रों के उच्चारण के साथ घाट की स्थापना की गई और आभूषण भी लगाए गए। इस घाट स्थापना समारोह में अंबाजी मंदिर के अधिकारियों समेत मंदिर के पुजारियों ने हिस्सा लिया। अंबाजी मंदिर के चेयरमैन और एडमिनिस्ट्रेटर ने आज अंबाजी मंदिर में घाट स्थापना समारोह में इस पूजा समारोह में हिस्सा लिया। माताजी की आरती के साथ औपचारिक मंत्रों के उच्चारण के साथ घाट की स्थापना की गई। हर साल की तरह इस साल भी औपचारिक रूप से घाट की स्थापना की गई। भट्टजी महाराज और मंदिर के पुजारियों द्वारा वैदिक मंत्रों के उच्चारण के साथ घाट की औपचारिक रूप से स्थापना की गई।



दांता के गार्डन इलाके में शराब की होम डिलीवरी का आरोप, बिना नंबर प्लेट की नीली जुपिटर चर्चा में

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। गुजरात के दांता स्थित गार्डन इलाके में कथित तौर पर विदेशी और देसी शराब की बिक्री होने की शिकायतें सामने आई हैं। स्थानीय स्तर पर चर्चा है कि बिना नंबर प्लेट वाली नीले रंग की जुपिटर मोपेड से शराब की होम डिलीवरी की जा रही है। आरोप है कि मोपेड की डिक्की में शराब की बोतलें रखकर ग्राहकों तक पहुंचाई जाती हैं। स्थानीय व्यापारियों का कहना है कि शराब पीकर कुछ लोग शोर-शराबा करते हैं, जिससे दुकानदारों में असुरक्षा का माहौल है। लोगों ने इलाके में पुलिस गश्त बढ़ाने और कथित अवैध बिक्री पर कार्रवाई करने की मांग उठाई है। हालांकि, शराब बिक्री और पुलिस की कथित मिलीभगत से जुड़े आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है। मामले में पुलिस की आधिकारिक प्रतिक्रिया उपलब्ध नहीं है।

वीआईपी दौरे के बाद डभोई के सरिता ओवरब्रिज पर फिर छाया अंधेरा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

डभोई। गुजरात के डभोई स्थित सरिता ओवरब्रिज पर स्ट्रीट लाइटें बंद रहने का मुद्दा एक बार फिर चर्चा में है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि मुख्यमंत्री और अन्य वीआईपी के दौरे के दौरान ओवरब्रिज की लाइटें चालू की गई थीं, लेकिन उनके जाने के बाद फिर बंद हो गईं। इससे स्थानीय नागरिकों, व्यापारियों और राहगीरों में नाराजगी है। स्टैच्यू ऑफ यूनिटी की ओर जाने वाले महत्वपूर्ण मार्ग पर स्थित इस ओवरब्रिज पर लंबे समय से रोशनी की समस्या होने की शिकायतें सामने आ रही हैं। लोगों का कहना है कि रात के समय अंधेरे के कारण वाहन चालकों और पैदल चलने वालों को परेशानी होती है तथा दुर्घटना का खतरा बना रहता है। आरोप है कि वीआईपी दौरे से पहले करीब तीन दिन तक लाइटें चालू रहीं, लेकिन बाद में व्यवस्था फिर पहले जैसी हो गई।स्थानीय लोगों ने सवाल उठाया है कि जब वीआईपी दौरे के दौरान लाइटें चालू की जा सकती हैं, तो आम दिनों में इन्हें नियमित रूप से क्यों नहीं जलाया जाता। लोगों ने संबंधित विभागों से जिम्मेदारी तय करने और ओवरब्रिज की स्ट्रीट लाइटें स्थायी रूप से चालू रखने की मांग की है।

प्रदर्शन के लिए पुलिस की अनुमति जरूरी, लेकिन शांतिपूर्ण विरोध नागरिकों का मौलिक अधिकार

क्या बिना अनुमति धरना देना गैरकानूनी है? जानिए संविधान और पुलिस के नियम क्या कहते हैं

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। दिल्ली में 10 अक्टूबर को कॉकरोच जनता पार्टी के प्रदर्शन के बाद पुलिस कार्रवाई और प्रदर्शनकारियों के अधिकारों को लेकर बहस तेज हो गई है। पुलिस का कहना है कि प्रदर्शन की अनुमति नहीं ली गई थी और दिल्ली में भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 163 के तहत प्रतिबंध लागू थे। वहीं, प्रदर्शनकारियों का कहना है कि शांतिपूर्ण तरीके से अपनी बात रखना नागरिकों का संवैधानिक अधिकार है। प्रदर्शन के दौरान नेताओं और अन्य लोगों को हिरासत में लिए जाने के बाद यह सवाल उठ रहा है कि क्या किसी प्रदर्शन के लिए पुलिस की अनुमति लेना जरूरी है, क्या बिना अनुमति प्रदर्शन किया जा सकता है और किन परिस्थितियों में प्रशासन रोक लगा सकता है। संविधान नागरिकों को अभिव्यक्ति और शांतिपूर्ण तरीके से एकत्र होने का अधिकार देता है, लेकिन सार्वजनिक व्यवस्था बनाए रखने के लिए इन अधिकारों पर उचित प्रतिबंध भी लगाए जा सकते हैं। क्या शांतिपूर्ण प्रदर्शन करना मौलिक अधिकार है? जवाबः हां। संविधान के अनुच्छेद 19(1)(क) के तहत नागरिकों को बोलने और अपनी बात व्यक्त करने की स्वतंत्रता है। अनुच्छेद 19(1)(ख) नागरिकों को बिना हथियार शांतिपूर्वक एकत्र होने का अधिकार देता है। हालांकि, ये अधिकार असीमित नहीं हैं। अनुच्छेद 19(3) के तहत सार्वजनिक व्यवस्था सहित निर्धारित आधारों पर उचित प्रतिबंध लगाए जा सकते हैं। इसलिए प्रदर्शन का अधिकार होने का अर्थ यह नहीं है कि हर जगह और किसी भी परिस्थिति में प्रदर्शन किया जा सकता है। वाबः सार्वजनिक स्थानों पर प्रदर्शन के लिए प्रशासन अनुमति लेने की व्यवस्था बना सकता है। वर्ष 2018 में मजदूर किसान शक्ति संगठन बनाम भारत सरकार मामले में सुप्रीम कोर्ट ने शांतिपूर्ण प्रदर्शन के अधिकार और सार्वजनिक स्थानों के नियमन से जुड़े पहलुओं पर विचार किया था। सुप्रीम कोर्ट के अधिवक्ता भरत चुग के मुताबिक, अनुमति की व्यवस्था का उद्देश्य सुरक्षा और अन्य आवश्यक इंतजाम करना होना चाहिए, न कि प्रदर्शन को मनमाने तरीके से रोकना। किसी आवेदन पर निर्णय लेते समय पुलिस और प्रशासन को कानून के अनुरूप कारणों के आधार पर फैसला करना चाहिए। जवाबः दिल्ली पुलिस के स्थायी आदेशों के मुताबिक, प्रदर्शन की अनुमति के लिए सामान्यतः संबंधित पुलिस उपायुक्त को कम से कम दस दिन पहले आवेदन देना होता है। हालांकि, देर से दिए गए आवेदन पर भी विचार किया जा सकता है। यह आयोजन स्थल की उपलब्धता और सुरक्षा संबंधी इंतजामों के लिए उपलब्ध समय पर निर्भर करता है। ावेदनों पर सामान्यतः पहले आओ, पहले पाओ के आधार



पर विचार किया जाता है। निर्णय से पहले विशेष शाखा, यातायात पुलिस और नई दिल्ली जिला पुलिस की राय ली जाती है। पुलिस उपायुक्त को यह देखना होता है कि प्रदर्शन से यातायात, सार्वजनिक सुरक्षा और कानून-व्यवस्था पर क्या प्रभाव पड़ सकता है। नियमों के अनुसार, जंतर-मंतर पर अधिकतम एक हजार लोगों के प्रदर्शन की अनुमति दी जा सकती है। इससे अधिक संख्या होने पर रामलीला मैदान जैसे वैकल्पिक स्थल पर विचार किया जा सकता है, जिसकी क्षमता करीब 50 हजार लोगों तक बताई गई है। पुलिस के अनुसार, कॉकरोच जनता पार्टी ने सात अक्टूबर को आवेदन किया था, जबकि प्रदर्शन दस अक्टूबर को प्रस्तावित था। यानी आवेदन और प्रदर्शन के बीच केवल तीन दिन का अंतर था।

भरूच में 'राजवाड़ी चा' फ्रेंचाइजी चलाने वाला पकड़ा गयाः रेड के दौरान 48,000 रुपये की अफीम ज़ब्त

महानगर मेट्रो ब्यूरो

भरूच। शहर से लॉ एंड ऑर्डर और ड्रग्स के धंधे को लेकर एक बहुत ही सनसनीखेज और चौंकाने वाली घटना सामने आई है। भरूच के जंबूसर बाईपास चौकड़ी इलाके में स्थत पुलिस की रेड में मशहूर 'राजवाड़ी चा' फ्रेंचाइजी चलाने वाले को बैन अफीम के साथ रंगे हाथों पकड़ा गया। इस कार्रवाई से बिजनेस कम्युनिटी और शहर में भारी हलचल मच गई है। मिली जानकारी के मुताबिक, भरूच स्थत पुलिस की एक टीम पेट्रोलिंग और मुखबिरों की सूचना पर जंबूसर बाईपास चौकड़ी इलाके में एक्टिव थी। इस दौरान खास जानकारी के आधार पर पुलिस ने 'राजवाड़ी चा' फ्रेंचाइजी चलाने वाले के यहां रेड की। तलाशी के दौरान उसके पास से 96 ग्राम संदिग्ध अफीम मिली, जिसकी मार्केट में कीमत करीब 48,000 रुपये है। पुलिस ने तुरंत इस नशीले पदार्थ को जब्त कर लिया और आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। मूल रूप से राजस्थान का रहने वाला ऑपरेटर ने खुलासा कियाः 'मैं खुद अफीम का आदी हूँ! पुलिस पूछताछ में गिरफ्तार किए गए ऑपरेटर ने चौंकाने वाला कबूलनामा किया और कहा कि वह मूल रूप से राजस्थान का रहने वाला है और वह इतनी अफीम अपने पर्सनल इस्तेमाल के लिए लाया था क्योंकि वह खुद अफीम का आदी है। हालांकि, पुलिस इस आसान तर्क से संतुष्ट नहीं है। पुलिस अब गहराई से जांच कर रही है कि वह इतनी बड़ी मात्रा में अफीम कहाँ से लाया, किससे ली और इस ड्रग नेटवर्क के पीछे और कौन से बड़े चेहरे शामिल हैं।



अमिताभ की एक गलती, इंटरनेट पर मीम्स की बाढ़; 'नंबर लीक' कहकर फैंस ने ली चुटकी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। पांच दशक से लंबे फिल्मी करियर में अमिताभ बच्चन ने कई ऐसे किरदार निभाए, जो आज भी दर्शकों के दिलों में बसे हैं। पर्दे पर अपनी दमदार आवाज और अभिनय से पहचान बनाने वाले महानायक का सोशल मीडिया अंदाज भी कम दिलचस्प नहीं है। उनकी एक छोटी-सी पोस्ट, कोई अनोखी टिप्पणी या मामूली गलती भी इंटरनेट पर चर्चा का विषय बन जाती है। कई बार प्रशंसक उनकी पोस्ट के छिपे अर्थ तलाशने लगते हैं, तो कभी उनकी चूक पर मीम्स की बाढ़ आ जाती है। 11 अक्टूबर को 83वां जन्मदिन मना रहे अमिताभ बच्चन की सोशल मीडिया पर सक्रियता उनके प्रशंसकों के लिए खास आकर्षण बनी हुई है। वह लंबे समय से अपनी पोस्ट को क्रमवार नंबर देने के लिए जाने जाते हैं। इसी आदत से जुड़ी एक गलती अगस्त 2026 में चर्चा में आई, जब पोस्ट की गिनती में गड़बड़ी होने पर उन्हें सार्वजनिक रूप से माफी मांगनी पड़ी। अमिताभ बच्चन एक्स पर अपनी पोस्ट के साथ क्रम संख्या लिखते हैं। अगस्त में उन्होंने एक पोस्ट को टी 5817 नंबर दिया था। अगली पोस्ट का नंबर टी 5818 होना चाहिए था, लेकिन गलती से उन्होंने टी 5718 लिख दिया। इसके बाद की पोस्ट में भी क्रम गड़बड़ा गया। एक प्रशंसक ने इस चूक की ओर उनका ध्यान दिलाया। अमिताभ ने गलती स्वीकार की और पोस्ट की संख्या ठीक करते हुए माफी मांगी। उन्होंने लिखा कि नंबरिंग में उनसे बड़ी गलती हुई है और इसके लिए वह क्षमा चाहते हैं। साथ ही, गलती पकड़ने वाले प्रशंसक 'ईएफ सुनील' का धन्यवाद भी किया। इसके बाद सोशल मीडिया पर मजेदार प्रतिक्रियाएं आने लगीं। कुछ लोगों ने इस गलती को 'नंबर लीक' नाम दे दिया। यूजर्स ने इसे परीक्षा के कथित पेपर लीक जैसे विवादों से जोड़कर चुटकी ली। एक यूजर ने मजाक में कहा कि अगर अमिताभ गलती स्वीकार नहीं करते, तो वह जंतर-मंतर पर विरोध करने पहुंच जाता। दूसरे ने लिखा कि इस गलती ने उसका पूरा दिन खराब कर दिया।



भूस्खलन से नदी का रास्ता रुकने के बाद पहाड़ों से आया तेज पानी, 341 मेगावाट की जलविद्युत परियोजना का निर्माण शिविर भी बहा; बिहार के गंडक किनारे बसे इलाकों में सतर्कता की आशंका

महानगर मेट्रो ब्यूरो

काठमांडू। नेपाल के गोरखा जिले में रविवार सुबह बूढ़ी गंडकी नदी में अचानक आई बाढ़ ने कई गांवों में भारी नुकसान पहुंचाया। तेज बहाव में करीब 35 घर और छह पुल बह गए, जबकि कम से कम 10 लोग लापता बताए जा रहे हैं। लापता लोगों की तलाश के लिए प्रयास किए जा रहे हैं। बाढ़ की चपेट में 341 मेगावाट की बूढ़ी गंडकी जलविद्युत परियोजना का निर्माण शिविर और कई मशीनें भी आ गईं। जानकारी के अनुसार, रविवार सुबह करीब चार बजे बाढ़ का पानी बस्तियों में घुस गया। अचानक बढ़े जलस्तर और तेज बहाव के कारण लोगों को घर छोड़कर सुरक्षित स्थानों की ओर जाना पड़ा। शुरुआती जानकारी में आशंका जताई गई कि ऊंचे पहाड़ी इलाके में भूस्खलन के कारण चुन्चुब्री स्यारी नदी का रास्ता अवरुद्ध हो गया था। इससे पानी एक जगह जमा होता रहा और रुकावट टूटने के बाद अचानक तेज बहाव के साथ नीचे की ओर आ गया। ेरखा जिला पुलिस कार्यालय के निरीक्षक आकाश कंडेल के अनुसार, बाढ़ के खतरे को देखते हुए प्रशासन ने सिरदिबास और धारचे ग्रामीण नगरपालिका के खोर्लाबेसी, माछाखोला, सोती, अरखेत और आरुघाट में रहने वाले लोगों को सुरक्षित स्थानों पर जाने की सलाह दी नेपाल के राष्ट्रीय आपदा जोखिम न्यूनीकरण एवं प्रबंधन प्राधिकरण के मुख्य कार्यकारी डॉ. धर्मराज उप्रेती ने बताया कि ऊपरी क्षेत्र से बाढ़ का पानी आरुघाट पहुंचने में लगभग तीन घंटे लगते हैं। इससे नदी के निचले हिस्सों में रहने वाले लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचने के लिए समय मिल सकता है। प्रशासन ने लोगों को संदेश भेजकर सतर्क किया है। सिरदिबास, जगत, यारी, तातोपानी, सोती और अरुखोला जैसे नदी किनारे बसे इलाकों के लोगों से विशेष सावधानी बरतने को कहा गया है। नेपाल में आई बाढ़ के बाद बिहार के कुछ हिस्सों में संभावित असर को लेकर भी चिंता जताई जा रही है। बूढ़ी गंडकी नदी आगे त्रिशूली नदी से मिलती है। दोनों नदियों का पानी देवघाट के पास नारायणी नदी में पहुंचता है, जो भारत में गंडक के नाम से बिहार में प्रवेश करती है और आगे गंगा में मिल जाती है। यदि नदी में पानी का बहाव बढ़ता है, तो गंडक के किनारे बसे पश्चिम चंपारण, गोपालगंज और वैशाली जैसे जिलों पर असर पड़ने की आशंका हो सकती है। हालांकि, नेपाल में आई इस बाढ़ के कारण बिहार में जलस्तर कितना बढ़ेगा, इसे लेकर अभी स्थिति स्पष्ट नहीं है। ऐसे में वास्तविक खतरे का आकलन नदी के जलस्तर और आगे की परिस्थितियों के आधार पर ही किया जा सकेगा। नेपाल के पहाड़ी क्षेत्रों में भूस्खलन के कारण अचानक बाढ़ आने का खतरा बना रहता है। पहाड़ों से मिट्टी और चट्टानें खिसककर नदी या नाले का रास्ता रोक देती हैं। इससे पानी जमा होने लगता है। जब यह प्राकृतिक रुकावट टूटती है, तो पानी तेजी से



नीचे की ओर बहता है और नदी किनारे बसे गांवों में तबाही मचा सकता है। ऐसी बाढ़ अपने साथ बड़े पत्थर, पेड़ और मलबा बहाकर लाती है। इससे घरों, पुलों और सड़कों को भारी नुकसान पहुंच सकता है। इसके लिए यह जरूरी नहीं कि प्रभावित गांव में भी बारिश हुई हो। नेपाल में इससे पहले 26 अगस्त को भोटेकोशी और त्रिशूली नदी क्षेत्रों में आई बाढ़ ने भारी तबाही मचाई थी। चीन के तिब्बत से लगी सीमा के पास शुरू हुई बाढ़ से घरों, सड़कों, पुलों और बिजली परियोजनाओं को नुकसान पहुंचा था।

दिल्ली में प्रदर्शन से जुड़ी याचिकाओं पर विशेष पीठ की सुनवाई, मेट्रो और इंटरनेट सेवाएं सामान्य रखने के निर्देश; सात हजार से अधिक लोगों को हिरासत में लेने के आरोपों पर अधिकारियों से जवाब तलब

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। दिल्ली में कॉकरोच जनता पार्टी और वामपंथी संगठनों के प्रदर्शन के दौरान मेट्रो सेवाएं बंद करने, इंटरनेट बाधित करने तथा प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लेने से जुड़े मामले में रविवार को सुप्रीम कोर्ट की विशेष पीठ ने सुनवाई की। न्यायालय ने स्पष्ट किया कि मेट्रो सेवाएं सामान्य रूप से चलनी चाहिए, इंटरनेट बाधित नहीं होना चाहिए और लोगों की आवाजाही पर पूरी तरह रोक नहीं लगाई जा सकती। न्यायालय ने संबंधित अधिकारियों को नोटिस जारी कर मंगलवार तक जवाब मांगा है। न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची और न्यायमूर्ति वी. मोहन की पीठ ने प्रदर्शनकारियों के अधिकारों और सार्वजनिक व्यवस्था बनाए रखने के बीच संतुलन की आवश्यकता पर जोर दिया। सुनवाई के दौरान न्यायालय ने कहा कि शांतिपूर्ण प्रदर्शन का अधिकार है, लेकिन इसका इस्तेमाल कानून के दायरे में रहकर किया जाना चाहिए। सार्वजनिक व्यवस्था बनाए रखने के लिए उचित प्रतिबंध लगाए जा सकते हैं, पर उनके नाम पर नागरिकों की आवाजाही पूरी तरह रोकना उचित नहीं है। याचिकाकर्ताओं ने आरोप लगाया कि नौ अक्टूबर को सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार को निर्देश दिया था कि प्रदर्शन के कारण दिल्ली मेट्रो और दिल्ली आने वाली ट्रेनों की आवाजाही पूरी तरह बंद नहीं की जाए। इसके बावजूद अगले दिन सेवाओं पर रोक लगाई गई और लोगों को प्रदर्शन स्थल तक पहुंचने से रोका गया। इसी संबंध में दो याचिकाएं दाखिल की गई थीं। कॉकरोच जनता पार्टी और वामपंथी संगठनों ने दस अक्टूबर को मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार और विशेष गहन पुनरीक्षण प्रक्रिया के विरोध में प्रदर्शन का आह्वान किया था। दिल्ली पुलिस ने प्रदर्शन की अनुमति नहीं दी और शहर में कई स्थानों पर बैरिकेडिंग की। याचिकाकर्ताओं के अनुसार, इस दौरान सात हजार से अधिक प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लिया गया और 303 में से 45 मेट्रो स्टेशन बंद किए गए। याचिकाकर्ताओं की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने संविधान के अनुच्छेद 19(1)(क) का हवाला देते हुए कहा कि नागरिकों को अपनी बात रखने और शांतिपूर्ण प्रदर्शन करने का अधिकार है। उनका आरोप था कि प्रदर्शनकारियों को निर्धारित स्थल तक पहुंचने से रोका गया। अधिवक्ता शोएब आलम ने भी कहा कि प्रदर्शन के अधिकार पर उचित प्रतिबंध लगाए जा सकते हैं, लेकिन लोगों को पूरी तरह रोकना अलग बात है। वरिष्ठ अधिवक्ता मेनका गुरुस्वामी ने कहा कि मामला केवल कुछ नेताओं या सांसदों की हिरासत तक सीमित नहीं है, बल्कि कथित तौर पर हिरासत में लिए गए हजारों लोगों के संवैधानिक अधिकारों से जुड़ा है। शोएब आलम ने आरोप लगाया कि प्रदर्शन स्थल तक पहुंचने से रोकने के लिए दिल्ली के बाहर से आने वाले लोगों को भी हिरासत में लिया गया और कुछ लोगों के घरों पर छापे मारे गए। उन्होंने हिरासत में लेने की प्रक्रिया और उसके औचित्य पर सवाल उठाए। ाचिकाकर्ताओं के वकीलों ने आरोप लगाया कि कुछ पुलिसकर्मी बिना नाम-पट्टिका के मौजूद थे और प्रदर्शनकारियों पर बल प्रयोग किया गया। इस पर



न्यायमूर्ति बागची ने कहा कि अधिकारियों की जिम्मेदारियों के उल्लंघन और बल प्रयोग से जुड़े आरोपों की जांच होगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि कानून-व्यवस्था बनाए रखने के नाम पर पुलिस को नागरिकों के अधिकारों से ऊपर नहीं रखा जा सकता। ट्रेनें सामान्य रूप से चल रही हैं तथा इंटरनेट सेवा बहाल हो चुकी है। उन्होंने बताया कि बंद किए गए 45 मेट्रो स्टेशन शनिवार रात दस बजे तक दोबारा खोल दिए गए थे।

printed, Published and Owned by SARABJIT MAKAN and Printed by ILEVAN HASMUKHRAI THAKAR Printed at Jay Graphics & Printers, C/15, Vikram Chambers, Ashram Road, Ahmedabd - 380009. and published from F/1 first floor, rajas apartment, near old railway crossing, maninagar east maninagar, Ahmedabad, Gujarat-380008. Editor SARABJIT MAKAN, Mo.: 9638877700, 9662420070.